हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● बुधवार ● 06.11.2024 ● वर्ष : 15 ● अंक : 105 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

इंडिया गठबंधन का घोषणा पत्र जारी, 10 लाख नौकरियां और 450 रुपये में गैस सिलेंडर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : इंडिया गठबंधन ने मंगलवार 5 नवंबर को रांची के बीएनआर होटल में अपना घोषणा पत्र जारी किया। इस दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सीएम हेमंत सोरेन, झारखंड कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, आरजेडी के जयप्रकाश नारायण यादव, सीपीआई एमएल्ले के शुभेंदु सेन आदि मौजूद रहे। बता दें कि महागठबंधन ने अपने घोषणा पत्र को न्याय पत्र नाम दिया है। इसके जरिए महागठबंधन ने जनता से सात गारंटी का वादा किया है।

आईएनडीआईए के घोषणा पत्र की ये हैं सात गारंटियां

- गारंटी 1932 आधारित खतियान की : 1932 के खतियान पर आधारित स्थानीयता नीति लाने, सरना धर्म कोड को लागू करवाने के साथ-साथ क्षेत्रीय भाषा-संस्कृति के संरक्षण को संकल्पित।
- गारंटी मंईयां सम्मान की : दिसंबर 2024 से मंईयां सम्मान योजना के अंतर्गत 2,500 की सम्मान राशि दी जाएगी।
- गारंटी सामाजिक न्याय की: एसटी को 28 प्रतिशत, एससी को 12 प्रतिशत, ओबीसी को 27 प्रतिशत और अल्पसंख्यक के हितों का संरक्षण करने हेतु संकल्पित। इसके साथ ही पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्रालय के गठन हेतु संकल्पित।
- गारंटी खाद्य सुरक्षा की : प्रति व्यक्ति 7 किलो राशन वितरित किया जाएगा। इसके साथ ही राज्य के हर गरीब परिवार को 450 में गैस सिलेंडर दिया जाएगा।
- गारंटी रोजगार एवं स्वास्थ्य सुरक्षा की : झारखण्ड के 10 लाख युवक और युवतियों को नौकरी व रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही करीब 15 लाख तक परिवारिक स्वास्थ्य बीमा दिया जाएगा।
- गारंटी शिक्षा की : राज्य के सभी प्रखण्डों में डिग्री कॉलेज तथा जिला मुख्यालयों में इंजीनियरिंग, मेडिकल कॉलेज और यूनिवर्सिटी की स्थापना की जाएगी। इसके साथ ही रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु औद्योगिक प्रोत्साहन नीति लाते हुए राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में 500-500 एकड़ का औद्योगिक पार्क बनाया जाएगा।
- गारंटी किसान कल्याण की : धान के एमएसपी को 2400 से बढ़ाकर 3200 करने के साथ-साथ लाह, तसर, करंज, इमली, महुआ, चिरोंजी, साल बीज आदि के समर्थन मूल्य में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि की जाएगी।

एक नजर

शारदा सिन्हा की हालत बेहद नाजुक पीएम ने फोन पर लिया हालचाल

पटना : बिहार की मशहूर लोक गायिका शारदा सिन्हा की तबीयत आज मंगलवार की सुबह और बगड़ गई। उन्हें दिल्ली एम्स की आईसीयू में वेंटिलेटर पर रखा गया है। इसी बीच आज सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी फोन कर लोक गायिका शारदा सिन्हा के बेटे से उनका हालचाल जाना। शारदा सिन्हा के बेटे अंशुमान ने बताया कि कल सोमवार की शाम से ही शारदा सिन्हा की तबीयत ज्यादा बिगड़ने लगी जिसके बाद उन्हें वेंटिलेटर पर शिफ्ट कर दिया गया। पीएम मोदी ने शारदा सिन्हा के बेटे अंशुमान से फोन पर बात करते हुए उन्हें हिम्मत के साथ मां का इलाज कराने में डटे रहने को कहा। अंशुमान सिन्हा ने कहा कि उनकी मां को दुआओं की काफी ज्यादा जरूरत है। लोग दुआ करें कि उनकी मां वेंटिलेटर से बाहर आ जाएं।

दिल्ली सरकार की मुफ्त बस यात्रा योजना ने बनाया नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली : दिल्ली सरकार ने महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा योजना में एक रिकॉर्ड स्थापित किया है। तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में 2019 में भाई दूज के अवसर पर महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से इस योजना की शुरूआत की गई थी। अब तक 150 करोड़ से अधिक बार महिलाओं ने दिल्ली की डीटीसी और क्लस्टर बसों में मुफ्त यात्रा की है। इस योजना की वजह से महिलाओं के बीच सार्वजनिक परिवहन का उपयोग बढ़ा है। जिसमें 15 फीसदी नई महिला यात्रियों के जुड़ने के साथ ही 25 फीसदी महिलाएं नियमित रूप से बसों में सफर करती हैं। इस खास अवसर पर अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट किया, हर महीने लाखों महिलाएं पिंक टिकट का लाभ उठाकर मुफ्त सफर कर रही हैं और उनकी बचत अब उनके परिवार की जरूरतों का सहारा बन रही है। एक बेटे और बड़े भाई के रूप में मेरा सपना है कि हर बेटी और बहन आत्मनिर्भर बने और अपने सपनों को पूरा कर सके। दिल्ली सरकार की पिंक टिकट योजना के सफलतापूर्वक पांच साल पूरे होने पर आम आदमी पार्टी (आआपा) की नेता रीना गुप्ता ने ट्वीट कर बताया कि दिल्ली सरकार की यह योजना लाखों महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव लेकर आई है।

झारखंड की खनिज संपदा पर है भाजपा की नजर : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन मंगलवार को चतरा जिले के टंडवा प्रखंड मुख्यालय में चुनावी सभा की। सिमरिया विधानसभा से झामुमो प्रत्याशी मनोज चंद्रा के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की नजर झारखंड के खनिज संपदा, जल-जंगल एवं जमीन पर है। वे बड़े पैमाने पर पूंजीपति मित्रों को स्थापित करना चाहते हैं और यहां के लोगों को विस्थापित करने की मंशा है। गरीबों और आदिवासियों का जल-जंगल, जमीन की बात एक जुमले की तरह बड़े-बड़े मंचों से वे बोलते हैं। इस राज्य में उद्योग से लेकर खनन में अपने व्यापारी मित्रों को बैठना चाहते हैं। यहां के आदिवासियों और मूल वासियों को बेदखल करने का इनकी सोची समझी षड्यंत्र है। ये आपके बीच घुसकर हमें बिखरने का प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि 25 वर्षों के झारखंड में ये 20 वर्षों

तक सिंहासन पर बैठे रहे। डबल इंजन की सरकार में यहां के लोगों में कोई बदलाव नहीं हुआ। पूंजीपतियों को मदद पहुंचाने के लिए वोट मांग रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा व केंद्र सरकार आज तक कितने आदिवासी, दलित, मूलवासी व अल्पसंख्यक का भला किए हैं। सिर्फ हिंदू व मुस्लिम करके लड़ाना चाहते हैं। घुसपैठ मेरा व्यक्तिगत मामला नहीं है। यह राष्ट्र का मामला है। केंद्र सरकार इसे नियंत्रित करती है। इस मामले पर देश के प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को बताना चाहिए आखिर घुसपैठियों क्यों बढ़ रहे हैं। देश और सीमाओं की सुरक्षा का जिम्मा केंद्र सरकार पर है। ऐसे में यह इस मसले को उछालकर राज्य सरकार को बदनाम करना चाहते हैं। इनका वश चले तो जात धर्म के नाम पर एक दूसरे में फूट डलवाते ही हैं अब यह घर-घर लड़वाना भी शुरू कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि जनता इन्हें मुंहतोड़ जवाब देगी। हमने राज्य में विस्थापन आयोग भी बनाया है। उन्होंने कहा कि झारखंड में ओबीसी आरक्षण 27 प्रतिशत से घटकर 14 प्रतिशत बाबूलाल मरांडी व भाजपा सरकार ने किया। ये गैस सिलेंडर 500 में देने की बात करते हैं। 2014 से लेकर आज तक वे महंगे गैस सिलेंडर बेचते रहे। आज असम, मध्य प्रदेश, यूपी और छत्तीसगढ़ में ये दाम कम क्यों नहीं करते हैं। आदिवासी व गरीब विरोधी भाजपा वाले यह कभी नहीं चाहते हैं कि एक गरीब आदिवासी उनके बगल में बैठे। उन्होंने अपने शासनकाल में किए कार्यों को रखा और कहा कि महिला सशक्तिकरण अबुआ सरकार ने किया है। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय से पार्टी प्रत्याशी मनोज चंद्रा को जीताने की अपील की।

सांप से भी ज्यादा जहरीले हैं भाजपा नेताओं के बोल : हेमन्त सोरेन

लातेहार : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन लातेहार जिले के हेरहंज प्रखंड में मंगलवार को चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने जहां झामुमो के पक्ष में वोट मांगा, वहीं भाजपा नेताओं पर कटाक्ष करते हुए कहा कि भाजपा नेताओं के बोल सांपों से भी ज्यादा जहरीले हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा समाज को बांट कर चुनाव जीतना चाह रही है। परंतु झारखंड की जनता भाजपा के बहकावे में आने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले 5 वर्षों के दौरान उन्होंने झारखंड राज्य में यहां के लोगों के लिए जितने कार्य किया, जितनी योजनाएं चलाई ,इसका सीधा लाभ यहां के लोगों को ही मिला। भाजपा और उसके व्यापारी मित्र यह नहीं चाहते कि झारखंड के गरीबों का कल्याण हो। इसीलिए पांच वर्षों तक लगातार उन्हें परेशान किया गया। झूठे आरोप में जेल भी भेजा गया। परंतु भाजपा के प्रताड़ना से उन्होंने हार नहीं मानी और झारखंडियों के विकास के लिए हमेशा आगे बढ़ता रहा। हेमंत सोरेन ने कहा कि आज झारखंड की महिलाओं को मंईयां सम्मान योजना से आर्थिक समृद्धि मिल रही है।

हेमन्त सोरेन की सरकार अब डूबती नैया साबित हो रही : राजनाथ सिंह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लोहरदगा : रक्षा मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के स्टार प्रचारक राजनाथ सिंह ने मंगलवार को झारखंड के लोहरदगा स्थित समाहरणाय मैदान में विधानसभा स्तरीय चूल्हा प्रमुख सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य की हेमंत सोरेन की सरकार अब डूबती नैया साबित हो रही है। झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस एवं राजद से लोग भाजपा में शामिल हो रहे हैं। हवा का रुख देखकर हेमंत के प्रस्तावक मंडल मुर्मू भाजपा में शामिल हुए हैं। बड़ी संख्या में झामुमो छोड़कर लोग भाजपा पर विश्वास कर रहे हैं। राजनाथ ने कहा कि एनडीए नैया पार कराने वाली पार्टी है जबकि झारखंड मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय जनता दल एवं कांग्रेस दिवाली के दागे हुए पटाखे हैं। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने झारखंड बनाया। झारखंड के अलावा तीन राज्यों का गठन उनके कार्यकाल में हुआ, जो अब विकसित राज्य की श्रेणी में आ गए हैं लेकिन झारखंड का विकास नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा जान जाए पर वचन न जाए वाली पार्टी है। हम जो कहते हैं वह करते हैं। हमारा घोषणा पत्र सोच-समझकर बनाया जाता है। उन्होंने कहा कि एनडीए को मिला दिया जाए तो दुनिया का सबसे बड़ा गठबंधन है। यदि झारखंड में गठबंधन की सरकार बनी तो झारखंड का विकास को ऊंचाइयों तक ले जाएगा। भाजपा धर्म, पंथ की राजनीति नहीं करती, बल्कि इंसाफ और इंसानियत की राजनीति करती है। इन तीनों मुख्यमंत्री में किसी तरह का दाग आज तक नहीं लगा लेकिन अन्य दलों के मुख्यमंत्री जेल की हवा खा चुके हैं।

झारखंड में सीबीआई की छापेमारी में 60 लाख नकद, एक किलो सोना और कागजात बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अवैध पत्थर खनन से संबंधित मामले में मंगलवार को झारखंड में छापेमारी की है। इनमें राज्य की राजधानी रांची में तीन स्थानों, गुमला जिले में एक स्थान और साहेबगंज जिले में 13 स्थानों पर छापेमारी हुई है। सीबीआई से मिली जानकारी के अनुसार, अब तक की तलाशी में 60 लाख रुपये से अधिक नकदी, एक किलो से अधिक सोना, 1.2 किलो चांदी, सोने के आभूषण, मोबाइल, 61 जिंदा कारतूस (9 मिमी), संपत्तियों से संबंधित बिक्री विलेख, निवेश और शेल कंपनियों से संबंधित दस्तावेज, समझौते के कागजात और अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए हैं। जांच से पता चला है कि साहेबगंज जिले में बड़े पैमाने पर अवैध खनन गतिविधियों ने कथित तौर पर सरकार को काफी नुकसान पहुंचाया गया है। साथ ही खनन कानूनों के उल्लंघन किया गया है। क्षेत्रीय जांच से पता चलता है कि प्रमुख व्यक्ति और संस्थाएं अपनी गतिविधियों को छिपाने और अवैध रूप से प्राप्त संसाधनों, धन को डायवर्ट करने के लिए कई तरीकों का इस्तेमाल करते हुए इस ऑपरेशन में कथित रूप से शामिल थीं। सीबीआई ने जिन लोगों के यहां छापेमारी की है, वे सभी पंकज मिश्रा के करीबी बताए जा रहे हैं। छापेमारी उन संदिग्धों के परिसरों में की जा रही है, जिनकी भूमिका आगे की जांच के दौरान सामने आई है। जांच जारी है।

हेमन्त सोरेन सरकार ने झारखंड की जनता के हित में कई बड़े निर्णय लिए : मल्लिकार्जुन खरगे

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जन खरगे ने मंगलवार को झारखंड में इंडी गठबंधन के प्रत्याशियों के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने हजारीबाग के मांडू विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे जयप्रकाश भाई पटेल के पक्ष में लोगों से वोट देने की अपील की। साथ ही राज्य में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में चल रही गठबंधन सरकार की उपलब्धियों का बखान

करते हुए कहा कि सोरेन सरकार ने झारखंड की जनता के हित में कई बड़े निर्णय लिए। खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भी हमला बोला। खासकर प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी वाले बयान के लिए उन्हें आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कहते हैं कि ये मोदी की गारंटी है। कहां है आपकी गारंटी। खरगे ने कहा कि गारंटी कांग्रेस की नेता सोनिया गांधी ने दी थी। उनकी वजह से भूखे लोगों को आज अन्न मिल रहा है। उन्होंने मनरेगा योजना की गारंटी दी थी। लोगों को साल 100 दिन के रोजगार की गारंटी मिली थी। आज मोदी की सरकार इस योजना को खत्म करने में लगी हुई है। उन्होंने मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि आपके वादों का कद भी आपके जैसा है। कभी भी नाप के देखो तो कम निकलता है। मल्लिकार्जुन ने कहा कि मोदी अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की बात करते हैं। आदिवासियों की बात करते हैं। हेमंत सोरेन की सरकार ने 2022 में एससी-एसटी के आरक्षण को बढ़ाने का प्रस्ताव पास करके भेजा था। आज भी वह प्रस्ताव राजभवन में पड़ा है। उसे मंजूरी क्यों नहीं दी जा रही।

बटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे तो नेक रहेंगे : योगी आदित्यनाथ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को झारखंड विधानसभा चुनाव के अखाड़े में उतरे। उन्होंने जन आशीर्वाद सभा को संबोधित करते हुए लोगों का आह्वान किया कि ताकत का अहसास कराइए। पत्थरबाज सड़कों पर झाड़ू लगाकर रास्ता साफ करेंगे और हर घर पर बजरंगी पताका फहराती दिखाई देगी। साथ ही कहा कि बटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे तो नेक रहेंगे। योगी ने कहा कि झामुमो, राजद और कांग्रेस का गठबंधन झारखंड के विकास के लिए नहीं है। ये विनाश के दूत हैं। भ्रष्टाचार

के फरिश्ते हैं। यहां की सरकार ने बांग्लादेशी घुसपैठियों को वोट बैंक के लिए प्रश्रय दिया है। योगी आदित्यनाथ ने एनडीए के संकल्प पत्र को दोहराया और कहा कि एनडीए की सरकार बनी तो गोगो दीदी योजना से हर महीने महिलाओं को 2100 रुपये दिए जाएंगे। साथ ही 21 लाख लोगों को पक्का घर दिया जाएगा। बालू फ्री में दी जाएगी। ये सभी लाभ झारखंडवासियों को दिए जाएंगे, बांग्लादेशी घुसपैठियों को नहीं। योगी ने कहा कि जो लोग कहते थे कि अयोध्या में राम मंदिर नहीं बन पाएगा, वे देख रहे हैं कि मंदिर भी बन गया और रामलला विराजमान भी हो गए हैं। नए भारत का नया उत्तर प्रदेश निर्दोष नागरिकों-हिंदुओं को छेड़ने वाले को छोड़ता नहीं है। श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर बने, इसके लिए रामभक्तों ने संघर्ष किया। लाखों रामभक्तों ने बलिदान भी दिया। योगी ने कहा कि कांग्रेस, राजद, झामुमो राम मंदिर निर्माण के मार्ग में बाधक थे। यूपी में भाजपा सरकार बनी, तो 500 वर्ष की समस्या का समाधान हो गया। योगी ने झारखंडवासियों का आह्वान किया कि जातियों में बंटिए मत। जाति, क्षेत्र, भाषा के नाम पर बांटने वाले वही लोग हैं, जो संकट आने पर साथ खड़े नहीं होंगे। कांग्रेस ने 1947 से देश को जख्म दिया। यही काम राजद ने बिहार व झामुमो ने झारखंड में किया। जिस प्रकार से झारखंड के अंदर रोहिंग्या की घुसपैठ प्रारंभ कराई गई है। डेमोग्राफी इसी प्रकार चेंज हुई तो यह लोग आज यात्रा रोक रहे हैं, आने वाले समय में घरों में घंटी व शंख नहीं बजाने देंगे। भाजपा को लाइए, एक रहिए और नेक रहिए। भाजपा लाइए, रामनवमी की सुरक्षित यात्रा निकालिए। देश का इतिहास गवाह है, जब भी जाति, क्षेत्र व भाषा के नाम पर बटे हैं तो निर्ममता से कटे हैं। सीएम ने कहा कि जैसे कश्मीर से पत्थरबाज समाप्त हुए, भाजपा सरकार बनने पर वैसे ही झारखंड से नक्सलवाद भी समाप्त करेंगे।

नहाय-खाय के साथ लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ मंगलवार से शुरू हो गया। पहले दिन व्रतियों ने स्नान करने के बाद सात्विक भोजन, कद्दू भात, चना दाल आदि का सेवन किया। बुधवार को खरना है। दिनभर उपवास के बाद शाम में व्रती खीर-पुड़ी का प्रसाद करेंगे। व्रती गुरुवार शाम में अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य देंगे और शुक्रवार की सुबह उदयमान सूर्य को अर्घ्य देंगे। इसके बाद पारन करेंगे। इसके साथ चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन होगा। छठ को लेकर हर जगह घाटों की साफ-सफाई व सजावट का काम चल रहा है। सरकार के साथ स्वंयसेवी संगठन इस काम लगे हुए हैं। घाटों को सुंदर ढंग से सजाया जा रहा है। रांची में कई स्थानों पर सजावट का काम अंतिम चरण में हैं। महापर्व छठ को लेकर राजधानी में तैयारी तेज हो गई है, जहां छठ घाटों को चकाचक किया गया है। नदी, डैम, तालाबों को स्वच्छ किया गया है। वहीं, राजधानी में छठ बाजार में सज-धज कर तैयार हो गये हैं। महापर्व के मौके पर राजधानी के जिला स्कूल मैदान में वर्षों से तीन दिवसीय बाजार सजता आ रहा है। यहां 250 से 300 लोग गांव, प्रखंड, पंचायात, ब्लॉक के लोग अपनी दुकाने लगाने पहुंचते हैं।

एक नजर

तालाब में डूबने से एक बच्ची की हुई मौत

चौपारण : छठ के नहाय खाय के दिन प्रखण्ड के देहर पंचायत के ग्राम नीमा में तालाब में डूबने से एक बच्ची की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार वह तालाब में कुछ सहेलियों के साथ सुबह में नहाने गई थी। नहाने के दौरान ही वह तालाब की पानी की गहराई की ओर चली गई और डूब गई। जिससे बच्ची ने तालाब में ही दम तोड़ दी। यह देख उसकी सहेलियों ने हो-हल्ला की तो आसपास के लोगों ने दौड़ कर उक्क्त लड़की के शव को बाहर निकाला। बच्ची की पहचान मधु कुमारी उम्र 14 वर्ष पिता गणेश गंझू ग्राम ढोढ़ीया की रूप में हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार वह उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए नीमा में रामावतार राणा के घर पर रहकर काम और पढ़ाई करती थी। वह प्रखण्ड के शहीद भगत सिंह उच्च विद्यालय झापा बिसनपुर की छात्रा बताई जाती है। इधर घटना की सूचना चौपारण पुलिस को मिलते ही घटना स्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश ने बताया कि प्रथम दृष्टया बच्ची की मौत तालाब में डूबने से होने की बात कही जा रही है। फिलहाल इसकी छानबीन की जा रही है।

झामुमो की तुष्टिकरण की राजनीति होगी समाप्त झारखंड में बनेगी भाजपा की सरकार : रंजीत चंद्रवंशी

बरही : बरही विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी ने आगामी चुनावों की तैयारी के मद्देनजर विभिन्न पंचायतों में बैठकें कीं। इन बैठकों का नेतृत्व छत्तीसगढ़ से आए प्रवासी कार्यकर्ता अरुणधर दीवान और पूर्व प्रदेश मीडिया प्रभारी सह विधानसभा कोर कमेटी के सदस्य रंजीत चंद्रवंशी ने किया। इस क्रम में खोडाहर पंचायत, केदारुत पंचायत और गौरियाकर्मा पंचायत में जनसंपर्क अभियान और कार्यकताओं के साथ बैठकें आयोजित की गई, जिनमें भाजपा की नीतियों और आगामी योजनाओं पर चर्चा की गई। बैठकों में रंजीत चंद्रवंशी ने केंद्र की मोदी सरकार की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि झारखंड में भाजपा की सरकार बनते ही मोदी गारंटी योजना के तहत कई जनहितकारी योजनाओं को लागू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि गो गो दीदी योजना के तहत 2,100 रुपये व त्योहार के मौके पर गैस सिलेंडर 500 रुपये में उपलब्ध कराया जाएगा और रक्षा बंधन एवं दीपावली के मौके पर मुफ्त गैस सिलेंडर दिए जाएंगे। इसके अलावा 2 लाख 87 हजार युवाओं को रोजगार और प्रशिक्षण, 21 लाख आवासों का निर्माण, मुफ्त बालू, और 65 हजार अनुबंधकर्मियों का नियमितीकरण भी भाजपा के वादों में शामिल है। श्री चंद्रवंशी ने विपक्षी गठबंधन पर तीखा हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस, झामुमो और राजद ने राज्य को तुष्टिकरण की राजनीति के माध्यम से बर्बाद कर दिया है। उन्होंने कहा, झारखंड को बांग्लादेश बनने नहीं दिया जाएगा और अवैध घुसपैठियों को राज्य से बाहर किया जाएगा। रंजीत चंद्रवंशी ने इंडी ठगबंधन को जड़ से उखाड़ने की बात कही और दावा किया कि राज्य में तुष्टिकरण की राजनीति का अंत होगा, जिससे राज्य का विकास संभव हो सकेगा। बैठक में शामिल पार्टी कार्यकताओं ने भाजपा के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया और चुनाव में बहुमत से सरकार बनाने का संकल्प लिया। इस मौके पर विशेश्वर यादव, प्रधुमन सिंह, देवनंदन यादव, दुलार यादव, रंजीत यादव, रमेश सिंह, उमेश सिंह, बीरेन्द्र सिंह, इंद्रदेव ठाकुर, श्रवण सिंह, अरुण सिंह, प्रमेश्वर यादव, राजन ओम यादव, संतोष शर्मा, हिमानी चौधरी, दीनानाथ यादव, दिनेश यादव, गौतम सिंह, आशीष यादव, नरेश यादव, महेश सिंह, हरिताभ यादव, शिवनाथ यादव, उदय सिंह, संतोष सिंह, मनोज यादव, दिनेश सिंह, श्याम सिंह, लक्ष्मण यादव समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

मतदाताओं में चुनाव के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें मतदान के लिए प्रेरित करना है : बीडीओ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : आसन्न विधानसभा चुनाव को लेकर बरही प्रखंड में व्यापक स्तर पर मतदाता जागरूकता और मतदान प्रक्रिया को सुगम बनाने का प्रयास जारी हैं। इस क्रम में, बरही-21 निर्वाचन क्षेत्र में 22 वरिष्ठ नागरिकों और विकलांग मतदाताओं को घर पर मतदान कराने की सुविधा प्रदान की गई। यह पहल सुनिश्चित करती है कि कोई भी मतदाता मतदान के अधिकार से वंचित न रहे, चाहे उनकी शारीरिक स्थिति कोई भी हो। इस विशेष गतिविधि के तहत, चुनाव आयोग के द्वारा निर्धारित एसवीईईपी कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें भविष्य के मतदाताओं के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए कई गतिविधियाँ शामिल थीं। इस अवसर पर नगर भवन बरही में एक रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें सरकारी स्कूलों की छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य न केवल मतदाता जागरूकता को बढ़ाना था, बल्कि चुनाव प्रक्रिया के प्रति युवाओं और बच्चों में रुचि विकसित करना भी था। रंगोली प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपने-अपने रंगीन विचारों को चित्रित किया और मतदान के महत्व को दशार्ने वाले संदेशों को भी शामिल किया। सहायक निवार्ची पदाधिकारी सह बीडीओ जयपाल महतो ने कहा कि इस तरह की गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य मतदाताओं में चुनाव के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें मतदान के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने यह भी कहा कि घर पर मतदान कराने का निर्णय उन लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जिन्हें मतदान केंद्र तक जाने में कठिनाई होती है, जैसे कि बुजुर्ग और विकलांग मतदाता। सीओ अमित किस्कू ने कहा कि बरही प्रखंड में इस तरह की गतिविधियों के माध्यम से, चुनाव आयोग यह सुनिश्चित करना चाहता है कि हर व्यक्ति को अपनी वोट डालने का अवसर मिले और लोकतंत्र में उनकी आवाज सुनाई दे। इन प्रयासों के जरिए स्थानीय प्रशासन और चुनाव आयोग ने सभी नागरिकों को अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया है। विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया के तहत इस प्रकार की गतिविधियाँ न केवल लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करती हैं, बल्कि यह भी सुनिश्चित करती हैं कि हर मतदाता, चाहे वह किसी भी परिस्थिति में क्यों न हो, अपने अधिकारों का प्रयोग कर सके। इस अभियान के माध्यम से बरही प्रखंड में मतदान की प्रक्रिया को सरल और सहज बनाने के लिए निरंतर प्रयास जारी हैं। मौके पर जेपीएस साँवना मांझी समेत प्रखण्ड कर्मी मौजूद थे।

कांग्रेस प्रत्याशी मुन्ना सिंह का कटकमसांडी में चला जनसंपर्क अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग के कटकमसांडी प्रखंड में वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं हजारीबाग से इंडिया महागठबंधन प्रत्याशी मुन्ना सिंह ने जनसंपर्क अभियान चलाया। इस अभियान के अंतर्गत मुन्ना सिंह उनके कार्यकर्ता एवं उनके सैकड़ों समर्थकों ने बांझिया, शाहपुर, एदला, बसंतपुर, कटकमसांडी चौक, लखनू, मंदिर चौक हरिजन टोला, नवादा चौक, पाराटांड़ मोड़, बरगड्डा, बहिमर चौक, सारुगारु स्कूल, डांड चौक, सुलमी चौक, लुपुंग मंदिर चौक, असधीर चौक, जलमा चौक, कंचनपुर, हेदलॉग, छड़वा डैम, खुटरा चौक, रोमी चौक, पबरा चौक एवं मायापुर मंदिर का दौरा किया। जनसंपर्क अभियान में सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना में 730000 किशोरियों को लाभान्वित होने की जानकारी दी गई।इसके इलावा 38.41 लाख उपभोक्ताओं का बकाया बिजली बिल माफी और मैया सम्मान योजना का सकारात्मक असर जनता की बीच देखा जा रहा है। इस जनसंपर्क अभियान में कांग्रेस पार्टी के कटकमसांडी प्रखंड अध्यक्ष नरसिंह प्रजापति, बीस सूत्रीय अध्यक्ष सरयू यादव, जिला महासचिव रंजीत यादव, जिला महासचिव बाबर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजू सिंह, जिला महासचिव मनोज मोदी, प्रखंड सचिव रियाजउद्दीन अंसारी, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष राजा, पूर्व मुखिया आराभुसाई रहमत जी, दौत्व मुखिया जयप्रकाश केसरी, पूर्व मुखिया शेर मोहम्मद, शाहपुर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि शंभू यादव, डांटो खुर्द की मुखिया कुमारी बाफला, जिला महासचिव रब्बानी एवं अन्य वरिष्ठ नेता गण मौजूद रहे ।

निर्दलीय प्रत्याशी हर्ष अजमेरा ने किया जनसंपर्क

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : निर्दलीय प्रत्याशी हर्ष अजमेरा ने अपने चुनावी दौरे के दौरान मंगलवार को हजारीबाग क्षेत्र में कई स्थानों जिसमें हुरहुरू पहुंच कर जनता से संवाद किया। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य स्थानीय लोगों से सीधे बातचीत करना और उनकी समस्याओं को सुनना था। दौरे की शुरूआत शाहिद सुभाष बाला की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित करने से हुई। इस अवसर पर हर्ष अजमेरा ने कहा हमें अपने नायकों को याद रखना चाहिए, जिन्होंने समाज के उत्थान के लिए कार्य किया। उनका योगदान हमें प्रेरित करता है। इसके बाद उन्होंने विभिन्न मंदिरों में जाकर माथा टेककर ईश्वर का आशीर्वाद लिया। महिलाओं का इस दौरे में विशेष उत्साह देखने को मिला। हर्ष ने स्थानीय महिलाओं से बातचीत की, जिन्होंने बेझिझक अपने मुद्दे सामने रखे। कई महिलाओं ने शिक्षा, स्वास्थ्य, और सुरक्षा से संबंधित समस्याएं व्यक्त कीं। प्रत्याशी हर्ष अजमेरा ने उन्हें आश्वासन दिया कि आपकी समस्याओं का अवश्य समाधान होगा और उन्होंने विश्वास दिलाया कि वह चुनाव जीतने पर इन मुद्दों पर गंभीरता से काम करेंगे। प्रत्याशी ने छड़ी छाप में जनता का आशीर्वाद मांगा। इस दौरान, लोगों ने एक स्वर में कहा, इस बार छड़ी है हमारा एकमात्र सहारा, बदलेगा हजारीबाग का तकदीर। यह प्रतिक्रिया दशार्ती है कि जनता में बदलाव की आकांक्षा और प्रत्याशी के प्रति समर्थन बढ़ रहा है। हर्ष अजमेरा ने कहा मेरा लक्ष्य हजारीबाग की समृद्धि और विकास के लिए काम करना है। मैं जनता के मुद्दों को प्राथमिकता दूंगा और उनके सहयोग से हजारीबाग को एक नई दिशा देने का प्रयास करूंगा। दौरे के अंत में, हर्ष अजमेरा ने सभी से अपील की वे 23 नंबर की छड़ी को समर्थन दें, ताकि क्षेत्र की तकदीर को बदलने में सहायता मिल सके। उनके इस दौरे ने निश्चित रूप से स्थानीय जनता में उत्साह और समर्थन बढ़ाने का काम किया है।

बड़कागांव में कांग्रेस प्रत्याशी अंबा प्रसाद के जनसंपर्क अभियान में उमड़ी भारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : महागठबंधन समर्थित कांग्रेस प्रत्याशी अंबा प्रसाद ने बड़कगांव प्रखंड के अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायत में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने चेपा कला, जुगरा, डाड़ीकला, सिंदुआरी, सोनबरसा, सिकरी, सिरमा में स्थानीय लोगों से संवाद किया। इस दौरान महागठबंधन प्रत्याशी को भारी समर्थन देखने को मिला। अंबा प्रसाद ने जनसंपर्क के माध्यम से 5 वर्षों का रिपोर्ट कार्ड पेश करते हुए उपलब्धियां गिनाई और लोगों के साथ सीधा संवाद स्थापित किया। उन्होंने पंचायतों में जाकर लोगों को कांग्रेस पार्टी के विकास कार्यों और योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले कार्यकाल में उनकी सरकार ने क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। जनसंपर्क अभियान के दौरान अंबा प्रसाद के साथ महागठबंधन के कार्यकताओं ने घर-घर जाकर संपर्क करने, और लोगों को मतदान के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, हमारी जीत तभी संभव है जब हम एकजुट होकर काम करें और हर मतदाता तक पहुंचें। हमने हर वर्ग के मुद्दों को सुलझाने का पूरा प्रयास किया है। जनसंपर्क के दौरान अंबा प्रसाद को क्षेत्रवासियों का भारी समर्थन प्राप्त हुआ। ग्रामीणों ने उनकी योजनाओं और विकास कार्यों के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की। इस दौरान अंबा प्रसाद ने कहा, आपका यह समर्थन ही हमारी ताकत है। मैं आपके साथ मिलकर इस क्षेत्र के विकास के लिए कार्य करने के लिए तत्पर हूं।

चेकपोस्ट पर चल रहे जांच अभियान का निरीक्षण करने पहुंचीं उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर जिला प्रशासन सभी स्थलों में जांच अभियान चला रही है। ज़िला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त नैंसी सहाय व पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने मंगलवार को कटकमसांडी प्रखंड के अंतर जिला चेकपोस्ट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चेकपोस्ट पर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी से जानकारी प्राप्त कर सघनता से वाहनों की जांच करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने अधिकारियों को अवैध तरीके से किसी भी आवाजाही पर रोक लगाने का दिया निर्देश। उन्होंने चेकपोस्ट पर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी को हर आने-जानेवाले वाहनों की कड़ाई से जांच करने, नकद राशि, मादक पदार्थ, शराब सहित मुफ्त में बांटी जाने वाली सामग्रियों को लेकर आनेवालों वाहनों पर कड़ी नजर का निर्देश भी दिया। उन्होंने चेकपोस्ट से होकर आनेवाले तमाम वाहनों के नंबर तथा वाहन मालिकों के नाम व फोन नंबर इंट्री करने का निर्देश भी दिया। वर्नरेबल मतदान केंद्रों का निरीक्षण जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कटकमसांडी प्रखंड के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने मतदान केंद्रों में एएमएफ की जांच की। साथ ही उन्होंने क्षेत्र अंतर्गत वर्नरेबल बूथों का भी निरीक्षण किया।

चौपारण के चयकला की घटना भारतीय संविधान पर प्रहार : मनीष जायसवाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : बरही विधानसभा क्षेत्र के चयकला की घटना भारतीय संविधान पर सीधा प्रहार है। यह अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला है और प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। प्राथमिकी दर्ज होने के तीन दिन बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इससे राज्य सरकार की मंशा समझी जा सकती है। प्रशासन झारखंड सरकार के इशारे पर काम कर रहा है। यह बात मंगलवार की शाम हजारीबाग के झंडा चौक स्थित अपने कार्यालय में सांसद मनीष जायसवाल ने प्रेस कांफ्रेंस में कहीं। उन्होंने कहा कि बरही भाजपा प्रत्याशी के प्रचार वाहन के पोस्टर-बैनर फाड़ दिए जाते हैं। भाजपा कार्यकताओं को उधर प्रचार नहीं करने की धमकी दी जाती है। बरही विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी का एक कार्यकर्ता वहां का मुखिया प्रतिनिधि अपने समर्थकों के साथ यह सब करता है और कार्रवाई नदारद। ऐसे में लोकतंत्र की परिभाषा कहां रह जाती है यह तो तानाशाही शासन है। इस बारे में वह चुनाव आयोग से हस्तक्षेप और दोषियों पर कार्रवाई की मांग करते हैं। कांग्रेस की यह तुष्टिकरण की नीति नहीं चलने दी जाएगी। सांसद ने कहा कि भाजपा पहले पंच प्रण लेकर आयी, फिर तीन नवंबर को विधानसभा चुनाव में झारखंड की जनता के लिए 25 सूत्री संकल्प प्रधानमंत्री मोदी जी की गारंटी के साथ लेकर आयी है। चुनाव के बाद जैसे ही झारखंड में एनडीए की सरकार बनेगी, सभी योजनाएं धरातल पर उतरनी शुरू हैं जाएंगी। वह गोगो दीदी योजना के तहत महिलाओं को हर माह की 11 तारीख को मिलनेवाली 2100 रुपए की राशि हो या लक्ष्मी जोहार योजना के तहत गृहिणियों को 500 रुपए में दिया जानेवाला रसोई गैस, साल में दो सिलेंडर भी मुफ्त दिए जाएंगे। सुनिश्चित रोजगार योजना के तहत ढाई लाख युवाओं को रोजगार दिया जाएगा। स्नातक योग्यताधारी युवा साथियों को दो साल तक हर माह 2000 रुपए दिए जाएंगे ताकि वह प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर सकें, आवेदन आदि कर सकें। निःशुल्क बालू के साथ सपनों का घर योजना के तहत 21 लाख लोगों को पीएम आवास दिए जाएंगे। वहीं 59 लाख लोगों के घरों तक शुद्ध पेयजल पहुंचाया जाएगा। इस मामले में झारखंड देश के सबसे निचले तीसरे पायदान पर है। डायल 181 पर शिकायत दर्ज करानी हो या एक रुपए के स्टांप पर महिलाओं को 10 लाख की जमीन रजिस्ट्री करानी हो, भाजपा उन सभी योजनाओं को फिर से लागू करेगी, जिन योजनाओं को इंडी सरकार ने बंद कर दिया। निःशुल्क शिक्षा में बढ़ोतरी करते हुए बीएड, नर्सिंग आदि के भी कोर्स कराए जाएंगे। फूलो-झानो योजना के तहत केजी से पीजी तक की मुफ्त शिक्षा मुहैया कराई जाएगी। विस्थापितों के लिए विस्थापन के पहले पुनर्वास नीति लाई जाएगी और इसके लिए पुनर्वासन आयोग का गठन किया जाएगा। मातृत्व सुरक्षा योजना के तहत 21000 रुपए की सहायता राशि दी जाएगी। राज्य में 10 नए सरकारी मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे, वहीं हर जिले के अस्पतालों में 25000 बेड की सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी।

संक्षिप्त खबरें

हमारी सरकार ने जनता से जो भी वायदे किए हैं : खरगे

विष्णुगढ़ : मांडू विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी सह महागठबंधन के प्रत्याशी जयप्रकाश भाई पटेल के द्वारा डाडी प्रखंड के बलसगरा मैदान में विशाल जनसभा का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिका अर्जुन खड़गे थे। श्री खड़गे ने जनता को संबोधित करते हुए कहा हमारी सरकार ने जनता से जो भी वायदे किए हैं , उसे हमने पूरा किया है, और जो वायदे हम अभी कर रहे हैं, उसे भी हम पूरा करेंगे । हमें झूठ बोलने की आदत नहीं हम जो कहते हैं वह कर दिखाते हैं, और आगे भी करते रहेंगे। आप अपना समर्थन हाथ छाप कांग्रेस प्रत्याशी सह इंडिया महागठबंधन के प्रत्याशी जयप्रकाश भाई पटेल को दें और भारी से भारी मतों से विजय बनाएं । जिससे पटेल मांडू की जनता का सेवा करते आए हैं और सेवा कर सकें और मांडू के विकास का पहिया ना रुक पाए। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो , झारखंड प्रभारी गुलाब मीर अहमद, पूर्व झारखंड प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर , इत्यादि गणमान्य, हजारों की संख्या में कार्यकर्ता एवं विभिन्न प्रखंडों से ग्रामीण उपस्थित थे ।

बटेश्वर मेहता ने सैकड़ों समर्थकों संग किया विधानसभा क्षेत्र का दौरा

हजारीबाग : बरकट्ठा विधानसभा से निर्दलीय प्रत्याशी बटेश्वर प्रसाद मेहता ने मंगलवार को सैकड़ों समर्थकों संग पूरे विधानसभा का दौरा किया। उनका काफिला इचाक से निकल बरकट्ठा पहुंचा। वहां कार्यालय का उद्घाटन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में समर्थक उपस्थित थे। बटेश्वर मेहता का काफिला बरकट्ठा के बाद चलकुसा पहुंचा, वहां भी समर्थकों ने स्वागत किया। बटेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि पूरे विधानसभा में परिवर्तन की लहर है, जनता इस बात मन बना चुकी है। इस बार फिर निर्दलीय की जीत होगी। जनता टेंपो पर वोट देने का मन बना चुकी है। इस दौरान युवा नेता गौतम कुमार और निर्दलीय प्रत्याशी सुजीत कुमार ने बटेश्वर प्रसाद मेहता को समर्थन किया और उनके लिए वोट मांगे। गौतम कुमार ने कहा कि मैं भी पांच साल तक क्षेत्र में रह कर जनता के सुख दुख में शामिल रहा हूं। मैं बरकट्ठा की तमाम जनता से बटेश्वर प्रसाद मेहता के पक्ष में मतदान की अपील कर रहा हूं। क्योंकि हर कोई चाचा भतीजा के तिलिस्म को तोड़ना चाहता है, जिसमें मैं भी शामिल हूं। मौके पर जीप चेयरमैन उमेश प्रसाद मेहता, प्रदीप मेहता, अर्जुन मेहता, प्रभात, मौलाना मुख्तार, ओमप्रकाश मेहता, मुन्ना मल्लिक,भागवत मेहता, हकीक शाह, कृष्णा सिंह समेत बड़ी संख्या में समर्थक उपस्थित थे।

कांग्रेस प्रत्याशी अरुण साहू ने चलाया जनसंपर्क अभियान

चौपारण : मंगलवार को चौपारण के कई गांवों में कांग्रेस प्रत्याशी अरुण साहू ने विधानसभा चुनाव को लेकर तूफानी जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान लोगों का अपार समर्थन मिला। जनसंपर्क के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। सिंघरावा जॉन प्रभारी मिनाज मेहंदी ने बताया कि कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी अरुण साहू का जनसंपर्क अभियान की शुरूआत सिंघरावा से हुआ। जहां लोगों ने भव्य स्वागत किया। इसके बाद सेवई, ओबरा, डुमरी, चक, मालिकाना, गोविंदपुर, छोटकी चपरी, सिरमा, सेल्हारा खुर्द, नरैना, पवई, केसठ, कमलवार, कुतलू, केंदुआ सहित कई गांव में जनसंपर्क अभियान चलाया। कमलवार में कांग्रेस के समर्थकों ने अरुण साहू का माला पहनाकर स्वागत किया। जिसके बाद कांग्रेस प्रत्याशी अरुण साहू ने कमलवार के जनता को संबोधन करते हुए कहा कि मैं चुनावी मैदान में इसलिए आया हूं। ताकि अपने विधानसभा क्षेत्र में सही शिक्षा, रोजगार व युवाओं के भविष्य के साथ हो रहे खिलवाड़ को रोक सकू। इसके बाद साहू ने कहा हर घर में हो विकास का हाथ, इसलिए मेरे संग बढ़ाए हर हाथ। आप हमें ईवीएम मशीन के एक नंबर हाथ छप्पर बटन दबाकर विजय बनाएं आपके विश्वास और भरोसे को टूटने नहीं दूंगा। मौके मुखिया प्रतिनिधि हेलाल अख्तर, मिन्हाज मेहंदी, शमशाद, मोइनुदीन, अब्दुल वकील, मो० सेराज, मकसूद, संजय गुप्ता, हाफिज हकीम सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

सूड़ी में छठ पूजा समिति के सौजन्य से छठ घाट पर की गयी सफाई

पांकी (पलामू) : पलामू जिला के पांकी प्रखंड अंतर्गत सूड़ी पंचायत में लोक आस्था का छठ महापर्व के अवसर पर पूजा समिति सौजन्य से छठ घाट का साफ-सफाई किया गया। इधर कमिटि के सदस्यो ने जानकारी देते हुए कहा कि संस्थापक- श्री सगुनी यादव,समाजसेवी- शैलेन्द्र कुमार सिंह,अमित यादव,संतोष चंद्रवंशी,उपेंद्र यादव,गोपाल यादव,राजन शाह,श्री रामजन्म यादव,गुड्डू यादव,आशीष कुमार यादव,गोविंद विश्वकर्मा,मनू चंद्रवंशी,संतोष पासवान,रॉकी कुमार यादव आनंद कुमार यादव , नारद यादव,सतयेंद्र यादव यादव,विजय शर्मा,अरविंद यादव,उपेंद्र यादव,प्रवीण यादव,जामवंत शर्मा ,लड्डू शर्मा,मनीष शर्मा,दधिबल शर्मा,अंगद शर्मा,सुधीर शर्मा के द्वारा स्टॉल लगाकर सैकड़ो छठ व्रतियों के बीच फल और पूजन सामग्री का वितरण किया जाएगा । व्रतधारियों के बीच नारियल, अगरबत्ती, सेब, केला, ईख सहित अन्य पूजा सामग्री का वितरण किया जाएगा। मौके पर समाजसेवी शैलेन्द्र कुमार सिंह ने व्रत धारियों को शुभकामना देते हुए उनसे आशीर्वाद की भी कामना की उन्होंने कहा कि यह पर्व आस्था और पवित्रता का संगम है। इस त्यौहार में गरीब अमीर सभी लोग छठ महापर्व भगवान भास्कर की पूजा आराधना करते हैं। साथ ही उन्होंने क्षेत्र के लोगों से व्रत धारियों को हर संभव सहयोग करने की अपील भी की है ।

एक नजर

नशे में धुत चालक ने घर में घुसाया ट्रक

रांची : रातू थाना क्षेत्र स्थित हुरहुरी गुटुवाटोली गांव में नशे में धुत ट्रक ड्राइवर ने एक दुकान को रौंदते हुए गाड़ी घर में घुसा दिया। घटना सोमवार देर रात की है। मिली जानकारी के अनुसार 12 चक्का ट्रक (जेएच 02एएन3755) ने एक दुकान और मिट्टी के घर को पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया है। इस घटना में घर का किचन और उसमें रखे सारे सामान (गैस चूल्हा, चावल, आटा, फ्रिज आदि) भी पूरी तरह से बर्बाद हो गया। गृह स्वामी सोमरा उरांव ने बताया कि ड्राइवर और खलासी दोनों नशे में थे। गाड़ी की रफ्तार भी काफी तेज थी। वहीं इस घटना में सोमा उरांव का दुकान भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद आसपास के सैकड़ों लोग घटनास्थल पर पहुंचे । घटना के बाद लोग काफी आक्रोशित थे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित लोगों को समझा बुझा कर शांत कराया। थाना प्रभारी ने बताया कि खलासी को हिरासत में ले लिया गया है, चालक फरार है। पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। किसी भी व्यक्ति को चोट नहीं लगी है।

देवघर के एसपी बने अंबर लकड़ा अधिसूचना जारी

रांची : राज्य सरकार ने अंबर लकड़ा को देवघर का नया एसपी बनाया है। वह 2011 बेच के आईपीएस अधिकारी हैं । इस संबंध में गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने मंगलवार को अधिसूचना जारी कर दी है। चुनाव आयोग के निर्देश के बाद धनबाद के गोविंदपुर में पदस्थापित झारखंड सशस्त्र पुलिस बल-3 के समादेष्टा को अगले आदेश तक देवघर का एसपी बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग के निर्देश पर राज्य सरकार में देवघर के एसपी अजीत पीटर डुंगडुंग को तत्काल प्रभाव से उनके पद से हटा दिया था। इसके पूर्व जिले के सीनियर आईपीएस अशोक कुमार को एसपी का प्रभार दिया गया था। राज्य सरकार ने चुनाव आयोग के निर्देश पर तीन आईपीएस अफसर सरोजिनी लकड़ा, मनीष टोप्पो और अंबर लकड़ा का नाम आयोग को भेजा था। चुनाव आयोग की सहमति पर अंबर लकड़ा को देवघर का एसपी बनाया गया है। लोकसभा चुनाव के दौरान अजीत पीटर डुंगडुंग पर दल विशेष के पक्ष में काम करने का आरोप लगा था। इसके बाद चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव के समय ही अजीत पीटर डुंगडुंग के पद से हटाने का निर्देश दिया था । तब उन्हें एसपी के पद से हटाया गया था। पर लोकसभा चुनाव के बाद अजीत पीटर डुंगडुंग को फिर से देवघर का एसपी बना दिया गया।

छठ व्रतियों को सहयोग करेगा नव जागृति संघ

रांची : नव जागृति संघ महाछठ पूजा समिति, नागाबाबा खटाल (राजभवन के निकट), रांची द्वारा छठ पर्व को सफलतापूर्वक आयोजित करने और व्रतियों की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। मंगलवार को रातू रोड स्थित संघ कार्यालय में समिति के सदस्यों की बैठक हुई, जिसमें छठ पर्व को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में निर्णय हुआ कि जाकिर हुसैन पार्क से मछली घर तक की सड़क को पानी से धोया जाएगा और छठ घाट की साफ-सफाई का काम किया जाएगा। इसके अलावा, छठ पर्व के दौरान व्रतियों और आम लोगों की सुविधा के लिए जाकिर हुसैन पार्क के चारो तरफ लाइट की व्यवस्था भी की जाएगी। संघ के अध्यक्ष संतोष यादव ने बताया कि गुरुवार को दोपहर दो बजे राजभवन के पास शिविर लगाया जाएगा।

मतदाता पर्ची, मतदाता पहचान पत्र जैसा नहीं : सीईओ

- आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से अब तक 151.56 करोड़ की अवैध सामग्री और नकदी जब्त
- चुनाव कार्य में स्वंयसेवी संस्थाओं का उपयोग नहीं करने का केंद्रीय निर्वाचन आयोग का निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि मतदाता पर्ची, मतदाता पहचान पत्र नहीं है। पूर्व में ऐसा देखने को मिला है कि मतदाता पर्ची को पहचान पत्र समझ कर मतदान करने पहुंच जाते हैं और अनावश्यक रूप से परेशान होते हैं। मतदाता पहचान पत्र के अलावा कुल 12 तरह के आइडी प्रूफ मतदान के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा स्वीकृत है। उसके अतिरिक्त किसी भी तरह के अन्य पहचान पत्र मतदान के लिए वैध नहीं होते हैं। वह मंगलवार को निर्वाचन सदन, धुर्वा में पत्रकार वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण के चुनाव के लिए मतदाता पर्ची वितरण 8 नवंबर तक चलेगा। इस दौरान बीएलओ घर-घर जाकर मतदाता पर्ची का वितरण कार्य करेंगे। इस बार मतदाता पर्ची में अंकित सीरियल नंबर और पार्ट नंबर को घेरे में दशार्या गया है, ताकि मतदाता उन दोनों नंबरों को नोट कर मतदान केंद्र पर जाएं और आसानी से अत्यल्प समय में अपना नाम खोज सकें और मतदान के लिए सही कतार में खड़ा हो सकें। इससे जहां समय की बचत होगी, वहीं मतदान की गति भी बढ़ेगी। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि जेएसएलपीएस के कर्मियों को चुनाव कार्य से अलग रखने के लिए कोई निर्देश निर्वाचन आयोग की ओर से नहीं दिया गया है।

उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों में चुनाव के दौरान शिकायत मिलने के बाद से भारत निर्वाचन आयोग का स्वंयसेवी संस्थाओं, स्वंय सहायता ग्रुप, एनजीओ आदि को चुनाव कार्य से अलग रखने का स्टैंडिंग आर्डर है, जिसके आलोक में सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से अब तक 151.56 करोड़ की अवैध सामग्री और नकदी जब्त की जा चुकी है। विधानसभा चुनाव को निष्पक्ष, स्वतंत्र और भयरहित बनाने के लिए एजेंसियों के द्वारा सतत निगरानी की जा रही है। इसी का परिणाम है कि लोकसभा चुनाव से अधिक की जब्ती अब तक हो चुकी है।

हेमन्त सोरेन का हेलीकॉप्टर रोके जाने के मामले में सीईओ ने एयरपोर्ट अथॉरिटी को लिखा पत्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि विधानसभा निर्वाचन-2024 में सभी प्रत्याशियों के लिए एक समान अवसर उपलब्ध करने के उद्देश्य से राज्य में केंद्रीय निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों का अनुपालन कराया जा रहा है। कुमार ने बताया कि झारखण्ड मुक्ति मोर्चा ने पार्टी के स्टार प्रचारक हेमंत सोरेन का हेलीकॉप्टर रोके जाने की शिकायत प्राप्त हुई है। इस मामले में बिरसा मुंडा एयरपोर्ट ऑथोरिटी के निदेशक को 6 नवंबर पूर्वाह्न तक वस्तुस्थिति से अवगत कराने के लिए पत्र लिखा गया है। कुमार ने कहा है कि इस तरह की स्थिति उत्पन्न न हो और कोई संवादहीनता न रहे, इस बात को ध्यान में रखते हुए एयरपोर्ट ऑथोरिटी के साथ 23 अक्टूबर को निर्वाचन सदन में राजनीतिक दलों संग एयरपोर्ट ऑथोरिटी की बैठक भी आयोजित की गई थी। बैठक में सभी राजनीतिक दलों को एयरपोर्ट ऑथोरिटी के वीआईपी मूवमेंट से संबंधित दिशा निदेर्शों से अवगत कराते हुए संशय की स्थिति में संपर्क करने के लिए नंबर भी साझा किए गए थे, ताकि विधानसभा निर्वाचन में सभी के लिए एक समान अवसर प्राप्त हो।

वाईबीएन यूनिवर्सिटी के संचालक के आवास से 67 लाख नकद बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : विधानसभा चुनाव के मद्देनजर रांची पुलिस ने मंगलवार को शहर के नामकुम स्थित वाईबीएन यूनिवर्सिटी के संचालक रामजी यादव के तीन ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। मिली जानकारी के अनुसार, अवैध नकदी की सूचना पर नामकुम स्थित यूनिवर्सिटी, मां कलावती अस्पताल और चुटिया थाना क्षेत्र के अमरावती कॉलोनी स्थित संचालक के आवास में छापेमारी की गयी। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि छापेमारी के दौरान अबतक 67 लाख रुपये नकदी और जमीन में निवेश करने के कागजात बरामद किये गये हैं। पूरे मामले की जांच-पड़ताल जारी है। उल्लेखनीय है कि 30 अक्टूबर को इससे पूर्व रांची पुलिस ने नामकुम स्थित जीडी गोयनका स्कूल में छापेमारी कर एक करोड़ 14 लाख 99 हजार रुपये बरामद किया था।

हेमन्त सोरेन को जनता के पास जाने से रोका जा रहा है : मुहआ माझी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : पीएम मोदी की सुरक्षा के कारण के तहत सीएम हेमंत सोरेन के हेलीकॉप्टर की उड़ान में देरी के मामले पर जेएमएम द्वारा राष्ट्रपति से हस्तक्षेप की मांग पर रांची से जेएमएम प्रत्याशी महुआ माझा ने कहा कि हेमंत सोरेन को जनता के पास जाने से रोका जा रहा है। उन्होंने एक न्यूज एजेंसी से कहा, मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर चुनाव आयोग से पहले से अनुमति ली जाती है। वोटिंग में अब कुछ ही समय रह चुका है। ऐसे में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन स्टार प्रचारक हैं और जेएमएम सहित वे इंडिया गठबंधन के लिए प्रचार कर रहे हैं। एक दिन में उनके 6-7 कार्यक्रम होते हैं ऐसे में उन्हें 2 घंटे के लिए बिठाकर रखा जाए तो इसके कारण जो दिक्कतें आईं हैं, उसकी गुहार वे किसके पास लगाएंगे? लोकसभा चुनाव के समय उन्हें ईडी ने 5 महीने तक जेल में रखा बाद में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं है। अब इस चुनाव में भी ऐसा होगा तब वे जनता के पास कैसे जाएंगे। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी की सुरक्षा के मद्देनजर सीएम हेमंत सोरेन के हेलिकॉप्टर की उड़ान में देरी के बाद जेएमएम ने राष्ट्रपति से हस्तक्षेप की मांग की। इसपर असम सीएम और झारखंड बीजेपी विधानसभा चुनाव के सह-प्रभारी हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, प्रधानमंत्री देश के सर्वेसर्वा अधिकारी हैं। उनकी सुरक्षा के लिए इंतजाम किए जाते हैं। जब भी पीएम कहीं जाते हैं तो वहां पर कुछ समय के लिए एयर ट्राफिक को ब्लॉक किया जाता है। अगर प्रधानमंत्री की सुरक्षा के विषय को भी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राजनीति का विषय बनाते हैं तो इससे प्रतीत होता है कि वे कितना घबरा गए हैं।

हेमन्त के हेलीकॉप्टर को रोककर उनकी जान को खतरे में डालने की साजिश रची गयी : सुप्रियो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : जेएमएम के केंद्रीय महासचिव और प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने मंगलवार को पीसी कर कहा कि पीएम की सुरक्षा का हवाला देकर हेमंत सोरेन के हेलीकॉप्टर को रोक दिया गया। जबकि नियम के मुताबिक हेमंत के हेलीकॉप्टर को तय सीमा और परिधि के बाहर से उड़ान भरना था। कहा कि इसके लिए हमने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर शिकायत की है। ये एक गंभीर मामला है। ये एक प्रकार से हेमंत सोरेन को जनता की पहुंच से करने का मामला है। उनकी सुरक्षा से जुड़ा मामला है। कहा, हमारा मानना है कि इस मामले में हेमंत सोरेन की सुरक्षा को खतरा था। इसके पीछे एक साजिश है। ऐसे इलाके में हेलीकॉप्टर को डेढ़ रोका गया जहां से कम्युनिकेशन का कोई साधन नहीं था। कहा कि ये गंभीर मामला है। सीएम हेमंत सोरेन हमारे स्टार प्रचारक, की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया गया। आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने इसका गंभीरता से संज्ञान नहीं लिया। कहा, हम पहले से कहते आ रहे हैं कि चुनाव आयोग और बीजेपी में घनिष्ठता है। जेएमएम नेता ने आगे कहा, चुनाव आयोग से हमने पहले ही कहा था, त्योहारों को देखते हुए चुनाव की तिथियों को आगे बढाया जाये। लेकिन हमारी एक भी सुनी गयी। अब इसी चुनाव आयोग ने यूपी में कार्तिक पूर्णिमा को लेकर चुनाव की तिथि को आगे बढा दिया है। कहा कि जबकि यूपी में उपचुनाव में होने वाले हैं। कहा कि अयोध्या में ये लोग चुनाव हार गये। फिर से इनको यूपी के उपचुनाव में हार का डर सताने लगा है इसलिए तिथियों का ये खेल चल रहा है। कहा अयोध्या में जनता ने बता दिया कि राजनीति में अगर धर्म को मिलाएंगे तो, ये जनता को बर्दाश्त नहीं होगा। सुप्रियो ने कहा कि यहां भी बीजेपी नेताओं की ओर से मुसलमानों को लेकर धार्मिक बयान दिये जा रहे हैं। इतना होने पर भी चुनाव आयोग खामोश है। सीएम को खतरे में डाल दिया गया, इस पर भी चुनाव आयोग खामोश है। इनती नीति है, होने दो उग्रावदी हमला। पीएम की सुरक्षा के नाम पर पूरे झारखंड को एरियर अरेस्ट कर लो। सुप्रियो ने कहा, चुनाव आयोग का जो पूरा रवैया है, ये गंभीर सवाल पैदा करता है। कहा हमारे मामले चुनाव आयोग का अलग रुख है। बीजेपी के मामले में अलग रुख है। कहा हिंदुओं का महापर्व छठ आज से शुरू हो गया। एक बड़ी आबादी राज्य से बाहर चली गयी। 12-13 नवंबर को उनको लौटना है। कहा कि इस तरह उनको मताधिकार से वंचित किया जा रहा है।

छुट्टियों में भी युद्धस्तर पर पोस्ट ऑफिस द्वारा बांटे जाएंगे बचे हुए वोटर आईडी कार्ड

डाक विभाग में प्राप्त सभी वोटर आईडी कार्ड को जल्द से जल्द मतदाताओं तक पहुंचना सुनिश्चित करें सभी पोस्टमास्टर : के. रवि कुमार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि विधानसभा निर्वाचन 2024 में एक भी मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे यह प्राथमिक उद्देश्य है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु सम्मिलित रूप से प्रयास अपेक्षित है। उन्होंने कहा कि आयोग द्वारा जारी वोटर आईडी कार्ड ससमय मतदाताओं तक पहुंचे इस हेतु डाक विभाग एक अहम भूमिका निभा रहा है। रोजाना हजारों की संख्या में पूरे राज्य में डाक विभाग द्वारा मतदाता पहचान पत्र बांटे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभी भी कई मतदाताओं का मतदाता सूची में नाम दर्ज होने के उपरांत भी उनका वोटर आईडी कार्ड उपलब्ध नहीं हो पाया है। वह मंगलवार को निर्वाचन सदन में डाक विभाग के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। उन्होंने डाक विभाग के पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी छुट्टियों में भी डाक विभाग को खुला रखकर वोटर आईडी के वितरण का कार्य पूरी तेजी के साथ किया जाए, जिससे मतदाता सूची में पंजीकृत सभी मतदाताओं को उनका मतदाता पहचान पत्र प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि वैसे मतदाता, जिनका नाम मतदाता सूची में है पर अबतक वोटर आईडी कार्ड प्राप्त नहीं हो पाया है, वे 1950 पर कॉल कर अपने बीएलओ अथवा बीएलओ सुपरवाइजर से सम्पर्क कर इससे संबंधित जानकारी ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस हेतु संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी से भी संपर्क किया जा सकता है। संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी द्वारा डाक घर के साथ समन्वय करते हुए वोटर आईडी कार्ड के वितरण का कार्य कराया जाएगा। कुमार ने कहा कि डाक विभाग के वरीय पदाधिकारी इस हेतु अपने स्तर से पूरे राज्य के पोस्ट मास्टर को निर्देशित करें एवं आयोग द्वारा प्राप्त सभी वोटर आईडी कार्ड का शत प्रतिशत वितरण सुनिश्चित कराएं। इस अवसर पर पोस्टमास्टर जनरल कार्यालय के सहायक निदेशक निरंजन कुमार, इंस्पेक्टर पोस्ट कुमकुम कुमारी सहित मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय एवं डाक विभाग के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल से मिले प्रशिक्षु आईपीएस

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मंगलवार को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के प्रशिक्षु अधिकारियों ने राजभवन में शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल ने प्रशिक्षु अधिकारियों से बातचीत में उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा उन्हें सदैव दायित्वों के निर्वहन के लिए तत्पर रहने का संदेश दिया।

भाजपा ने 30 बागियों को दिखाया बाहर का रास्ता

रांची : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के निर्देशन पर महामंत्री व सांसद डॉ.प्रदीप वर्मा ने विधानसभा चुनाव में अधिकृत प्रत्याशियों के खिलाफ नामांकन कर पार्टी की नीतियों के विरुद्ध विधानसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़ रहे ऐसे 30 भाजपा के बागी नेताओं को पार्टी से 6 वर्षों के लिये निष्कासित किया है। भाजपा प्रदेश कार्यालय से जारी विज्ञप्ति के अनुसार चंद्रमा कुमारी पलामू, कुमकुम देवी हजारीबाग, लक्ष्मी देवी पलामू, जूली यादव दुमका, बलवंत सिंह लातेहार, अरविंद सिंह खरसावां, बटेश्वर मेहता हजारीबाग, भैय्या बांके बिहारी हजारीबाग, चितरंजन साव बोकारो,कर्नल संजय सिंह पलामू, हर्ष अजमेरा हजारीबाग, हजारी प्रसाद साहू रांची ग्रामीण, मिसिर कुजूर गुमला, मिस्त्री सोरेन पाकुड, मुकेश कुमार शुक्ला पाकुड, पुष्परंजन पलामू, राजकुमार सिंह जमशेदपुर महानगर, रामावतार केरकेट्टा रांची ग्रामीण, रामदेव हेम्ब्रम पूर्वी सिंहभूम, रामेश्वर उरांव लोहरदगा, संतोष पासवान लातेहार, शिवचरण महतो पाकुड, शिवशंकर बड़ाइक खूंटी, शिव शंकर सिंह जमशेदपुर, सुरेंद्र मोदी हजारीबाग, उपेंद्र यादव गढ़वा, उमेश भारती चतरा, विकास सिंह जमशेदपुर महानगर, विमल बैठा जमशेदपुर महानगर, विनोद सिंह पलामू को पार्टी से 6 वर्षों के लिए निष्कासित किया है।

राजनाथ सिंह से आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने की मुलाकात

रांची : केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से रांची एयरपोर्ट पर आजसू के अध्यक्ष सुदेश महतो ने मुलाकात की। राजनाथ सिंह मंगलवार को लोहरदगा में आजसू उम्मीदवार नीरू शांति भगत के लिए सभा को संबोधित करेंगे साथ ही रांची में भाजपा के उम्मीदवार नवीन जायसवाल के लिए सभा को संबोधित करेंगे। बता दें कि आजसू के अध्यक्ष सुदेश महतो ने आज मुड़मा शक्ति स्थल में पूजा-अर्चना कर सरना धर्मगुरु बंधन तिग्गा जी से मुलाकात की। इस दौरान सरना धर्म कोड के ज्वलंत मुद्दों पर उनसे सार्थक चर्चा हुई। इस मौके पर राजी पडहा प्रार्थना सभा के प्रवक्ता संजय पाहन, सुरज खलखो, एस अली, आशुतोष तिवारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

श्रीश्याम मंदिर में खाटूनरेश का केशर चंदन तिलक श्रृंगार किया गया

रांची: हरमू रोड़ के श्रीश्याम मंदिर में अमावस्या महास्नान जो शुक्रवार को हुआ था। उसके बाद सायंकाल तक अपने श्यामलरुप में भक्तों को दर्शन दे रहे थे। मंगलवार को सायंकाल खाटूनरेश का केशर चंदन तिलक श्रृंगार किया गया। खाटूनरेश को नया पौशाक (बागा) पहनाया गया। मसाज किया गया। मण्डल के मंत्री श्यामसुंदर शर्मा के नेतृत्व में रंग -बिरंगी फूलों की मोटी-मोटी मालाओं से श्री श्याम प्रभु को सजाया गया। लाल गुलाब, रजनीगंधा, सोनिया आरकिड, मुरगन, मोती, गेंदा, सन ऑफ इण्डिया, तुलसीदल व गुलाबी आरकिड के फूलों से श्याम बाबा को सजाकर पंचमेवा का भोग लगाया गया। श्रृंगारित रुप से सजे श्रीश्याम प्रभु के गर्भगृह का परदा खोलते ही भक्तजन खाटूनरेश के जय -जयकार करने लगे। एक टक खाटूनरेश को निहार रहे थे। गोपाल प्रसाद खेतान ,(लड्डू बाबु) के सुपुत्र अमिताभ - श्वेता खेतान, संदीप - कोमल खेतान ने परिजनों के साथ फूलों के श्रृंगार -नवीन पौशाक व पंचमेवा का सेवा निवेदित कर खाटूनरेश के दरबार में मत्था टेका। खाटूनरेश सहित मंदिर में विराजमान सभी देवी-देवताओं व गुरुजनों का भी विशेष श्रृंगार किया गया था। श्रीश्याम मित्र मण्डल के प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने बताया कि सभी फूल कोलकाता से मंगाए गये थे।

वाहन चेकिंग अभियान में पुलिस ने जब्त किए 6 लाख 50 हजार रुपये

रांची : झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए पुलिस जगह-जगह पर वाहन चेकिंग अभियान चला रही है। इसी क्रम में बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के बरसोल थाना अंतर्गत दारीसोल चेकपोस्ट पर पुलिस और एसएसटी का संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान मंगलवार को 2 वाहनों से 6 लाख 50 हजार रुपये बरामद किए गए। मिली जानकारी के अनुसार जमशेदपुर निवासी सुधीर कुमार कोवाला की कार से 4 लाख रुपये और ओडिशा के पुरी निवासी बटकृष्णा महापात्र के कार से 2 लाख 50 हजार रुपये बरामद किए गए। दोनों व्यक्तियों द्वारा सही जानकारी नहीं देने पर रुपये जब्त कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

गांजा के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

रांची : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने हटिया स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या दो से एक तस्कर को गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर का नाम नवीन कुमार है। वह बिहार के मुजफ्फरपुर का रहने वाला है। इसके पास से सात पैकेट गांजा बरामद किया। हटिया के पोस्ट कमांडर रूपेश कुमार ने मंगलवार को बताया कि रांची मण्डल मे आरपीएफ के मण्डल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार के निर्देश पर गांजा तस्करों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में हटिया स्टेशन पर चेक करने के क्रम मे प्लेटफॉर्म संख्या 2 पर एक व्यक्ति को संदेहास्पद अवस्था मे एक ट्रॉली बैग के साथ बैठा देखा। बैग की जांच करने पर सात पैकेट गांजा बरामद किया गया। बरामद गांजे का अनुमानित कीमत 70 हजार रुपए बताया गया। एएसआई रवि शेखर ने जब्त किया गया गांजा और तस्कर को जीआरपी हटिया को सौंप दिया ।

एक नजर

बीसीसीएल मे अप्रेंटिस के नाम पर 20 लाख रुपये की ठगी

कतरास (धनबाद) : बीसीसीएल में अप्रेंटिस ट्रेनिंग कराने के नाम पर दर्जनों युवकों से 20 लाख ठगी करने वाला आरोपी युवक कुंदन रवानी को पकड़कर गोमो स्टेशन परिसर से पकड़कर बरोरा पुलिस के हवाले कर दिया। बरोरा पुलिस ने लिया हिरासत में लेकर कर रही पूछताछ।

अधिवक्ता रवानी गरीबों के मसीहा थेः रशीद

बोकारो : बोकारो जिला अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष स्व सीताराम रवानी का प्रथम पुण्य तिथि के मौके पर आज बोकारो कोर्ट परिसर के पुस्तकालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, सर्व प्रथम उनके सम्मान में दो मिनट का मौन रख कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। आगंतुकों का स्वागत स्व. रवानी जी के अधिवक्ता पुत्र अतुल कुमार एवं पुत्री राज श्री ने उनके तस्वीर पर माल्यार्पण कर की। शोक सभा को संबोधित करते हुए झारखंड स्टेट बार कौंसिल के सदस्य अब्दुल कलाम रशीदी, मृत्युंजय कुमार श्रीवास्तव, इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स के नेशनल कौंसिल मेंबर अधिवक्ता रणजीत गिरि ने स्व. रवानी के जीवनी के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। श्रद्धांजलि सभा मे संघ के अध्यक्ष प्रभारी बासुदेव गोस्वामी, महासचिव प्रभारी महेश चोधरी, कोषाध्यक्ष सोमनाथ शेखर, उप कोषाध्यक्ष विकास तापड़ीया,प्रेम कुमार 2, कार्यकारिणी सद्स्य रुपेश कुमार, नवीन कुमार,सृस्टीधर सिंह, माया सिंह, संजय कुमार, मृत्युन्जय मलिक,कामदेव पाठक,सम्पूर्ण चन्द्र लायक, वरीय अधिवक्ता दिनेश प्रसाद शर्मा, ददन सिंह, मोहन लाल ओझा,राम सिंघासन राम,अशोक कुमार पाल,शंकर डे के अलावे सेकड़ों अधिवक्ता ने श्रद्धांजलि दी।

कांग्रेस प्रत्याशी श्वेता सिंह का हुआ स्वागत

बोकारो : महागठबंधन प्रत्याशी श्वेता सिंह जी का आज आजाद नगर में झारखंड मुक्ति मोर्चा परिवार की ओर से जोरदार स्वागत के साथ झारखंड मुक्ति मोर्चा परिवार में सैकड़ो युवा भारतीय जनता पार्टी का दामन छोड़कर झारखंड मुक्ति मोर्चा की सदस्य लिए सभी का हार्दिक अभिनंदन, श्वेता जी को जीत की अग्रिम बधाई सुशांत मिश्रा जी जो की नॉमिनेशन में आज तक का सबसे ज्यादा भीड़ लेकर के गए थे और पर उनका झारखंड मुक्ति मोर्चा परिवार में और वह अपने प्रत्याशी पत्र से वापस लिए गठबंधन परिवार प्रत्याशी श्वेता सिंह जी को अपना समर्थन दिए जिसमें मुख्य रूप से बोकारो जिला के सम्मानित जिला अध्यक्ष हीरालाल मांझी जी केंद्रीय सदस्य मंटू यादव जी जय नारायण महतो जी अशोक मुर्मू जी जिला संगठन सचिव फैयाज आलम चास प्रखंड के उपाध्यक्ष जावेद आलम जी बुद्धिजीवी मोर्चा के उपाध्यक्ष नौशाद आलम जी अख्तर अंसारी जी पंचायत प्रभारी शमशाद आलम जी के साथ-साथ नवीन हेमराम जी बड़ा हेबराम जी सोशल मीडिया प्रभारी कन्हैया सिंह जी कुजूर नौबत कुजूर पाल माना गगरी अनुज मुरमुर शंकर मुर्मू अल्बर्ट हेमराम हजारों लोग मौजूद थे ।

राज्य की अस्मिता को धूमिल कर रही है हेमन्त सरकार : अमर कुमार बाउरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : नेता प्रतिपक्ष सह चंदनकियारी विधायक अमर कुमार बाउरी में मंगलवार को प्रधान चुनाव कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर प्रदेश की महागठबंधन सरकार पर राज्य की अस्मिता को धूमिल करने का आरोप लगाया है। बाउरी ने कहा कि यहां की खनिज संपदा, बालू, नौकरी, युवाओं के सपने आदि को लूटने का काम किया है ऐसे महाठगबंधन, तुष्टिकरण की राजनीति करने वाली सरकार को उखाड़ फेंकने का चुनाव है। राज्य की जनता खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही है, इसलिए राज्य की जनता चाहती है कि इस बार भारतीय जनता पार्टी जो विकास और अंत्योदय को प्राथमिकता देती है वैसी सरकार को राज्य में लाना है। पहले चरण का चुनाव 13 और दूसरे चरण का चुनाव 20 नवंबर को होना है। भारतीय जनता पार्टी अपने संकल्प के साथ मैदान में उतर चुकी है। वर्ष 2025 में झारखंड के 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं वहीं बाबा बिरसा मुंडा की 150 वी जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी ने अपने 25 संकल्प के साथ जनता के बीच चुनाव प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व भारतीय जनता पार्टी ने पंच प्रण के माध्यम से जनता के बीच चुनावी समर की शुरूआत की है।

72000 बोलकर मैया सम्मान के नाम पर भीख धरा दिया

महिला सशक्तिकरण को लेकर उन्होंने कहा कि जिस तरह से हेमंत सोरेन की सरकार ने अपने वर्ष 2019 के संकल्प पत्र में वादा किया था कि वे 72000 प्रतिवर्ष हर घर को देंगे वहीं ?2000 चूल्हा भत्ता देंगे, लेकिन पूरे 5 वर्षों तक इस झूठी सरकार ने किसी भी लाभुक को पैसा नहीं दिया और अंतिम तीन माह में मईंया योजना के माध्यम से एक हजार रुपए दे कर फिर से लोगों को ठगने का प्रयास कर रही है। लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने साफ तौर पर अपने संकल्प पत्र में कहा है कि गोगो दीदी योजना के माध्यम से हर माह के 11 तारीख को ?2100 माता और बहनों के खाते में डीबीटी के माध्यम से दिया जाएगा। वही ?500 में रसोई गैस का सिलेंडर और दो अतिरिक्त गैस सिलेंडर महत्वपूर्ण पर्व के दौरान मुफ्त में दिया जाएगा। उन्होंने बताया की युवाओं को अपने प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी के लिए स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को प्रतिमाह ?2000 दिया जाएगा।21 लाख परिवार का पक्का मकान का निर्माण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि झारखंड में बालू सुलभ है लेकिन हेमंत सोरेन की सरकार ने बालू को इतना महंगा कर दिया कि आम जनता और गरीब जनता तक वह पहुंच ही नहीं पा रही। भारतीय जनता पार्टी गरीब जनता को निशुल्क बालू देने का वादा कर रही है। जल जीवन मिशन के तहत भारतीय जनता पार्टी अपने कार्यकाल में 59 लाख घरों में साफ पेयजल पहुंचाने का काम करेगी। नेता प्रतिपक्ष ने बताया कि जिस तरह से हेमंत सोरेन की सरकार ने सभी प्रतियोगिता परीक्षा जिसमें के लैब टेक्नीशियन, जेएसएससी, जेपीएससी आदि परीक्षाओं में गड़बड़ियां हुई है और उसकी सीटों को बेचने का काम किया गया है उन सभी परीक्षाओं की सीबीआई जांच कराई जाएगी और आरोपियों को जेल में भेजने का काम करेगी।

संक्षिप्त खबरें

प्राथमिकता देकर करें वोटर कार्ड का वितरण : उपायुक्त

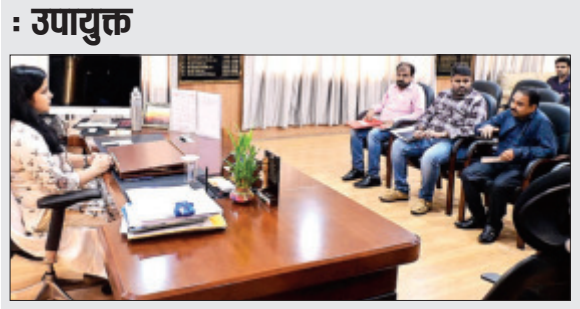

धनबाद : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा ने मंगलवार को अपने कार्यालय कक्ष में पोस्टल विभाग के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर प्राथमिकता देकर नए एपिक कार्ड का वितरण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव को लेकर नए वोटरों का नाम मतदाता सूची में जुड़ा है। उनका एपिक कार्ड प्रिंटिंग की प्रक्रिया में है। एपिक कार्ड पोस्ट ऑफिस में पहुंचने पर उसे अविलंब मतदाता तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। कोई भी मतदाता का एपिक कार्ड अप्राप्त नहीं होने चाहिए। साथ ही उपायुक्त ने पोस्टल बैलेट से आने वाले डाक मतपत्र की डिलीवरी तत्परता से करने का निर्देश दया। मौके पर उप डाक अधीक्षक कमलेश राम, डाक सहायक एस.के. गुप्ता, अभिषेक कुमार, मो. जसलिम खान, वरीय पदाधिकारी निर्वाचन सह जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप शुक्ला एवं अन्य पदाधिकारी मौजूद रहें।

रोहित यादव को मिला राजपरिवार का समर्थन

धनबाद : बाघमारा विधानसभा के निर्दलीय प्रत्याशी रोहित यादव के पक्ष में पप्पू दुबे ने सैकड़ो समर्थकों के साथ मंगलवार बाघमारा इलाके के विभिन्न गांव में जनसंपर्क किया। इस दौरान उन्होंने जमडीहा राजपरिवार से मुलाकात कर रोहित यादव का समर्थन करने का आग्रह किया वहीं राजा मोहन मुरारी सिंह के पुत्र सह जिला परिषद सदस्य मुरारी मोहन सिंह ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ रोहित यादव को भारी मतों से विजय बनावे का संकल्प लिया। इधर राजपरिवार के दुर्गा मंदिर परिसर में आयोजित नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए पप्पू दुबे ने कहा कि अब बाघमारा में गुंडाराज नाय चलतो यहां गरीब मजदूर व सभी समुदाय के लोग एकजुट होकर रोहित यादव को विधायक बनाने में तन-मन-धन से लग चुके जनता का जोश बता रहा है कि इस बार बाघमारा के सभी प्रत्याशियों का जमानत जप्त कर जनता रोहित यादव को सिलाई मशीन छाप में वोट देकर विजय करेंगी।

अधिवक्ताओं एवं वादकारियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना पहली प्राथमिकता : जिला जज

धनबाद : धनबाद सिविल कोर्ट के नए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार तिवारी ने मंगलवार को सिविल कोर्ट में अपना योगदान दिया । जिला जज श्री तिवारी की पदस्थापना धनबाद में तीसरी बार हुई है। इससे पूर्व वर्ष 2001 में इन्होंने प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी के रूप में धनबाद में योगदान दिया था फिर वर्ष 2018 में धनबाद के लेबर जज के रूप में दो वर्षों तक काम किया और आज प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में अपना योगदान दिया है। जिला जज श्री तिवारी ने कहा कि अधिवक्ताओं एवं वादकारियों को बेहतर सुविधा दिलवाना उनकी पहली प्राथमिकता होगी इसके अलावे झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा जारी आदेश के तहत पुराने मामलों को त्वरित निष्पादन करना, न्यायालय परिसर को साफ एवं सौंदर्यकरण करवाना उनके कार्य में प्रमुख है। उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार के चिन्हित कार्यों को त्वरित निष्पादन करना तथा अदालत में लंबित वादों को निपटारा कर अदालत के बोझ को कम करना है। उन्होंने कहा कि सबको सुलभ न्याय मिले तथा समाज में किसी प्रकार की विघटन की स्थिति पैदा ना हो ताकि आने वाली पीढ़ी पर न्यायालय के प्रति आस्था बरकरार रहे। अदालत परिसर की सुरक्षा के संबंध में उन्होंने कहा कि अदालत परिसर की सुरक्षा का हर पहलू का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई जाएगी इसके लिए धनबाद के एसपी से शीघ्र ही वार्ता कर आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे।

रेल अधिकारी की संवेदनहीनता की पराकाष्ठा : मो ज्याऊद्दीन

धनबाद : मंडल के बरकाकाना सिगनल विभाग के एक वरीय सिगनल कर्मचारी विक्टर अमर सिंह पिछले चार वर्षों से गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं। वे शारीरिक रूप से किसी भी प्रकार के कार्य करने से बिल्कुल ही अक्षम हो गए हैं। सभी प्रकार की छुट्टियां समाप्त हो चुकी हैं और बिना वेतन के ही बड़ी मुश्किल से जीवन यापन करने के लिए मजबूर हैं। उक्त जानकारी देते हुए ईसीआरकेयू के अपर महामंत्री तथा धनबाद मंडल के पी एन एम प्रभारी मो ज्याऊद्दीन ने बताया कि बरकाकाना में पदस्थापित सिगनल विभाग के अधिकारी मंडल दूर संचार व टेलकम अभियंता श्री प्रभात कुमार वर्मा की संवेदनहीनता के कारण विक्टर की स्थिति काफी दयनीय हो गई है क्योंकि मंडल कल्याण कोष से आर्थिक सहायता के आवेदन पर अपनी अनुसंशा नहीं कर रहे हैं। उक्त अधिकारी की यह मानसिकता उनकी मानवीय संवेदनहीनता की पराकाष्ठा को दशार्ता है। मो ज्याऊद्दीन ने बताया कि वैसे रेल कर्मचारी जो काफी अरसे से गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं और शारीरिक अक्षमता के कारण अपनी डियूटी नहीं कर पा रहे हैं और छुट्टियां समाप्त हो जाने के कारण उन्हें वेतन भुगतान नहीं हो पा रहा है, वैसे कर्मचारियों को मंडलीय कर्मचारी कल्याण कोष से दस हजार रुपये की मासिक आर्थिक सहायता दिए जाने की मांग ईसीआरकेयू द्वारा रखी गई थी। इस मांग के प्रति मंडल रेल प्रबंधक और वरीय मंडल कार्मिक अधिकारी ने भी सहमति देते हुए प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत प्रभावित कर्मचारियों को आवेदन जमा करने के लिए निर्देशित किया गया है। इस प्रक्रिया के तहत कई रेलकर्मियों को उक्त मदद देने की शुरूआत हो गई है लेकिन बरकाकाना के विक्टर अमर सिंह के आवेदन को प्रशासनिक तानेबाने की जाल में उलझा कर रख दिया गया। जबकि विक्टर ने अपनी बीमार हालत में ही ह्वील चेयर पर चलकर उक्त अधिकारी से व्यक्तिगत रूप से मिलकर आवेदन अग्रसारित करने का अनुरोध भी किया था।

गंभीरता से करें ईवीएम की कमीशनिंग : सामान्य प्रेक्षक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 41 झरिया विधानसभा के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक डी. प्रशांथ कुमार रेड्डी की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय के सभागार में झरिया विधानसभा के सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट के साथ बैठक कर चुनाव में उनके कर्तव्य के बारे में दिशा निर्देश दिए गए। उन्होंने सेक्टर मजिस्ट्रेट को त्रुटि रहित चुनाव संपन्न कराने के लिए ईवीएम की कमीशनिंग गंभीरता से करने, रूट प्लान प्रोटोकॉल का पालन करने, प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न प्रपत्रों को भरने की प्रक्रिया को समझने, ईवीएम की तकनिकी समस्या का समाधान करने के तरीके को समझने सहित अन्य बिंदुओं पर दिशा निर्देश दिए। साथ ही बीएलओ से घर-घर जाकर वोटर इनफॉरमेशन स्लिप डिस्ट्रीब्यूशन करने का निर्देश दिया। बैठक में झरिया विधानसभा के निवार्ची पदाधिकारी सह एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा ने सभी मतदान केन्द्रों में फर्नीचर, इमरजेंसी लाइट, पानी सहित अन्य एश्योर्ड मिनिमम फैसेलिटी सुनिश्चित करने, इंटरमिडिएट स्ट्रांग रूम में सीसीटीवी सहित सभी सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में सेक्टर मजिस्ट्रेट को चुनाव के दिन की ड्यूटी, पोल डे मैनेजमेंट सिस्टम एवं बूथ क्यू मैनेजमेंट सिस्टम एप्लिकेशन, मॉक पोल, सहित अन्य बिंदुओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

पंचायत के विभिन्न इलाकों में चला सपा प्रत्याशी का जनसंपर्क अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कतरास (धनबाद): सोमवार 4 नवंबर को समाजवादी पार्टी के बाघमारा विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी सूरज महतो ने संघन जनसंपर्क अभियान चलाया। अभियान के दौरान उन्होंने विधानसभा क्षेत्र के माटीगढ़ा, लूतीपहाड़ी, नदखुरकी पंचायत के विभिन्न मोहल्लों, टोलों और कालोनियों का भ्रमण किया। इस बीच महतो घर-घर जाकर चुनाव चिन्ह साइकिल छाप क्रम संख्या 7 पर मतदान कर भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। इस दौरान प्रत्याशी महतो का जगह-जगह फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया। ढोल-नगाड़े के साथ चल रहे महतो के कारवां में सैंकड़ों समर्थक उनका साथ दे रहे हैं। जनसंपर्क के दौरान श्री महतो को युवा, बुजुर्ग, महिला समेत सभी वर्ग के लोग भरपूर साथ व समर्थन देने का भरोसा दिया। महतो सभी को हांथ जोड़कर साइकिल छाप पर वोट देने की अपील की। उन्होंने कहा कि 20 नवंबर को अधिक से अधिक संख्या में मतदाता करने घरों से निकलें और मतदान करें। यह बदलाव और अपने बच्चों के भविष्य को गढ़ने का समय है। यह मौका किसी भी कीमत में नहीं चुकना है और ना ही कोई गलती करनी है। उन्होंने कहा कि मतदान के समय कोई जल्दबाजी नहीं करनी है। पूरे विवेक और चुनाव चिन्ह साइकिल छाप, क्रम संख्या 7 को ध्यान से देखकर बटन दबाना है। महतो ने कहा कि मतदान के दिन कोई अगर आप लोगों को बरगलाता है तो तुरंत इसकी सूचना हमारे लोगों को दें, उसपर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी तरह का चुक का मतलत पांच साल फिर से पीछे चला जाना है।

खगड़िया लोजपा सांसद राजेश वर्मा का कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : लोक जनशक्ति पार्टी के सांसद राजेश वर्मा जी का चतरा से पश्चिमी सिंहभूम जाने के क्रम में बोकारो की पावन धरती पर जिला अध्यक्ष अनिल पासवान जी के नेतृत्व में पार्टी कार्यकताओं द्वारा जोरदार स्वागत और अभिनंदन किया गया। इस दौरान उन्होंने धनबाद लोकसभा के सांसद श्री ढुलू महतो जी से मुलाकात की तथा बाघमारा प्रत्याशी श्री शत्रुघ्न महतो जी और बोकारो प्रत्याशी वीरांची नारायण जी से मिले और जनसंपर्क अभियान करते हुए विधानसभा के नागरिकों से प्रत्याशी को भारी मतों से जीत दिलाने की अपील की। पार्टी की ओर से एक छोटा कार्यकर्ता अद्वित भारद्वाज ने सांसद महोदय को अंग वस्त्र पहनकर उनका स्वागत और अभिनंदन किया। साथ ही कार्यक्रम के दौरान उन्होंने चिरा चास स्थित गोकुलधाम सोसायटी में जिला अध्यक्ष अनिल पासवान जी के आवास पर जाकर बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जी और लोजपा के संस्थापक स्वर्गीय रामविलास पासवान जी के प्रतिमा पर पुष्प चढ़ा कर श्रद्धा सुमन पुष्पांजलि अर्पित किया। मौके पर प्रदेश वरीय उपाध्यक्ष कपिल पासवान, प्रदेश महासचिव सह जिला प्रभारी रामकुमार वर्मा संजय श्रीवास्तव, जी पी सिंह, , अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष ओमप्रकाश गुप्ता, युवा नेता सह चतरा विधानसभा प्रभारी रवि चौबे, एससी-एसटी प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष अशोक सोरेन, प्रदेश सचिव बटुक मिश्रा, सौरव सिंह, दिग्विजय नारायण, प्रेम राय,अमरनाथ पासवान मांगू दास, रमेश पाठक, राजेश कुमार अरविंद कुमार, राकेश कुमार चोलेश्वर महतो, दिलीप कुमार, अनंत लाल, कमल किशोर, अमरेश पासवान सशी कांत प्रेमचंद कुमार नवनीत सिंह सुनील कुमार लालू चंद्र शेखर कुमार एवं दर्जन लोजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छठ व्रतियों के लिए लगाया सेवा शिविर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : सखा सहयोग सुरक्षा समिति और जय झारखंड मजदूर समाज का संयुक्त बैठक युनियन कार्यालय सेक्टर-9 मे महामंत्री बि के चौधरी के अध्यक्षता मे हुए बैठक मे आस्था श्रद्धा और पबित्रता का महापर्व छठ ब्रतियों के सेवा करने के लिए हर बर्षो की भांति इस बर्ष भी टू टैंक गार्डन मे सेवा सिविर लगाने का निर्णय लिया गया ।सेवा सिविर मे दिनांक- 07,11,24 दिन गुरुवार को भगवान भास्कर को दिये जाने बाले संध्या अर्क के समय नारियल, अगरबती,फल ,मिट्टी का दीया,घी इत्यादि का बितरण एवं दिनांक-08,11,24 दिन शुक्रवार को प्रातः 4 बजे से अर्क हेतु गाय का दुध एवं चाय का बितरण किया जायगा । बैठक मे समिति के अध्यक्ष यू सी कुम्भकार,समिति प्रभारी वारिया तेली, राजेन्द्र प्रसाद युनियन के संयुक्त महामंत्री शंकर कुमार, एन के सिंह, एस के सिंह, अनिल कुमार, सी के एस मुंडा, रौशन कुमार, आई अहमद, आशिक अंसारी,देवेन्द्र गोराई, बादल कोयरी,ओ पी चौहान, विजय कुमार साह, मानिक चंद साह, बी एन तिवारी, अभिमन्यु मंझी, प्रमोद कुमार, आर के मिश्रा, सुरेश प्रसाद, रामाकांत राम, बालेश्वर राय, सुभाष चंद्र महतो, आर आर सोरेन इत्यादि उपस्थित थे।

डीडीसी के नेतृत्व में जांच कमेटी ने की घटना स्थल की जांच

गरगा पुल के समीप बनाये गये अस्थायी पटाखा दुकान में आग लगने का मामला

▶ शंकर प्रसाद की अध्यक्षता में गठित तीन सदस्यीय टीम ने मंगलवार को घटनास्थल का जायजा लिया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : पिछले दिनों गरगा पुल समीप बनाये गये अस्थायी पटाखा दुकानों में आग लगने, कई पटाखों के दुकानों के जल जाने एवं सामग्रियों की क्षति होने के संबंध में उपायुक्त विजया जाधव द्वारा डीडीसी गिरजा शंकर प्रसाद की अध्यक्षता में गठित तीन सदस्यीय टीम ने मंगलवार को घटनास्थल का जायजा लिया। टीम ने आग लगने के कारणों की पड़ताल की एवं मौके पर कुछ दुकानदारों से घटना के संबंध में जानकारी प्राप्त किया। टीम ने आगजनी से क्षति का भी आंकलन किया। मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी सुश्री प्रांजल ढ़ांडा, सीटी डीएसपी अलोक रंजन, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार, जिला अग्निशमन पदाधिकारी भगवान ओझा समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

एक नजर

प्रखंड प्रशासन द्वारा छठ घाट की सफाई कराई गई

चैनपुर : आस्था का महापर्व छठ पूजा की व्यापक तैयारी शुरू हो गई है। छठ के गीतों से पूरा चैनपुर प्रखंड गूंज रहा है और पूरे प्रखंड भक्तिमय हो गया है वहीं चैनपुर प्रखंड के प्रशासन एवं चैनपुर प्रखंड के मुखिया शोभा देवी एवं जिला परिषद मेरी लकड़ा के द्वारा चैनपुर के छठ घाट सफी नदी में युवक के पहल व जेसीबी मशीन के द्वारा घाट की साफ सफाई कराया गया। मुखिया शोभा देवी, जिला परिषद मेरी लकड़ा, और संदीप टेटे ने बताया कि छठ पूजा में घाटों पर आने वाले श्रद्धालुओं के सुविधा के लिए घाट को दुरुस्त किया जा रहा है, जिससे श्रद्धालु अच्छे से पूजा अर्चना कर सके और उन्हें कोई परेशानी न हो।

छठ व्रतियों के लिए सूखी आम की लकड़ी का संगठन ने किया वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू): छठ महापर्व के अवसर पर टीटीई ऑर्गेनाइजेशन एवं ईसीआरएमसी शाखा, डालटनगंज द्वारा छठ व्रतियों के लिए विशेष पहल करते हुए सुखी आम की लकड़ी का वितरण किया गया। यह वितरण आज प्रातः 8 बजे टीओपी-2 थाना के समीप स्थित माता कमला देवी चिल्ड्रन शेड में आयोजित किया गया। इस अवसर पर टीटीई ऑर्गेनाइजेशन के मंडल उपाध्यक्ष एवं ईसीआरएमसी के संयुक्त महासचिव, बी.एम. पांडे ने बताया कि रेल सेवा के साथ-साथ समाज सेवा करना आत्म-संतोष का स्रोत है। उन्होंने कहा, सुखी आम की लकड़ी का वितरण कर न केवल रेलवे परिवार बल्कि सैकड़ों शहरवासियों को इस सेवा का लाभ पहुंचाया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि यह पुनीत कार्य पिछले कई वर्षों से संगठन द्वारा निरंतर किया जा रहा है और संगठन सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेता रहा है। शाखा सचिव संजय पासवान ने इस अवसर पर कहा, ऐसे सामाजिक कार्य समाज में आपसी सद्भाव और समरसता को बढ़ावा देते हैं। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में ECRMC एवं IRTCSO के पदाधिकारी ओंकार सिंह, मनीष मिश्रा, मनीकांत तिवारी, विरेंद्र चौधरी, लाल बाबू रजक, धर्मेन्द्र पासवान, धनंजय पासवान, शशिकांत पासवान, दिलीप कुमार यादव, प्रशांत नाथ, रविंद्र दुबे, दिवाकर दास, विकास कुमार सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे, जिन्होंने अपने समर्पण से इस आयोजन को सफल बनाया।

संक्षिप्त खबरें

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में दिवाली उत्साह और आनंद के साथ मनाया गया

अनगड़ा: सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची के विद्यार्थियों ने दीवाली का पर्व पूरे उत्साह और आनंद के साथ मनाया। विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए कई रचनात्मक और आनंदपूर्ण गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें दीया सजावट, रंगोली, टेक रंगोली, फूलों की साज-सज्जा और सलाद सजावट प्रतियोगिताएँ शामिल थीं। दीया सजावट प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी रचनात्मकता दिखाते हुए रंगों, मोतियों और लेस का उपयोग कर सुंदर दीये सजाए। रंगोली प्रतियोगिता में उन्होंने जीवंत रंगों का प्रयोग कर आकर्षक रंगोलियां बनाईं। टेक रंगोली में विद्यार्थियों ने तकनीकी ज्ञान का उपयोग कर नए और अनोखे डिजाइन बनाए। फूलों की साज-सज्जा प्रतियोगिता में बच्चों ने विभिन्न प्रकार के फूलों का उपयोग करके मनमोहक सजावट प्रस्तुत की। हासलाद सजावट प्रतियोगिता में बच्चों ने पौष्टिक खाद्य पदार्थों से सुंदर और स्वास्थ्यवर्धक सलाद तैयार किए, जिससे अच्छे स्वास्थ्य का संदेश भी मिला। इसके अतिरिक्त, समाज सेवा की भावना को बढ़ावा देने के लिए विद्यार्थियों को दीपशिखा संस्था के स्टॉल से सामग्री खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया गया, ताकि वे जरूरतमंदों की मदद कर सकें और समाज में योगदान दे सकें। प्राचार्या श्रीमती परमजीत कौर ने सभी को दीवाली और छठ की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि दीवाली का पर्व हमें अंधकार पर प्रकाश की जीत का संदेश देता है, और हमें अपने जीवन में ज्ञान और सकारात्मकता को अपनाना चाहिए।

दो बाइक की आमने-सामने टक्कर में चार घायल

छतरपुर (पलामू): छतरपुर थाना क्षेत्र के एनएच 98 फोरलेन स्थित सड़मा एचपी पेट्रोल पंप के समीप दो बाइक का आपस में जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर से दोनों बाइक सवार तीन युवक और एक युवती गम्भीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया। घायलों की पहचान धर्मेंद्र सिंह पिता अमित सिंह ग्राम ओखराहा तेलाडी थाना छतरपुर वही दूसरा बाइक सवार पूनम देवी पति योगेंद्र सिंह दिनेश सिंह पिता भोगल सिंह ग्राम जमारी थाना विश्रामपुर के रूप मे किया गया। जिन्हें प्राथमिक इलाज के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए मेदिनीनगर अस्पताल रेफर कर दिया है। घटना में दो की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों में बताया कि घटना फोरलेन हाईवे के सड़मा ओम पेट्रोल पंप के पास की है। जहां तेज रफ्तार में आ रही दो बाइक अनियंत्रित होकर दोनो आपस में टक्कर हो गई। जिसमें महिला समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना को देखते हुए छतरपुर पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को छतरपुर अस्पताल में प्राथमिक इलाज के लिए भेज दिया। हादसे के बाद लोगों ने बताया कि फोरलेन स्थित पेट्रोल पंप के पास ब्रेकर न होने से लगातार सड़क दुर्घटना हो रही है। जिससे कई लोग पहले भी दुर्घटना के शिकार हो चुके हैं। लोगों ने स्थानीय प्रशासन से डिवाइडर बंद कराने का मांग की गई है। बता दें कि सड़क दुर्घटना के मामले लगातार बढ़ते जा रहें हैं। ट्रैफिक नियम की अनदेखी और तेज रफ्तार के कारण जिले में हर दिन कोई न कोई सड़क दुर्घटना के मामले सामने आते रहते हैं। जिससे स्थानीय लोगों में हमेशा भय बना रहता है।

विधायक बना तो डालटनगंज विस क्षेत्र वासियों को नहीं देना होगा घूस : दिलीप सिंह

बोकारो : 76 डालटनगंज चैनपुर भंडरिया विधानसभा क्षेत्र के बारालोटा, गुरियाही, जनकपुरी, चैनपुर, नेउरा, तालापारा, चढ़नवा, खजुरिया इत्यादि दर्जनों गांवों का निर्दलीय प्रत्याशी युवा नेता श्री दिलीप सिंह नामधारी ने तूफानी दौरा किया। दिलीप जी ने क्षेत्र की जनता से अपील की कि आप मुझे भी पांच वर्ष के लिए मौका दें। विकास के जो भी काम रुके हुए हैं उन्हें पूरा करने में कोई कमी नहीं छोड़ूंगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस बार आप अपना विधायक चुनने में कोई गलती नहीं कीजियेगा नहीं तो फिर आपको 5 साल विकास के लिए इंतजार करना पड़ेगा। दिलीप जी ने 13 नवम्बर 2024 को क्रमांक संख्या 15 पर अंकित सिलाई मशीन छाप पर मुहर लगाने का आग्रह किया।

नहाए खाए के साथ छठ महापर्व शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया (गिरिडीह): लोक आस्था व सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा का प्रथम अनुष्ठान नहाए खाए के साथ प्रारंभ हो चुका है.इस चार दिवसीय अनुष्ठान के प्रथम दिवस में छठ व्रतियों ने सनातनी सभ्यता व रीति-रिवाज के साथ विभिन्न जलाशयों में स्नान कर भगवान सूर्य की आराधना कर, पीतल के बर्तनों में घी से कद्दू,भात-दाल,साग इत्यादि व्यंजन बनाकर ग्रहण कर इस व्रत का शुरूआत की किया गया। पवित्रता व शुद्धता का प्रतीक छठ पूजा को लेकर विभिन्न छठ घाटों की साज-सज्जा को लेकर श्रद्धालु बहुत तत्परता से छठ घाटों की साफ सफाई व सजावट को लेकर अपनी गतिविधियों को तेज कर दिए हैं। छठ घाटों को फूलों, रंगोली बनाकर तथा छोटे-छोटे लाइट से सजाकर सुंदर रूप देने में जुटे हुए हैं। वहीं जगह-जगह ध्वनि विस्तारक यंत्र लगाकर भगवान सूर्य और छठ मैया की गीतों तथा भजनों का प्रसारण किया जा रहा है। जिससे पूरा माहौल गूंजायमान हो चुका है। बच्चों में इस पर्व को लेकर काफी खुशियां झलक रही है। बच्चे जगह-जगह पटाखे एवं फुलझड़ियां जला रहे हैं तथा पूजा से संबंधित छोटे-मोटे वस्तुओं जैसे फूल बेलपत्र आम की सूखी लकड़ी आदि सामग्रियों का जुगाड़ देने में उत्सुकता जाता रहे हैं। इस महापर्व को लेकर बाजार में काफी गर्मजोशी छाई हुई है। पूजा के आवश्यक सामग्रियों को खरीदारी में श्रद्धालु काफी व्यस्त हैं.बाजार में वस्तुओं की कीमतें भी बढी हुई है। जिसमें डलिया40, सूप100, दौरा100, सेव 120, पानी फल 60, संतरा 80, नारियल 30, ईख 80 जोड़ा, शकरकंद 60,अदरक 150 ,गाजर 200 किलो वहीं केला 50 दर्जन बिका। नये वस्त्रों की परंपरा को लेकर कपड़ों की दुकानों में भी भीड़ उमड़ पड़ी है।

जयराम महतो ने देवेंद्रनाथ के पक्ष में मतदान के लिए की अपील

सिल्ली: झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा अपने चुनावी रेस में है। जनसंपर्क और जनसभा चलाई जा रही है। आज मंगलवार को सिल्ली बदलाव महासभा चलाया गया। यह विशाल महासभा पतराहातू मैदान सिल्ली में किया गया। जनता में काफी जोश और उत्साह देखने को मिला। मुख्य अतिथि केंद्रीय अध्यक्ष जयराम कुमार महतो रहे। रामपुर में सहीद दिलीप बेदिया को माल्यार्पण करते हुए सिल्ली विधानसभा क्षेत्र में प्रवेश किया। सभा में प्रत्याशी देवेंद्र नाथ महतो के लिए क्रम संख्या 6 कैंची छाप में मतदान का अपिल किया गया। हजारों की भरी सभा में हेमंत सोरेन के परिवार पर खुब गरजे। और वर्तमान विधायक सुदेश महतो के निजी बढ़ते धन संपत्ति के विकास के पैमाने पर भी बोला। और नए बदलाव के लिए जनता से मतदान का अपील किया। वहीं प्रत्याशी देवेंद्रनाथ महतो ने सत्ता भोगी नेता एवं दल बदलू नेता से सावधान करते हुए अपने सिल्ली क्षेत्र में क्षेत्रीय चुनावी मेनिफेस्टो पर भाषण दिया। और कहा कि हमारा सिल्ली विधानसभा क्षेत्र कृषि प्रधान क्षेत्र है। किसानों के इस आजीविका कृषि से व्यावसायिक कृषि में हम बदलने का काम करेंगे। राढु नदी,स्वर्ण रेखा एवं कांची नदी से लिफ्ट इरीगेशन करते हुए सिंचाई का काम किया जाएगा। रोजगार और स्वरोजगार सृजित किया जाएगा। देर शाम को बाद में जयराम महतो और देवेंद्र नाथ महतो तमाड़ के सभा संबोधन हेतु प्रस्थान किया।

होम वोटिंग के तहत दो दिनों में घर बैठे कुल 486 मतदाताओं ने डाले वोट

मेदिनीनगर (पलामू): पलामू जिले के पांचों विधानसभा सीट के लिए 3 नवंबर से ही वोट फ्रॉम होम की सुविधा शुरू कर दी गयी है। इसके तहत 85 वर्ष से अधिक उम्र वाले और दिव्यांग मतदाता घर से ही मतदान कर रहे हैं। पलामू जिले के 5 विधानसभा क्षेत्र के कुल 1230 मतदाताओं से उनके घर पर ही मतदान करवाया जाना है। इसी क्रम में दिनांक 3 व 4 नवंबर को जिले के पांचों विधानसभा में कुल 486 मतदाताओं से उनके घर पर ही मतदान कराया गया। पोलिंग टीम पूरे दल बल के साथ उनके घर पर पहुंची और मतदान करवाया। दिनांक 3 नवंबर को 238 व 4 नवंबर को 248 मतदाताओं ने अपने घर बैठे मताधिकार का प्रयोग किया इस दौरान बीते रविवार और सोमवार को पांकी विधानसभा में 68,डालटनगंज में 90,विश्रामपुर में 100,छतरपुर में 32 और हुस्सैनाबद विधानसभा में 26 बुजुर्ग मतदाताओं ने वोट डाला। इसी तरह पांकी विधानसभा में 13,डालटनगंज में 66,विश्रामपुर में 31,छतरपुर में 16 और हुसैनाबाद में 44 दिव्यांग मतदाताओं ने घर बैठे अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। बता दें कि जो वोटर चलने-फिरने में असमर्थ हैं और वो वोट डालने के लिये पोलिंग बूथ तक नहीं जा सकते,उनके लिये घर पर ही वोट करने की सुविधा प्रदान की गई है। यह अभियान 3 से 11 नवंबर तक चलाया जायेगा।

विहिप ने पलामू के विभिन्न विधान सभा और प्रखंडों में चलाया मतदाता जागरण अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू): विश्व हिंदू परिषद पलामू की एक टीम विभाग सह मंत्री महेंद्रनाथ जी के नेतृत्व में पड़वा, तुकेबेरा, कंडा, नवा बाजार, जपला, हरि नगर, भीम नगर, हरिहरगंज, पांडू और विश्रामपुर का दौरा कर के सभी स्थानों पर शत प्रतिशत मतदान करने के लिए मतदाताओं से निवेदन किया। ज्ञातव्य है कि आगामी विधान सभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करवाने के लिए विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के द्वारा लगातार मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। कल पलामू जिला के विश्रामपुर, हुसैनाबाद और पाटन छतरपुर विधान सभा क्षेत्र में मतदाता जागरण अभियान चलाया गया। अभियान को गति के लिए विश्व हिंदू परिषद् बजरंग दल के विधान सभा संयोजकों और सह संयोजकों के साथ बैठक कर उन्हें आगे के कार्यक्रम के बारे में विस्तृत निर्देश भी दिया गया। इसके पूर्व डाल्टनगंज, भंडारिया और पांकी विधानसभा में भी मतदाता जागरण अभियान प्रारंभ हो चुका है। पूरे जिला के पांचों विधान सभा क्षेत्र में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए संगठन लगातार लोक जागरण अभियान के द्वारा मतदाताओं को जागरूक करने में लगी हुई है। प्रतिनिधि मंडल में जिला उपाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह, मंत्री दामोदर मिश्र, सह मंत्री अमित तिवारी, सह मंत्री पप्पू जी, संगठन मंत्री संतोष यादव, बजरंग दल जिला संयोजक संदीप प्रसाद गुप्ता, सह संयोजक हिमांशु पांडेय, सह संयोजक सोनू कुमार सिंह, नगर बजरंग दल सह संयोजक दिलीप गिरी, सुरक्षा प्रमुख विकाश कुमार, साप्ताहिक मिलन प्रमुख अभिराज गुप्ता, छतरपुर प्रखंड के संरक्षक रितेश चंद्र जी, प्रखंड संयोजक बिट्टू जॉन, नवा बाजार प्रखंड विहिप अध्यक्ष राजबली जी, उपाध्यक्ष सत्यनारायण तिवारी, पंचायत संयोजक सुद्दू विश्वकर्मा, हरि नगर से विवेक दुबे, पिंटू सोनी, विश्रामपुर से संयोजक अंश सोनी, प्रखंड मंत्री राजकुमार मेहता, छतरपुर से ही मिहिर सिंह, गोलू रौशन, हरिहर गंज से राजेश जी, दीपक सोनी, हरि नगर से ही गौतम कुमार पाण्डेय, विक्रम कुमार, चंदन कुमार मेहता, विवेक दुबे, हरि ओम कुमार गुप्ता, विवेक कुमार सिंह, सोनल सिंह, पिंटू सोनी, विश्राम पुर से ही राजा गुप्ता, राघवेंद्र जी इत्यादि अनेकों सम्मानित सदस्यों की सहभागिता रही।

कोयला और बालू के अवैध कारोबारियों पर हुई कार्रवाई

रामगढ़ : जिले में कोयला और बालू के अवैध कारोबारी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे। पुलिस लगातार उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। एसपी अजय कुमार ने मंगलवार को बताया कि पतरातू और कुजू ओपी क्षेत्र में बालू लदा एक हाईवा और कोयला लदा बोलेरो जप्त किया गया है। इन दोनों अलग-अलग मामलों में अवैध कारोबारी पर कड़ी कार्रवाई की गई है।

लोटा पंचायत में चुनाव कार्यालय का हुआ उद्घाटन

सिल्ली: सिल्ली प्रखंड अंतर्गत मंगलवार के दिन लोटा पंचायत में झामुमो चुनाव कार्यालय का उद्घाटन झामुमो सिल्ली प्रखंड अध्यक्ष बलराम महतो उर्फ राधिका ने किया। मौके पर रांची जिला युवा मोर्चा उपाध्यक्ष फलाहारी महतो, भागीरथ महतो, पंचायत अध्यक्ष उपेंद्र महतो, रामखेलावन महतो,भृगु राम महतो, शंकर महतो, मिथुन चंद महतो, विनोद कुमार महतो, दुलाल मोदक, त्रिलोचन महतो, फेंकना महतो समेत दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यालय जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह–उपायुक्त, चतरा।
(डाक मतपत्र–सह–मतपत्र कोषांग, चतरा।)

पत्रांक 128 चतरा,दिनांक 4.11.2024

प्रेस विज्ञप्ति

विधान सभा आम चुनाव 2024 के निमित सभी मतदान दल (Polling Party) के प्रशिक्षण SS +2 Boys High School, Chatra में कराया जा रहा है। जहाँ पर दोनों विधान सभा के लिए चार–चार सुविधा केन्द्र स्थापित किया गया है। दिनांक–03.11.2024 को कुल 1067 लोगों ने प्रशिक्षण में भाग लिया जिसके विरूद्ध मात्र 522 लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इससे स्पष्ट होता है कि आधे से अधिक मतदान दल के सदस्य बगैर मताधिकार का प्रयोग किये प्रशिक्षण परिसर को छोड़ दे रहे है, जो खेदजनक है। ज्ञात हो कि सभी मतदान दल (Polling Party) का प्रपत्र–12 प्राप्त कर संबंधित निर्वाची पदाधिकारी–सह–अनुमण्डल पदाधिकारी द्वारा Annexure-4 को Approved कर पोस्टल बैलेट निर्गत किया गया है। जिनको सुविधा केन्द्र पर मताधिकार का प्रयोग करने का अधिकार मिला है, इसके बावजूद आपलोगों के द्वारा मताधिकार का प्रयोग नहीं किया जा रहा है। ज्ञात हो कि एक बार Annexure-4 Approved कर पोस्टल बैलेट निर्गत हो जाने के उपरान्त आप अपने मताधिकार का प्रयोग किसी भी परिस्थिति में अपने संबंधित बूथ पर मतदान का प्रयोग नहीं कर सकेंगे, क्योंकि मतदाता सूची में आपके नाम के सामने PB Mark लिख दिया जाता है। अतएव सभी मतदान दल (Polling Party) को निदेश दिया जाता है कि प्रशिक्षण स्थल पर स्थापित सुविधा केन्द्र पर ही अपना मताधिकार का प्रयोग करना सुनिश्चित करें।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी
–सह–उपायुक्त, चतरा।

PR 339879 Election(24-25)D

रोजगार का हब बनेगा विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र : अंजू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

विश्रामपुर (पलामू): विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र के समाजवादी पार्टी (सपा) प्रत्याशी अंजू सिंह का जनसंपर्क अभियान तेजी से चल रहा है। अंजू सिंह अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र के नावाबाजार प्रखंड क्षेत्र के दर्जनों गांव-पंचायतों में जनसंपर्क अभियान चलाकर अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की। उन्होंने मतदान दिवस 13 नवंबर 2024 को अपने-अपने घरों से निकलकर मतदान केन्द्र पहुंचे और साइकिल छाप पर इवीएम का बटन दबाकर उन्हें विजयी बनायें। उन्होंने कहा जनता का आशीर्वाद मिले तो वे विकास के पैमाने पर विश्रामपुर को बदलकर रखेंगी। क्षेत्र का कायाकल्प हो जायेगा। विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र रोजगार का हब बनेगा। उन्होंने कहा कि विश्रामपुर के नावा बाजार में एशिया का नंबर वन ग्रेफाइट फैक्ट्री का माइंस था, परंतु यह माइंस राजनीति का शिकार हुआ और 1994 में लीज नवीनीकरण नहीं होने के कारण आजतक बंद पड़ा है। इसके बंद होने से सैकड़ों कामगार बेरोजगार हो गये हैं। विधायक बनने पर वे इस माइंस को चालू कराने के दिशा में कार्य करेंगी। अगर वे 6 माइंस आरापुर का चालू करवाने से इस क्षेत्र के 10 हजार से अधिक युवाओं को सीधा रोजगार से जोड़ा जा सकेगा। उन्होंने कहा कि इस में 5 हजार से अधिक लोगों को स्व-रोजगार के साधन उपलब्ध कराते हुए रोजगार सृजन किया जायेगा, ताकि क्षेत्र से गरीबी का कलंक मिट सके। उन्होंने कहा कि नावा बाजार प्रखण्ड में सरकारी कर्मचारियों और यहां के सिटिंग विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी की मिलीभगत से गरीबों के राशन में लूट-खसोट मची है। पूरे प्रखंड का 6 महीने का राशन की चोरी हो गई है। साथ ही गरीबों को समय पर राशन नहीं मिलता है। अंजू सिंह विधायक बनने पर 6 महीने का 15 लाख किलो राशन क्षेत्र के जनता को उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया। उन्होंने राजहरा कोलियरी की फैक्ट्री को चालू करवाकर स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध करवाने का भी वादा किया। इसे चालू होने से विश्रामपुर विधानसभा के लाखों बेरोजगार युवाओं को रोजगार देकर सम्मानजनक जीवन जीना सिखलाएंगी। जनसंपर्क अभियान में सपा के झारखंड प्रभारी व्यास गोंड, सपा नेता शोभा पाल, सपा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष रंजन यादव, जिला अध्यक्ष मोहन यादव, सपा नेता नईमुद्दीन अंसारी, विनोद विश्वकर्मा, शैलेश पाल, विनोद यादव, इम्तियाज अंसारी, संजीवन भुईयां, गोविंद सिंह, अरुण पासवान, अर्जुन साव, राजू कुमार गुप्ता, अली नवाज अंसारी, उस्मान अंसारी आदि समर्थक सहित सैकड़ों जनता शामिल थे।

निर्वाचन अति महत्वपूर्ण

आसन्न विधानसभा आम निर्वाचन, 2024
समाहरणालय, गढ़वा
(जिला निर्वाचन शाखा)
(E-mail ID – dep-eo-gar@gov.in / electiongarhwa1950@gmail.com)

आदेश

भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा निर्गत प्रेस नोट संख्या ECI/PN/149/2024 दिनांक 15.10.2024 के आलोक में गढ़वा जिला में मतदान की तिथि दिनांक 13.11.2024 (बुधवार) को तथा मतगणना की तिथि दिनांक 23.11.2024 (शनिवार) निर्धारित है।

पुलिस अधीक्षक, गढ़वा के पत्रांक 336/चु0को0, दिनांक 03.11.2024 के द्वारा विधानसभा आमनिर्वाचन, 2024 के दृष्टिगत गढ़वा जिला में प्रतिनियुक्त होने वाले CAPF बलों (CAPF TAC HQ एवं CAPF Coy.) के आवासन हेतु गढ़वा जिला अंतर्गत अवस्थित चिन्हित भवन/स्थल का अधिग्रहण हेतु सूची उपलब्ध करायी गई है।विवरण निम्नवत् है:–

Sl.	AC No. & Name	Police Station	Accomodation
1	2	3	4
1	80-Garhwa	Ramkanda	Up. +2 High School, Ramkanda

उक्त के परिप्रेक्ष्य में शेखर जमुआर (भा0प्र0से0), जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह–उपायुक्त, गढ़वा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 160 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त सारणी में अंकित भवन को (कमरों/भवनों में उपलब्ध सभी उपस्करों सहित) दिनांक 05.11.2024 से दिनांक 25.11.2024 तक की अवधि के लिए निर्वाचन कार्य हेतु अधिग्रहित करता हूँ।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी,
–सह–उपायुक्त, गढ़वा

PR 339877 Election(24-25).D

भारतियों के लिए असुरक्षित होता कनाडा

राकेश अचल

दोनों देशों के बीच रिश्तों में कड़वाहट के बीच कनाडा के ब्रैम्पटन में हिन्दू मंदिर पर हमले को लेकर हम मोदी जी कि भूमिका से असहमत होते हुए भी उनके साथ खड़े हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेहद सख्त लहजे में उन्होंने कनाडा की जस्टिन ट्रूडो सरकार से कहा कि इस तरह के हमले बर्दाश्त नहीं है। हमारे हमारे राजनयिकों को डराने-धमकाने की कायरतापूर्ण कोशिशें भी उतनी ही भयावह है। भगवान से प्रार्थना है कि वो दोनों देशों की सरकारों को सद्बुद्धि दे ताकि कनाडा भारत के लिए दूसरा पाकिस्तना न साबित हो।

भारत में चुनावी राजनीति में लोग एक -दूसरे के छक्के छुड़ाने में लगे हैं उधर सात समंदर पार कनाडा भारतीयों के लिए दूसरा पाकिस्तान बनता नजर आ रहा है। भारत ने कनाडा के ब्रैम्पटन में एक हिंदू पूजा स्थल पर खालिस्तान समर्थकों की तरफ से हमला करने के घटनाक्रम ने भारत और कनाडा के आपसी रिश्तों को भयंकर झटका दिया है। कनाडा में 18 लाख भारतीय मूल के लोग और 1 लाख एनआरआई मौजूद हैं। ये दुनिया में सबसे बड़े भारतीय प्रवासी समूह में से एक है। कनाडा की पूरी आबादी में ये हिस्सेदारी करीब 3 प्रतिशत है।

भारत और कनाडा के रिश्तों में तनातनी की जड़ में खालिस्तानी तत्व हैं। दोनों देशों के प्रधानमंत्री हैं। भारत और कनाडा के आपसी संबंधों का मौजूदा दौर कई सवालों और चिंताओं को जन्म दे रहा है. हरदीप सिंह निज्जर की हत्या सुर्खियों में है, लेकिन दोनों देशों के ताल्लुक पेचीदगियों से भरे है। अच्छी बात ये है की इस समय भारतियों पर कनाडा में हुए ताजा हमले के मुद्दे पर हम सब एक हैं सोशल मीडिया पर जो वीडियो सामने आये हैं उसमें साफ तौर पर दिखता है कि हिंदू मंदिर के सामने पहले खालिस्तान समर्थकों की टोली गाड़ियों से आती है और खालिस्तानी झंडों के साथ वहां एकत्रित लोगों के साथ मारपीट करती है। वहां की पुलिस की बीच-बचाव करती दिखती है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भी इस हमले मैंने से ही इंकार कर दिया है ,जबकि स्थानीय पुलिस ने इस मामले में दो-तीन लोगों की गिरफ्तारी की बात कही गई है।

पूजाघरों में इस तरह की घटनाएं सिहरन पैदा करतीं हैं । कनाडा में अगले वर्ष आम चुनाव है और कई लोगों भारत के साथ प्रधानमंत्री ट्रूडो की नीतियों को उनकी राजनीतिक महत्वांकाक्षा से जोड़ कर देखते हैं। ट्रूडो की नजर भारत से अलग पृथक देश खालिस्तान बनाने का सपना पालने वाले खालिस्तानी संगठनों से जुड़े वोटरों पर है। ऐसे में भारतीय समुदाय पर या धार्मिक स्थलों पर उनका हमला बढ़ने की आशंका है। भारत और कनाडा के बीच फिलहाल जो कड़वाहट घुली है, उसे दोनों देशों के रिश्तों का सबसे निचला स्तर बताया जा रहा है और ये दौर दोनों देशों के मौजूदा नेतृत्व कि क्षमताओं पर भी प्रश्नचिन्ह खड़े करता है। ये समझने कि जरूरत है कि अचानक ऐसा क्या हुआ, जो भारत और कनाडा जैसे दो मित्रदेशों के रिश्ते इतने बुरे दौर में पहुंच गए ? क्या कनाडा में खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में वाकई भारत सरकार का हाथ है और तीसरा, क्या ट्रूडो का बयान पूरी तरह घरेलू

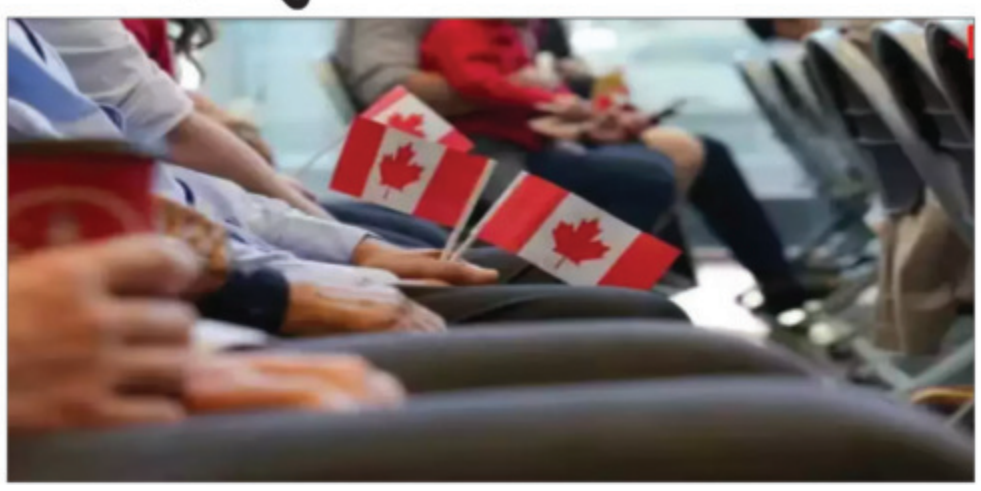

वोटबैंक की राजनीति से प्रेरित है।

भारत-कनाडा रिश्तों का इतिहास खट्टा-मीठा रहा है। ये बनते-बिगड़ते रहे है। अतीत में झांककर देखें तो कनाडा-भारत संबंध,कनाडा और भारत गणराज्य के बीच द्विपक्षीय संबंध हैं। माना जाता है कि लोकतंत्र के लिए आपसी प्रतिबद्धता, बहुलवाद और लोगों के बीच परस्पर संबंधों पर आधारित हैं।कांग्रेस के शासनकाल में 2009 तक भारत और कनाडा के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगभग 4.14 बिलियन डालर का था। वर्षों पहले एयर इंडिया फ्लाइट 182 में हुए विस्फोट के बाद दोनों देशों के रिश्तों में जो कड़वाहट आई थी उसका असर दो दशकों रहा। आपको याद होगा कि 23 जून 1985... वो तारीख जब खालिस्तानियों ने एयर इंडिया की एक विमान को निशाना बनाया। इस विमान हादसे में 329 की हुई थी मौत, मरने वालों में 268 कनाडा के नागरिक थे। यह विमानन इतिहास में सबसे घातक आतंकवादी हमला था। खालिस्तानी आतंकियों ने ऑपरेशन ब्लू स्टार का बदला लेने के लिए विमान पर हमला किया था। हमले के 39 साल पूरे होने के बाद भी कनाडा पुलिस हादसे की जांच नहीं कर पाई थी। इस हमले से पहले भी भारत द्वारा 1974 में हुए परमाणु परीक्षण ने दोनों राष्ट्रों के बीच संबंधों में तल्खी पैदा हुई थी। कनाडा ने तब भारत पर कोलंबो योजना की शर्तों का उल्लंघन का आरोप लगया था ,हालाँकि 1990 के दशक के अंत में जाँ श्रेतियाँ और रोमियो लब्लैंक दोनों ने भारत की, पोखरण-2 परीक्षणों के बाद, संबंधों को एक बार फिर से अस्थायी रूप से रोक दिया गया था।मुझे याद है कि कनाडा के प्रधानमंत्री स्टीफन हार्पर ने 2012 में भारत का दौरा किया था। कनाडा और भारत बड़े पैमाने पर व्यापार करते हैं। भारत मुख्य रूप से कनाडा से दाल आयात करता है। उच्च शिक्षा के लिए भारतीय छात्रों के लिए कनाडा एक पसंदीदा स्थान है।इस बीच कनाडा में सिख आतंकवादियों द्वारा भारत विरोधी गतिविधियों में हुए इजाफे के दौरान कनाडा सरकार द्वारा अपेक्षित रोकथाम करने कथित कमी ने दोनों देशों के बीच तनाव पैदा कर दिया है

हाल के दशक में कनाडा ने नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के दौरान भारत में हो रहे मानवाधिकार उल्लंघन की निंदा कर तनाव के नए बीज बोये । भारत ने इसके जवाब में कनाडा को झिड़की दी और साफ शब्दों में कहा कि कनाडा को अपने काम से काम रखना चाहिए और भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। पिछले साल 2023 में, जी-20 बैठक के बाद, कनाडा की ट्रूडो सरकार ने भारत पर एक कनाडाई सिख कार्यकर्ता, हरदीप सिंह निज्जर, जो खालिस्तान आंदोलन का हिस्सा था, की कनाडा में हत्या करने का आरोप लगाया। तब से अब तक रिश्तों में कड़वाहट इतनी बढ़ी कि दोनों देशों ने एक-दूसरे के राजनयिकों को देश निकला तक दे दिया। अब स्थिति ये है कि कनाडा ने तमाम हदें लांघते हुए भारत के गृहमंत्री तक पर गंभीर आरोप लगा दिए है। मुमकिन है कि इन आरोपों को लेकर 25 नबंवर से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र में गहमागहमी रहे।

कनाडा और भारत के रिश्तों को समझने के लिए हमें बहुत पीछे जाना पडेगा, इतने पीछे जहाँ कि भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू खड़े नजर आने लगें। नेहरू को सदैव गालियां देने वालों को शायद ये पता नहीं होगा कि भारत और कनाडा के रिश्तों की नीव में नेहरू ही हैं मोदी नहीं। इतिहास बताता है कि आजादी के बाद से लेकर 1960 के दशक में कनाडा-भारत संबंधों को भारतीय प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू और दो वर्षों के दौरान सेवा करने वाले दो कनाडाई प्रधानमंत्रियों लुई सेंट लॉरेंट और लेस्टर बी पियर्सन के व्यक्तिगत संबंधों के कारण बढ़ावा मिला था। ये रिश्ते आज के पुतिन मोदी संबंधों जैसे कहे जा सकते है। इनकी तुलना नेतन्याहू और मोदी के निजी संबंधों से भी की जा सकती है।

संयुक्त राष्ट्र और राष्ट्रमंडल में कोरियाई युद्ध और स्वेज संकट जैसे विविध मुद्दों पर, भारत और कनाडा के बीच रुचि और प्रतिबद्धता का एक अनूठा उदाहरण है । । नेहरू के ही कार्यकाल में भारत के लिए कनाडा का सहायता कार्यक्रम 1951 में शुरू हुआ और कोलंबो योजना के तहत काफी बढ़ा। कनाडा ने भारत को खाद्य सहायता, परियोजना वित्तपोषण और तकनीकी सहायता प्रदान की। पिछले पांच दशकों में भारत, कनाडाई द्विपक्षीय सहायता का सबसे बड़ा प्राप्तकर्ता रहा है, जिसकी राशि 3.8 बिलियन से अधिक कनाडाई डॉलर है। नेहरू के कार्यकाल में ही 1960 के दशक में, कनाडा ने कोलंबो योजना के माध्यम से कुंडाह हाइड्रो-इलेक्ट्रिक पावर हाउसपरियोजना का समर्थन किया । लेकिन आज दोनों देशों के रिश्तों में इतनी कड़वाहट बढ़ गयी है कि इन्हें दूर करने में दशकों लग जावेंगे कम से कम मोदी और ट्रूडो के रहते तो ये रिश्ते अब सुधरने वाले नहीं है। लौटकर मंदिर में श्रद्धालुओं पर हुए ताजा हममले पर आते है। इन हमलों के खिलाफ पूरा भारत एक है । संसद में भी ये एकता दिखाई देना चाहिए।

दोनों देशों के बीच रिश्तों में कड़वाहट के बीच कनाडा के ब्रैम्पटन में हिन्दू मंदिर पर हमले को लेकर हम मोदी जी कि भूमिका से असहमत होते हुए भी उनके साथ खड़े हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेहद सख्त लहजे में उन्होंने कनाडा की जस्टिन ट्रूडो सरकार से कहा कि इस तरह के हमले बर्दाश्त नहीं है। हमारे हमारे राजनयिकों को डराने-धमकाने की कायरतापूर्ण कोशिशें भी उतनी ही भयावह है। भगवान से प्रार्थना है कि वो दोनों देशों की सरकारों को सद्बुद्धि दे ताकि कनाडा भारत के लिए दूसरा पाकिस्तना न साबित हो।

संपादकीय

तलाशनी होगी वजहें

टॉम लेथम की अगुआई वाली न्यूजीलैंड़ ने भारत का तीन टेस्ट की सीरीज में सफाया करके यह दिखा दिया है कि भारत अब घर का भी शेर नहीं रहा है। भारत ने 2000 के बाद से घर में अजेय रहने वाली छवि बनाई थी, जिसे पहला झटका इंग्लैंड़ ने 2012-12 में दिया था। अब यह झटका न्यूजीलैंड़ ने दिया है। भारत के पास 1960 और 70 के दशक में प्रसन्ना और बेदी जैसे स्पिनर होने पर भी भारत घर में ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंड़ीज और इंग्लैंड़ से सीरीज हारते रहते थे, पर 2000 के दौरान भारत ने घर में अजेय रहने वाली छवि बनाई थी। पर भारतीय टीम के हाल के घर के प्रदर्शनों को देखें तो यह साफ हो जाता है कि हमारे बल्लेबाज अब टर्निंग विकेट पर टिकने वाली क्षमता को खोते जा रहे हैं। इसकी एक प्रमुख वजह तो साल में ज्यादातर समय टी-20 क्रिकेट खेलना है। इससे खिलाड़ी विकेट पर टिकने वाली कला को भूलते जा रहे हैं। इस सीरीज में पहले सेंटनर और फिर एजाज पटेल ने भारतीय बल्लेबाजों की बारात निकालकर इस बात को साबित कर दिया है। सवाल यह है कि हमारे बैटर इस कला में पिछड़े.क्यों हैं। इस बात पर ध्यान देने से पता चलता है कि भारतीय टीम के प्रमुख बल्लेबाज लंबे समय से घरेलू क्रिकेट से दूर बने हुए हैं, इसलिए उन्हें अपनी बल्लेबाजी में आने वाली खामियों को सुधार करने का मौका ही नहीं मिलता है। अब हम कोहली को ही लें तो वह 2021 के बाद से स्पिन गेंदबाजी के सामने मुश्किल में नजर आ रहे हैं। बहुत संभव है कि विराट और रोहित पर उम्र का असर दिखने लगा हो। पर इस संबंध में सही तस्वीर इस माह के आखिर में शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर प्रदर्शन से ही सामने आएगी। बहुत संभव है कि भारतीय टीम के सीनियर बल्लेबाजों के बल्ले चमक बिखेरने में कामयाब हो जाएं। फिर भी इन सीनियर बल्लेबाजों के विकल्प तलाशने का समय आ गया है। भारत की इस करारी हार से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेलने की संभावनाएं तो कमजोर हुई हैं ही, साथ ही नये मुख्य कोच गौतम गंभीर पर भी सवालिया निशान लगने लगे हैं। भारत यदि ऑस्ट्रेलिया से 0-5 से सीरीज हार जाता है तो फिर आलोचकों का मुंह बंद करना मुश्किल हो जाएगा। इस हार से विश्व टेस्ट चैपियनशिप में भारत के फाइनल में पहुंचने की संभावनाएं बेहद कमजोर हो गई हैं। भारत के लिए अब फाइनल खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में हराने की चुनौती है, जो असंभव नहीं तो मुश्किल जरूर है।

चिंतन-मनन

प्रार्थना की शक्ति का महत्व...

मनुष्य का जीवन उसकी शारीरिक एवं प्राणिक सत्ता में नहीं, अपितु उसकी मानसिक एवं आध्यात्मिक सत्ता में भी आकांक्षाओं तथा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए और कामनाओं का है। जब उसे ज्ञान होता है कि एक महत्तर शक्ति संसार को संचालित कर रही है, तब वह अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए, अपनी विषम यात्रा में सहायता के लिए, अपने संघर्ष में रक्षा के लिए आय प्राप्त करने के लिए प्रार्थना द्वारा उसकी शरण लेता है।

प्रार्थना द्वारा भगवान की ओर साधारण धार्मिक पहुंच, अपने को ईश्वर की ओर मोड़ देने के लिए यह हमारी प्रार्थनारूपी विधि हमारी धार्मिक सत्ता का मौलिक प्रयत्न है, और एक सार्वभौम सत्य पर स्थित है- भले ही इसमें कितनी भी अपूर्णताएं हों और सचमुच अपूर्णताएं हैं भी।

प्रार्थना के प्रभाव को प्राय? संदेह की दृष्टि से देखा जाता है और स्वयं प्रार्थना निरर्थक तथा निष्फल समझी जाती है। वैश्व संकल्प सदैव अपने लक्ष्य को ही कार्यान्वित करता है। वह सर्वज्ञ होने के कारण अपने वृहत्तर ज्ञान से कर्तव्य पहले ही जान लेता है, परंतु यह व्यवस्था यांत्रिक नियम से नहीं, बल्कि कुछ शक्तियों एवं बलों के द्वारा कार्यान्वित होती है।

यह मानव संकल्प, अभीप्सा और श्रद्धा का एक विशेष रूप मात्र है। प्रारंभ में प्रार्थना निम्न स्तर भी हमारे सबंध को तैयार करने में सहायता पहुंचाती है। मुख्य वस्तु इस प्रकार का साक्षात संबंध, मनुष्य का ईश्वर से संपर्क, सचेतक आदान-प्रदान न कि पार्थिव वस्तु की प्राप्ति।

अपनी मानसिक रचना के निर्माण के बाद यदि व्यक्ति अपने को ईश कृपा पर समर्पित कर देता है, और इसमें भरोसा रखता है, तो उसको अवश्य ही सफलता मिलेगी। यदि कोई ईश्वर की कृपा का मात्र आह्वान करता है, तो अपने को उसके हाथों में सौंप देता है, तो वह विशेष अपेक्षा नहीं करता। प्रार्थना को सूत्रबद्ध करके किसी वस्तु के लिए निवेदन करना होगा। व्यक्ति को यह सवाल नहीं करना चाहिए। यदि सचाई के साथ सच्ची आंतरिक भावना के साथ याचना की जाए तो संभव है- वह स्वीकृत हो जाए।

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है पंजाब में नशे का जाल

ललित गर्ग

पंजाब में आतंकवाद ही नहीं, तरह-तरह के नशे एवं ड्रग्स के धंधे ने व्यापक स्तर पर अपनी पहुंच बनाई है, जिसके दुष्परिणाम समूचे देश को भोगने को विवश होना पड़ रहा है। पंजाब नशे की अंधी गलियों में धंसता जा रहा है, सीमा पार से शुरू किए गए इस छद्म युद्ध की कीमत पंजाब चुका रहा है, जिसने लंबे समय से पंजाब को जकड़ रखा है। पिछले दस महीनों में पंजाब पुलिस ने 153 बड़े ऑपरेटरों सहित 10,524 तस्करों को गिरफ्तार किया है। पंजाब ने स्थानीय तस्करों के साथ-साथ बड़े ड्रग नेटवर्क को लक्षित करने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की। हाल ही में 790 किलोग्राम हेरोइन, 860 किलोग्राम अफीम और अन्य नशीले पदार्थों के साथ-साथ 13 करोड़ रुपये से अधिक ड्रग मनी जब्त की गई है। इन आपराधिक अभियानों की वित्तीय बुनियाद पर प्रहार करते हुए नशे के कारोबार से जुड़े लोगों की 208 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की गई। हालांकि, अभी पर्दे के पीछे से काम करने वाले प्रमुख तस्करों को बेनकाब करने और कानूनन दंडित करने की सख्त जरूरत है। ड्रग की तस्करी और व्यापक रूप से नशे की लत पंजाब की सबसे उल्लेखनीय घातक सामाजिक-राजनीतिक चुनौती बन चुकी है जो कई प्रकार से पूरे देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बनती जा रही है।

पाकिस्तान पोषित इस नशीले कारोबार की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस साल सीमा सुरक्षा बल ने पंजाब की पाकिस्तान से लगती सीमा से 183 ड्रोन जब्त किए। जो वर्ष 2023 में बरामद 107 ड्रोन से कहीं अधिक हैं। पाक प्रायोजित यह तस्करी परिष्कृत एवं सुनियोजित तरीके से की जा रही है, जिसके खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। खासकर, ऐसे संवेदनशील सीमावर्ती राज्य में इस समस्या की भयावहता को देखते हुए यह आवश्यक हो जाता है कि इसके खिलाफ एक ऐसी संपूर्ण लड़ाई छेड़ी जाए जिसमें कामयाब होने में अगर कई वर्ष भी लग जाएं तो उसे जारी रखा जाए। नशे की समस्या पिछले कई वर्षों के दौरान और बद से बदतर होती गई है और पिछले पंजाब में हुए विधानसभा चुनावों में यह एक बड़ा मुद्दा था। क्योंकि शहरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों से हर रोज युवाओं की मौत की खबरें हो या विधवाओं का क्रंदन समूचा देश हिला है। कितनी मांओं की गोद उजड़ गई और कितने वृद्ध पिताओं की सहारे की लाठी टूट गई। नशीले पदार्थों का धंधा सीमाओं से होते हुए देश की रग-रग में पसरता गया है।

पंजाब में बिछा ड्रग्स का जाल जनजीवन के लिये बड़ी चुनौती है। पंजाब पाकिस्तान, अफगानिस्तान एवं ईरान के तथाकथित गोल्डेन क्रेसेंट से तस्करी कर लाई गई नशीली दवाओं का एक पारगमन बिंदु (ट्रांजिट प्वाईंट) तथा बाजार दोनों ही है। जहां अफगानिस्तान में उत्पादित हेरोईन की भारत-पाकिस्तान की 553 किमी लंबी और अवैध घुसपैठ की संभावनाओं से युक्त सीमा से तस्करी की जाती है, अफीम, अफीम की भूसी, चरस एवं हशीश जैसी अन्य नशीली दवाएं आसपास के देशों से आती हैं। भारत एवं पाकिस्तान सीमा पर अच्छी सड़कों का अभाव भी सीमा पर लगी बाड़ के नीचे सुरंगों की खुदाई के जरिये भारी मात्रा में मादक दवाओं की खेप के हस्तांतरण के काम को आसान बना देती हैं। पंजाब पुलिस की नशे से जुड़े आतंकवदी तंत्र की जांच करने की सीमित क्षमता है, खासकर, इस समस्या का मुकाबला करने के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकीय एवं वैज्ञानिक उपकरणों की उसके पास कमी है। पंजाब में राजनीति और ड्रग्स का चोली दामन का संबंध है, बड़ी राजनीतिज्ञ पार्टियों की नशा माफिया एवं नशीले पदार्थों के तस्करों के साथ काफी मिलीभगत है और यही वजह है कि पंजाब 'नशीले पदार्थों की राजनीति' के युग से गुजर रहा है। इसलिये भी यह समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है।

पंजाब में नशे की समस्या पर सुप्रीम कोर्ट भी चिन्ता व्यक्त करता रहा है, अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए उसने पंजाब सरकार को फटकार भी समय-समय पर लगाई है। पूर्व में सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'पंजाब में नशे की समस्या बढ़ती जा रही है। नकली शराब और नशीले पदार्थों को रोका जाना चाहिए। ऐसे तो युवा खत्म हो जाएंगे। गरीब लोग मर रहे हैं। पंजाब में हर गली में एक भट्टी होती है। अगर कोई चाहे तो देश को खत्म कर देगा। अगर बॉर्डर क्षेत्र सुरक्षित नहीं है तो कैसे चलेगा? नशा माफिया के आगे बेबस क्यों पंजाब सरकार?' सुप्रीम कोर्ट की चिन्ता पंजाब में नशे की गंभीर चुनौती को देखते हुए वाजिब है। जिसके खिलाफ व्यापक पैमाने पर योजनाबद्ध अभियान वक्त की जरूरत है। सरकारें लंबे समय से इसके विरुद्ध कार्रवाई की बात तो करती रही हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में कम ही बदलाव नजर आया है। फिलहाल पंजाब में नशीले पदार्थों के खिलाफ जारी कार्रवाई आप सरकार की नई प्रतिबद्धता को दशार्ती है और सतही तौर पर नशे की खिलाफ सफलता के आंकड़े एक सराहनीय कार्रवाई को दशार्ते हैं, लेकिन इसके बावजूद समस्या की विकटता को देखते हुए ये आंकड़े पर्याप्त नहीं हैं। वक्त की जरूरत है कि लगातार भयावह होती स्थिति में पुलिस को इस खेल की बड़ी मछलियों को बेनकाब करके नशे के प्रवाह पर रोक लगानी चाहिए। इसके बाद बड़े नशा तस्करों के खिलाफ व्यापक स्तर का अभियान चलाना चाहिए। जिससे समाज में यह संदेश जाए कि कोई कितना भी ताकतवर व्यक्ति क्यों न हो, कानून से ऊपर नहीं है। साथ ही यह भी कि समाज विरोधी कार्यों में लिप्त होने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। ऐसे तत्वों को राजनीतिक संरक्षण देने वाली ताकतों को भी बेनकाब करने की जरूरत है।

पंजाब सरकार की सख्त कार्रवाई का यह संदेश नशा माफिया को जाना जरूरी है कि इस काले कारोबार से जुड़े लोगों की दंडमुक्ति संभव नहीं है। इसके अलावा सीमा पार से चलाए जा रहे नशे के कारोबार के लिये पडोसी देश को भी कड़ा संदेश जाना चाहिए। नशे की तस्करी में तमाम आधुनिक साधनों का उपयोग किया जा रहा है। हालांकि, बीएसएफ ने पहल करते हुए एंटी-ड्रोन सिस्टम लगाए हैं। जिसके सार्थक परिणाम भी मिल रहे हैं। पंजाब में नशे की गंभीर चुनौती को देखते हुए सीमा सुरक्षा को फुलप्रूफ करने की दिशा में कदम उठाए जाने चाहिये। जिसमें उच्च तकनीक व विभिन्न एजेंसियों में बेहतर तालमेल की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी पूर्व में 'ड्रग्स-फ्री इंडिया' अभियान चलाने की बात कहकर इस राष्ट्र की सबसे घातक बुराई की ओर जागृति का शंखनाद किया है। उन्होंने चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारे देश के युवा गुटका, चरस, गांजा, अफीम, स्मैक, शराब और भांग आदि के नशे में पड़ कर बर्बाद हो रहे हैं। इस कारण से वे आर्थिक, सामाजिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से विकलांगता की ओर अग्रसर हो रहे हैं। विशेषतः पंजाब के युवा नशे की अंधी गलियों में धंसते जा रहे हैं, वे अपनी अमूल्य देह में बीमार फेफड़े और जिगर सहित अनेक जानलेवा बीमारियां लिए एक जिन्दा लाश बने जी रहे हैं पौरुषहीन भीड़ का अंग बन कर। नशे के ग्लैमर की चकाचौंध ने चिन्ताजनक स्थितियां खड़ी कर दी है। पाकिस्तान नशे के आतंक से अपने मनसूंबों को पूरा कर रहा है। चिकित्सकीय आधार पर देखें तो अफीम, हेरोइन, चरस, कोकीन, तथा स्मैक जैसे मादक पदार्थों से व्यक्ति वास्तव में अपना मानसिक संतुलन खो बैठता है एवं पागल तथा सुप्तावस्था में हो जाता है। ये ऐसे उत्तेजना लाने वाले पदार्थ हैं, जिनकी लत के प्रभाव में व्यक्ति अपराध तक कर बैठता है। मामला सिर्फ स्वास्थ्य से नहीं अपितु अपराध से भी जुड़ा हुआ है। कहा भी गया है कि जीवन अनमोल है। नशे के सेवन से यह अनमोल जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है या अपराध की अंधी गलियों में धंसता चला जाता है, पाकिस्तान युवाओं को निस्तेज करके एक नये तरीके के आतंकवाद को अंजाम दे रहा है। प्रेषकः

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

क्रिकेटः भुलाए नहीं भूलेगी यह हार

मनोज चतुर्वेदी

मुंबई के वानखेड़े. स्टेड़ियम पर तीसरा टेस्ट हारते ही भारत की उम्मीदों को ऐसा झटका लगा है, जिसका दर्द सालों साल महसूस होता रहेगा। भारत की इस हार से न्यूजीलैंड़ पहली बार अपने घर से बाहर तीन टेस्ट की सीरीज में क्लीन स्वीप करने में सफल हुई है। भारत का भी घर में सीरीज में सफाया पहली बार हुआ है। भारत इससे पहले 2012-12 में एलिस्टेयर कुक की अगुआई वाली इंग्लैंड़ टीम से घर में सीरीज हारी थी। इसके बाद से भारत ने लगातार 18 सीरीज जीतकर घर में अजेय योद्धा वाली छवि बना ली थी। पर टॉम लेथम की अगुआई वाली न्यूजीलैंड़ टीम ने भारत से सीरीज ही नहीं जीती बल्कि उन्हें एकदम से बौना बनाकर रख दिया। लेथम की टीम ने सीरीज जीतने का गौरव तो एक हफ्ते पहले ही पा लिया था। अब तो उसने सीरीज में क्लीन स्वीप करके केक पर आइसिंग लगाने का काम भर किया है। भारत की इस सीरीज में हुई थुक्का-फजीहत के कई कारण हैं। इन कारणों में प्रमुख रूप से गलत फैसले, विराट और रोहित जैसे दिग्गजों का फॉर्म में नहीं होना प्रमुख हैं। भारत के टी-20 विश्व कप जीतने और इस सीरीज के बीच करीब एक माह का समय था। इसलिए मुख्य चयनकर्ता चाहते थे कि प्रमुख खिलाड़ी मैच अभ्यास करने के लिए दलीप ट्रॉफी के कुछ मैच सीनियर खिलाड़ी खेलें। पर इस प्रस्ताव को टीम के सीनियर खिलाड़ियों ने सिरे से खारिज कर दिया। उनका मानना था कि घरेलू क्रिकेट में खेलने से उन्हें किसी तरह की प्रेरणा नहीं मिलती है। वे यदि दलीप ट्रॉफी में खेले होते तो बेहतर तैयारी के साथ इस सीरीज में उतर सकते थे। भारतीय टीम से जुड़े.सीनियर खिलाड़ियों ने शुरूआत में घरेलू मैचों में खेलने की बात मान ली थी। पर बाद में खेलने से इनकार कर दिया आर वह इस तरह लाल गेंद के किसी खास अभ्यास के बिना बांग्लादेश और न्यूजीलैंड़ के खिलाफ पांच टेस्ट में खेलने पर सहमति जता दी। हम अच्छे से जानते हैं कि भारत ने इंग्लैंड़ के खिलाफ घर में सीरीज हारने के बाद अगले 12 सालों में भारत द्वारा जीतीं ज्यादातर सीरीजों के जीतने में कप्तान रोहित शर्मा और विरोट कोहली के प्रदर्शनों की भूमिका अहम रही है। पर इस सीरीज के दौरान दोनों खिलाड़ी जरा भी रंगत में नहीं दिखे। विराट ने अपनी आखिरी 10 टेस्ट पारियों में सिर्फ 192 रन बनाए हैं। वहीं कप्तान रोहित शर्मा इतनी पारियों में 133 रन ही बना सके हैं। रोहित शर्मा यहां पेस गेंदबाजी का भरोसे से सामना नहीं कर पा रहे हैं तो विराट कोहली स्पिन गेंदबाजी, खासतौर से लेफ्ट ऑर्म स्पिनरों का सामना करने में असहज हो गए हैं। अब सवाल यह है कि क्या इन दोनों के विकल्प तलाशने का समय आ गया है। अब यह जोड़ी अगले ऑस्ट्रेलिया दौरे के पांच टेस्ट मैचों में भी प्रदर्शन सुधार नहीं पाती है, तो फिर इन दोनों को बाहर करने की मांग जोर पकड़.सकती है। रोहित शर्मा बल्ले से तो फ्लॉप रहे और उन्होंने कप्तान के तौर पर भी कई खराब फैसले लेकर सीरीज में भारत की स्थिति दयनीय बनाने में अहम भूमिका निभाई। बेंगलुरू में खेले गए पहले टेस्ट में आसमान में छाए बादलों के बीच टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने के फैसले की वजह से टीम को 46 रनों के शर्मनाक स्कोर पर आउट होना पड़ा। इस टेस्ट में भारत ने दूसरी पारी में पंत और सरफराज की 177 रनों की साझेदारी से स्थिति संभाल दी थी। पर बाद के बल्लेबाजों के ताश के पत्तों की तरह ढहने से भारत को हार झेलनी पड़ी। इस हार के बाद पुणेऔर मुंबई में पहले दिन से टर्न लेने वाली विकेट बनवाने के गलत फैसले ने सीरीज में सफाया कराने में अहम भूमिका निभाई। भारतीय टीम मैनेजमेंट इस बात को अच्छी तरह से जानता था कि हमारे प्रमुख बल्लेबाजों को टर्निंग विकेट पर खेलने में दिक्कत होती है। पर फिर भी आखिरी दो टेस्ट में इस तरह की विकेट बनवाने के पीछे का उद्देश्य समझ से परे है। सही मायनों में घर में स्पिन विकेट पर भारतीय बल्लेबाजों की कमजोरी 2023 से ही उजागर हो गई थी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में भारत टर्निंग विकेट पर नई दिल्ली में तो किसी तरह जीत गया था। पर इंदौर में उसकी पोल खुल गई थी। ऑस्ट्रेलिया इस सीरीज में 1-2 से हारा सिर्फ अपनी खराब बल्लेबाजी की वजह से अन्यथा उसके गेंदबाजों ने भारतीय बल्लेबाजों के नकेल ड़ाले रखी थी। इस सीरीज में भी स्पिन के मददगार विकेट पर खेलते समय भारतीय बल्लेबाज तकनीकी रूप से कमजोर नजर आए। भारतीय टीम के मुंबई टेस्ट में 147 रनों का लक्ष्य नहीं प्राप्त कर पाने में न्यूजीलैंड़ के गेंदबाज लेफ्ट ऑर्म स्पिनर एजाज पटेल की भूमिका अहम रही। दिलचस्प बात यह है कि इस टेस्ट में 11 विकेट लेने वाले इस गेंदबाज का जन्म मुंबई में ही हुआ है। यह उनकी गेंदबाजी का ही कमाल था कि भारत ने एक समय 29 रन पर पांच विकेट खो दिए थे। वह तो भला हो ऋषभ पंत का जो उन्होंने अपनी बेहतरीन बल्लेबाजी से भारत को एक समय जीत का दावेदार बना दिया था। पर वह विवादास्पद कैच की वजह से आउट हो गए और भारत की उम्मीदें भी टूट गई।

एक नजर

निर्दलीय प्रत्याशी दिलीप सिंह नामधारी ने किया दौरा

मेदिनीनगर (पलामू) : 76 डालटनगंज चैनपुर भंडरिया विधानसभा क्षेत्र के बारालोटा, गुरियाही, जनकपुरी, चैनपुर, नेउरा, तालापारा, चढ़नवा, खजुरिया इत्यादि दर्जनों गांवों का निर्दलीय प्रत्याशी युवा नेता श्री दिलीप सिंह नामधारी ने तूफानी दौरा किया। दिलीप जी ने क्षेत्र की जनता से अपील की कि आप मुझे भी पांच वर्ष के लिए मौका दें। विकास के जो भी काम रुके हुए हैं उन्हें पूरा करने में कोई कमी नहीं छोड़ूंगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस बार आप अपना विधायक चुनने में कोई गलती नहीं कीजियेगा नहीं तो फिर आपको 5 साल विकास के लिए इंतजार करना पड़ेगा।

पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने पति के साथ किया नहाय खाय का आयोजन

मेदिनीनगर (पलामू) : छठ महापर्व की शुरूआत पूरे विधि-विधान के साथ पलामू जिले की पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने अपने आवास पर की। छठ पूजा का पहला दिन, जिसे 'नहाय खाय' के रूप में मनाया जाता है, का आयोजन रीष्मा रमेशन और उनके पति एसीबी एसपी अंजनी अंजान ने विधिवत रूप से किया। पूरे समर्पण और श्रद्धा के साथ इस धार्मिक अनुष्ठान में उन्होंने सूर्य भगवान की पूजा करते हुए इस महापर्व की शुरूआत की। रीष्मा रमेशन ने छठ पर्व के महत्व और इसकी परंपराओं का सम्मान करते हुए सभी रीति-रिवाजों का पालन किया।

अवैध कट्टा के साथ तीन युवक गिरफ्तार

छत्तरपुर (पलामू) : छतरपुर पुलिस ने अवैध देशी कट्टा के साथ तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। जिसकी जानकारी देते हुए छतरपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अवध कुमार यादव ने मंगलवार को अपने कार्यालय में प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर सोमवार की रात करीब 10:30 बजे छतरपुर जपला रोड के उटवा ढोंढा के समीप वाहन चेकिंग लगाया गया। जिसमें ब्लू रंग का मोटरसाइकिल संख्या जेएच 03 एएफ 8481 पर सवार तीन युवकों से चेकिंग के दौरान एक देसी कट्टा, तीन जिंदा गोली और दो मोबाइल बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस की चेकिंग देखकर तीनों युवक भागने लगे। जिन्हें स्थानीय पुलिस बल के द्वारा दौड़कर पकड़ लिया गया। चेकिंग के दौरान युवकों के पास हथियार बरामद किया गया। गिरफ्तार तीनों युवक निरंजन सिंह, मुन्ना सिंह और उपेंद्र सिंह ग्राम पिण्डरही थाना छतरपुर के रहने वाले हैं।

जनता के सहयोग से होगा विस क्षेत्र का बदलाव : रूचिर तिवारी

मेदिनीनगर (पलामू) : भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव सह विधायक उम्मीदवार रुचिर कुमार तिवारी ने सदर अंचल के सिंदुरिया , लहलहे ,भोगू, खामडीह, चैनपुर अंचल के अवसाने, दुबा, चांदो, दोकरा शहीत दर्जनों गांव में जनसंपर्क अभियान कर चुनाव प्रचार को तेज किया वहीं ग्राम सिंदुरिया में आम सभा को संबोधित किया जिसमें श्री तिवारी ने कहा कि इस बार के विधानसभा चुनाव कम्युनिस्ट पार्टी जो लड़ रही है वह अंधेरा के खिलाफ प्रकाश की लड़ाई है धनबल के खिलाफ जनबल की लड़ाई है जिसको कम्युनिस्ट पार्टी मजबूती के साथ लड़ रही है पूर्व के सभी जनप्रतिनिधियों ने सिर्फ अपनी संपत्ति बढ़ाने का काम किया है क्षेत्र के विकास के लिए कोई काम नहीं किया और आज चुनाव आने पर यह लोग घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं। जनता इस बार इन सभी लोगों को वोट के चोट से सबक सिखावे। मौके पर राज्य कार्यकारिणी सदस्य गणेश सिंह ने कहा कि इस बार क्षेत्र के विकास के लिए रुचिर तिवारी को चुने और भ्रष्टाचार को खत्म करें।

बीजेपी की सरकार में आदिवासी समाज का विकास सम्भव : बाबूधन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : लिट्टीपाड़ा के विभिन्न गावों में भाजपा प्रत्याशी द्वारा किया गया जनसम्पर्क। मंगलवार को अपने जनसम्पर्क अभियान को आगे बढ़ाते हुए लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार बाबूधन मुर्मू ने पार्टी के कई अन्य नेताओं और कार्यकताओं के साथ विभिन्न गावों में भ्रमण किया। उन्होंने सभी सहयोगियों के साथ कुशचरा पंचायत के दुगार्पुर ग्राम। ओरमो ग्राम पंचायत के कोछा टोला, कुन्दापहाड़ी, उन्होंने विभिन्न स्थानों पर अपने सम्बोधन के दौरान बताया कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा की केंद्र सरकार लगातार आदिवासी समाज के उत्थान के लिए प्रयास कर रही है। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाए जाने का उनका निर्णय ऐतिहासिक है। आगे उन्होंने बताया कि हमारे समाज की महिला द्रौपदी मुर्मू को देश के सर्वोच्च पद पर बैठा कर प्रधानमंत्री ने हम सभी को सम्मान दिया है। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद हमें उचित अधिकार मिल पाएगा। लोगों का जेएमएम पर भरोसा उठ गया है। अब लिट्टी पाड़ा का तस्वीर बदलेगी लोगों की तकदीर बदलेगी।

निर्दलीय उम्मीदवार सुनील यादव ने राजमहल में किया जनसंपर्क

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल विधानसभा के निर्दल उम्मीदवार सुनील यादव ने मंगलवार को क्षेत्र का भ्रमण कर जनसंपर्क करते हुए लोगों से वोट देने की अपील की। उन्होंने बताया कि हाजीपुर बूथ संख्या 1 से लेकर 7 तक के भ्रमण के दौरान कई तरह के समस्या से लोगों ने अवगत कराया। बूथ संख्या 4 व 5 में पेयजल की समस्या है। वहीं दो बार से जीते हुए जनप्रतिनिधि विधायक ने लोगों के समस्या को क्यों नहीं दूर किया, यह चुने गए जनता के द्वारा जनप्रतिनिधि की बहुत बड़ी नाकामी है। वहीं निर्दलीय प्रत्याशी सुनील यादव ने कहा की अगर मुझे विधानसभा आम चुनाव 2024 में आम जनता मुझे जिताती है तो उसके बाद यहां की समस्या को चाहे जैसे भी हो दूर करूंगा। कहा कि फोरलेन सड़क निर्माण में कई गांव को उजाड़ा जा रहा है जो सरासर नाइंसाफी है। जबकि उत्तर व दक्षिण भाग में जमीन मौजूद है वहां से फोरलेन नहीं ले जाया जा रहा है आम नागरिकों के घरों को हटाकर फोरलेन सड़क निकला जा रहा है। वही आम नागरिकों को संबोधित करते हुए निर्दलीय प्रत्याशी सुनील यादव ने कहा कि मेरा सहयोग हमेशा ग्रामीणों के साथ है।

परिवर्तन संकल्प सभा का हुआ आयोजन, उमड़ी भीड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के घोड़ानेगी छाता मेला मैदान में मंगलवार को परिवर्तन संकल्प सभा का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में जनता का हुजूम उमड़ पड़ा।आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ औरजमशेदपुर सांसद विद्युत वरण महतो ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के घोड़ानेगी छाता मेला मैदान में परिवर्तन संकल्प सभा में शामिल हुए और ईचागढ़ सीट से एनडीए महागठबंधन के आजसू प्रत्याशी हरेलाल महतो के पक्ष में वोट मांगा। चुनावी सभा में ठऊअ गठबंधन के नेता और हजारों लोग उपस्थित थे।चुनावी सभा में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो समेत कई नेताओं ने हेमंत सोरेन सरकार को जमकर कोसा। इस दौरान आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने विस्थापन, पलायन, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थय, सड़क जैसे कई मुद्दों पर हेमंत सोरेन सरकार और ईचागढ़ के वर्तमान विधायक को जमकर घेरा और पांच साल में जनता को ठगने का आरोप लगाया और ईचागढ़ सीट से ठऊअ गठबंधन के साझा प्रत्याशी हरेलाल महतो को जीताकर विधानसभा भेजनें का अपील किया। मौके पर सत्यनारायण महतो, अशोक साव, प्रवीन महतो, अनिता पारित, देवाशीष राय, राकेश वर्मा, पप्पू वर्मा, नवकिशोर महतो, सुदर्शन महतो समेत हजारों लोग उपस्थित हुए।

निशात आलम ने ग्रामीण क्षेत्र का किया दौर, सुनी लोगों की फरियादें

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र के बरहरवा प्रखंड अंतर्गत तेतुलिया, चंदना, श्रीरामपुर, मालिन, अड़ाईटीकर, सातगाछी, माधोपड़ा, चापुजान, ग्रामसीर, रिसोर, मेहंदीडांगा, रामनगर, कन्हाईडांगा, बेलडांगा, सिरासिन, साहिबडांगा, मिजार्पुर, बरारी, लालमाटी, ग्राम में पाकुड़ विधानसभा के गठबंधन कि कांग्रेस प्रत्याशी निशात आलम ने ग्रामीण क्षेत्र का दौरा कर चलाया चुनावी जनसंपर्क अभियान। कांग्रेस प्रत्याशी निसात आलम ने हाथ छाप पर वोट करने की जनता से की अपील। निसात आलम ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए गठबंधन सरकार के द्वारा किए गए उपलब्धियां के बारे में भी बताया, गठबंधन सरकार के द्वारा महिलाओं को दिए गए सम्मान के बारे में भी चर्चा की। 50 वर्ष की महिलाओं को पेंशन का लाभ मैइया सामान्य योजना 18 से 49 वर्ष की प्रत्येक महिलाओं को प्रत्येक माह मैइया सम्मान योजना के तहत एक हजार के सम्मान राशि दिया जा रहा है जो पुनः गठबंधन सरकार आने पर 1000 रुपए से बढ़ा कर 2500 रुपए किया जाएगा। साथ ही 200 यूनिट बिजली फ्री, बिजली माफ, 2 लाख किसानों का ऋण माफ, अबुवा आवास योजना का लाभ गठबंधन सरकार के द्वारा पूरे झारखंड में दिया गया है। ठीक उसी प्रकार इस चुनाव में जीत के बाद फिर से गठबंधन की सरकार पिछले योजनाओं से भी बेहतर योजनाएं आप सभी को लाभ के रूप में देगी। पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र गठबंधन कांग्रेस प्रत्याशी के रूप मे मुझे अधिक से अधिक संख्या में वोट देकर भारी मतों से विजय बनाकर गठबंधन के हाथ को मजबूत करना है ताकि फिर से गठबंधन सरकार झारखंड में बन सके। मौके पर जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान, प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडू, प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष अशोक दास, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता एवं हजारों की संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

सीबीआई की छापेमारी से पत्थर व्यवसायियों में मचा हड़कंप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : झारखंड में पिछले कई महीनों से केंद्रीय एजेंसियों की औचक छापेमारी और कार्यवाही सियासी गलियारों में घमसान तो छेड़ रखी थी परन्तु व्यव्सायी वर्ग के लोगों में भी हड़कम्प का माहौल बना हुआ है,एक तरफ ईडी की छापेमारी हजारों करोड़ो के घोटालों का खुलाशा पैसों की बरामदगी और फिर कई गिरफ्तारियां एक ऐतिहासिक कहानियाँ बयाँ कर चुकी है। वहीं झारखंड में वर्तमान समय चुनावी दंगल का है जिसमें पक्ष और विपक्ष आम लोगों को विकास कार्यों की गिनती करवाती नजर आ रही है तो दूसरी ओर आरोप और प्रत्यारोप चुनावी संघर्ष जारी है। इसी बीच मंगलवार को सीबीआई की पाँच सदस्य टीम एक बोलेरो वाहन संख्या डब्ल्यू बी 66 एफ 6388 से बरहरवा थाना क्षेत्र के मुनिया होटल के समीप पत्थर व्यव्सायी कृष्णा साहा के आवास पर पहुचें और औचक छापेमारी की। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सीबीआई की टीम व्यव्सायी के आवास स्थित कार्यालय में विभिन्न दस्तावेजों की गहन जाँच पड़ताल की तत्पश्चात केकेएस कम्पनी के माइंस में अन्य कार्यालयों में जाकर भी दस्तावेजों की जाँच कर कर्मचारियों से पूछताछ की। हालांकि इस मामले में सीबीआई की टीम मीडिया से कुछ भी कहने से कतरा रहे है, जानकारी के अनुसार सीबीआई द्वारा एक ही समय 10:30 बजे सुबह में साहिबगंज जिले के कई स्थानों जैसे उधवा, बरहरवा और मिजाचौकी में छापेमारी की है।

नहाय खाय के साथ ही चार दिनों तक चलने वाला छठ महापर्व का हुआ शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला के विभिन्न क्षेत्रों में मंगलवार को नहाय खाय के साथ ही चार दिनों तक चलने वाला छठ महापर्व का शुभारंभ हो गया। लोक आस्था का महापर्व छठ 05 नवंबर से नहाय खाय के साथ शुभारंभ हुआ तथा विगत 08 नवंबर को उदीयमान सूर्य भगवान के अर्ध देने के साथ ही छठ पर्व का समापन होगा। मंगलवार को नहाय खाय में छठ व्रती अहले सुबह गंगा स्नान आदि कर नये वस्त्र धारण कर सुर्य देवता को जल अर्पित करती है। भोजन में कद्दू भात आदि पकवान बना कर खाया जाता है। दुसरा दिन 06 नवंबर बुधवार को छठ व्रती संध्या के खरना में खीर के रुप में प्रसाद ग्रहण करती है और श्रद्वालुओं में खीर प्रसाद के रुप में वितरण किया जाता है। खरना के बाद छठव्रती आगामी 36 धंटे निर्जला उपवास रखती है। जो उदीयमान भगवान सुर्य को अर्ध देने के बाद 8 नवंबर को पारण खोला जाता है। छठ के तीसरे दिन 07 नवंबर गुरुवार को छठव्रती गंगा नदी, तालाब, सरोवर में अस्ताचल भगवान सुर्य को अर्ध देती है। रात भर छठव्रती छठी मैइया की गीत गाकर अपने परिजनों की सुख समृद्धि की कामना करती है। वहीं चौथे दिन शुक्रवार 08 नवंबर को छठव्रती उदीयमान भगवान सुर्य को अर्ध जल में खड़े होकर भगवान सुर्य को अर्ध देती है। इसके साथ ही छठ महापर्व का समापन होता है। वहीं साहिबगंज के बिजल घाट, शकुंतला घाट, ओझा टोली घाट, जनता घाट, छठ घाट, एवं चानन घाट समेत दर्जनों क्षेत्रों के छठ घाटों को बिजली डेकोरेशन एवं अन्य साज सजा से सजाया जा रहा है। वहीं छठी मैइया की गीत से क्षेत्र भक्तिमय हो गया है।

संक्षिप्त खबरें

आजसू पार्टी के कार्यकर्ताओं ने एनडीए प्रत्याशी के पक्ष में चलाया जनसंपर्क अभियान

पटमदा : पटमदा और बोड़ाम प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में एनडीए गठबंधन प्रत्यासी रामचंद्र सहिस के पक्ष आजसू कार्यकताओं ने गांव गांव में जनसंपर्क अभियान चलाकर वोट मांगा।इस दौरान मृत्युंजय सिंह के नेतृत्व में मुकरुडीह, रसिकनगर ,बड़ा सुसनी छोटा सुसनी , खड़ियागुटा, डुंगरीडीह आदि गांव में जनसंपर्क चलाया।इस दौरान मृत्युंजय सिंह,प्रकाश गोप, छूटू लाल सिंह, बहादुर गोप,अरुण महतो, गणेश, तरनी, बसंत, विवेक मिश्रा, महादेव गोप,पद लोचन महतो, कर्ण महतो, महिला सुमित्रा महतो,कल्याणी माझी,सत्यवती महतो,बसंती सिंह,रेखा रानी महतो आदि उपस्थित थे।वही आजसू नेता निर्मल सिंह के नेतृत्व में पोटकाडीह में जनसंपर्क अभियान चलाया गया।इस दौरान राधेश्याम सिंह सहित कई लोग उपस्थित थे।

जिरवाबाड़ी पुलिस ने छापामारी कर जब्त की अवैध शराब

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़ा पंचगढ़ से अशोक मुंडा के घर में पुलिस को अवैध शराब की खरीद बिक्री की गुप्त सूचना मिला। गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए टीम का गठन किया गया। जहां थाना प्रभारी पंकज दुबे के नेतृत्व में छापामारी कर अलग-अलग ब्रांड के अंग्रेजी अवैध शराब और बियर के लगभग 50 बोतल बरामद कर जप्त किया गया है। जहां थाना प्रभारी पंकज दुबे से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि अवैध शराब की बिक्री का मास्टरमाइंड सूरज साव पिता मानिक चंद्र साव ग्राम बड़ा पंचगढ़ बताया जाता है। इन्हीं के द्वारा अशोक मुंडा के घर को किराया पर लेकर अवैध शराब का बिक्री किया जाता है। जहां पुलिस के द्वारा अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। वही मौके पर छापामारी दल में एएसआई अरुण कुजूर, मनोज शर्मा, सशस्त्र पुलिस दल के सदस्य शामिल थे।

बरहेट थाना ने विधानसभा एवं महापर्व छठ को लेकर संघन वाहन जांच अभियान चलाया

साहिबगंज : विधानसभा आम चुनाव एवं महापर्व छठ के मद्देनजर साहिबगंज पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह के आदेशानुसार साहिबगंज बरहेट प्रखंड अंतर्गत बरहेट थाना प्रभारी पवन कुमार यादव के नेतृत्व में संघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। वही संघन वाहन जांच अभियान में दो पहिया एवं चार पहिया वाहन का जांच किया गया। वहीं जांच के दौरान किसी भी तरह का कोई अवैध चीज नहीं पाया गया। वही मौके पर संघन जांच अभियान में अन्य पुलिस बल मौजूद रहे।

भाजपा प्रत्याशी अनन्त ओझा ने किया जनसंपर्क

साहिबगंज : राजमहल/भाजपा प्रत्याशी अनन्त कुमार ओझा ने मंगलवार को राजमहल प्रखंड में घाटजमनी,मुकीमपुर,मंगलहाट,जामनगर सहित विभिन्न स्थानों पर जनसम्पर्क करके जनता से आशीर्वाद मांगा। कहा कि 20 नवंबर को भाजपा के पक्ष में मतदान करके क्षेत्र के विकास में अपना योगदान दे। जिस प्रकार से हेमन्त सोरेन की सरकार पांच सालों तक सभी वर्गों को ठगने का काम किया। जनता 23 नवंबर को जनता जबाब देगी। प्रदेश में भाजपा सरकार बनाएगी। कहा कि भाजपा की सरकार बनते ही हर महिला के खाते में 21 सौ रुपये हर महीने उनके खाता में दिया जाएगा। छात्र-छात्राओं को सहायता राशि दो वर्षों तक दो हजार दिया जाएगा। 21 लाख प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का घर बनेगा। युवाओं को रोजगार दिया जाएगा। ऐसे अनेक योजनाएं माध्यम से सभी वर्गों को सशक्त किया जाएगा। इस अवसर पर रहे राजेश मंडल, हरिदास मंडल,संजय मंडल,अमित मण्डल,विनोद यादव,श्रवण मण्डल,दिवाकर मण्डल,रोहित मंडल,धर्मेंद्र मण्डल,मुन्ना मंडल ,प्रकाश यादव,सहित सैकड़ों कार्यकर्त्ता रहे।

मिर्जाचौकी रेलवे साइडिंग के पास अवैध देसी शराब विक्रेता पर हुई कार्रवाई

साहिबगंज : मंडरो प्रखंड अंतर्गत मिजाचौकी रेलवे साइडिंग के पास अवैध देशी शराब पर प्रशासन कि कार्यवाही। चुनाव व छठ महापर्व को देखते हुए मिजाचौकी थाना प्रभारी रूपेश कुमार यादव के निर्देश पर मिजाचौकी रेलवे साइडिंग आसपास अवैध तरीके से दारू बेचने वाले लोगों पर चला पुलिसिया डंडा, मौके से सभी लोग हुए फरार। पुलिस ने विधानसभा चुनाव को देखते हुए अवैध जावा महुआ शराब के खिलाफ जगह जगह छापेमारी किया। वरीय अधिकारी के निर्देश पर कार्रवाई की गई है। बताया गया कि विधानसभा चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न को इसके मद्देनजर छापेमारी लगातार जारी रहेगी।

छोटे शहरों व कस्बों में ई-कॉमर्स की मांग बढ़ी, त्योहारी सीजन में हुई खूब कमाई

-पिछले साल की त्योहारी बिक्री की तुलना में 20 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी

नई दिल्ली।

भारत के छोटे शहरों और कस्बों में निजी खपत और मांग के बढ़ने के साथ त्योहारी सीजन ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के लिए अच्छा अवसर साबित हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक प्रीमियमाइजेशन के बढ़ते ट्रेंड के साथ, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने त्योहारी सीजन में सकल व्यापारिक मूल्य (जीएमवी) एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा दर्ज किया है। यह आंकड़ा पिछले साल की त्योहारी बिक्री की तुलना में 20 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि दिखाता है। 26 सितंबर से शुरू हुई त्योहारी बिक्री के पहले सप्ताह में ही 55 हजार करोड़ रुपए का कारोबार हुआ, जो कुल बिक्री का आधा है। ई-कॉमर्स कंसल्टेंसी डेटम इंटेलिजेंस ने इस त्योहारी सीजन में बिक्री में 23 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि का अनुमान लगाया है। इस सीजन में मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और फैशन कैटेगरी में तेजी देखी गई, जबकि ब्यूटी, पर्सनल केयर, होम और क्रिक कॉमर्स जैसे अन्य क्षेत्रों में भी बेहतर कारोबार दर्ज किया गया। विशेष रूप से क्रिक कॉमर्स ने 2023 में बेहतर प्रदर्शन किया है जिसने समग्र ई-कॉमर्स बढ़ोतरी में करीब 8 फीसदी का योगदान दिया, जो पिछले साल 5 फीसदी था। त्योहारी सीजन के दौरान स्मार्टफोन की बिक्री में भी बढ़ोतरी हुई, जिसमें ऑनलाइन बिक्री के जरिए से स्मार्टफोन की खरीद में करीब 65 फीसदी की हिस्सेदारी रही। टियर 2 और उससे आगे के शहरों ने अमेजन के लिए प्रीमियम स्मार्टफोन की बिक्री में 70 फीसदी से ज्यादा का योगदान दिया। अमेजन इंडिया के मुताबिक टियर 2 शहरों से बड़े उपकरणों की मांग में 25 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जिसमें एयर कंडीशनर और रेफ्रिजरेटर जैसे उत्पाद शामिल हैं। इस बार ब्रांड ने त्योहारी मांग को देखते हुए कई महत्वाकांक्षी ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने का प्रयास किया।

पेट्रोल-डीजल की कीमतें हो सकती हैं कम

नई दिल्ली ।

वैश्विक अस्थिरता के चलते क्रूड ऑयल की कीमतों में भी भारी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। ओपेक प्लस देशों ने फिलहाल कच्चे तेल के उत्पादन में बढ़ोतरी का फैसला टाल दिया है।

इससे कच्चे तेल के दाम में मजबूती देखी जा रही है। आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का भाव 75.21 डॉलर प्रति बैरल है। ब्रेंट क्रूड की कीमत में 2.71त्न की बढ़ोतरी हुई है और यह 75.08 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई है,

जबकि डब्ल्यूटीए की कीमत मामूली गिरावट के साथ 71.42 डॉलर प्रति बैरल पर है। कच्चे तेल के 70 डॉलर के करीब पहुंचने पर उम्मीद की जा रही है, ऐसे में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में करीब 5 रुपये की कटौती हो सकती है पर कीमतों में स्थिरता न होने से अभी पेट्रोलियम कंपनियां दरों में बदलाव नहीं कर रही हैं। दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपये/लीटर व डीजल 87.67 रुपये/लीटर पर है।

वहीं मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये/लीटर व डीजल 89.97 रुपये/लीटर पर है।

कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 104.95 रुपये प्रति लीटर और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है।

चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.85 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.44 रुपये प्रति लीटर है।

बाकी शहरों में पेट्रोल-डीजल के रेट

नोएडा में पेट्रोल 94.66 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर व गुरुग्राम में पेट्रोल 94.99 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.85रुपये प्रति लीटर पर है।

बेंगलुरु में पेट्रोल 102.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.94 रुपये प्रति लीटर पर है।

चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.22 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर पर है। व हैदराबाद में पेट्रोल 107.39 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर पर है।

हेल्थकेयर कंपनी सैगिलिटी इंडिया का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुला

-कंपनी अपने स्वास्थ्य सेवा पोर्टफोलियो को और मजबूती प्रदान करेगी

बेंगलुरु।

हेल्थकेयर कंपनी सैगिलिटी इंडिया का आईपीओ मंगलवार से सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया है। कंपनी ने इस आईपीओ के जरिए से 2,106.60 करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रखा है। यह इश्यू पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के रूप में है, जिसमें 70,21,99,262 शेयर शामिल हैं, जिनका फेस वैल्यू 10 रुपए प्रति शेयर है। यह आईपीओ 7 नवंबर तक खुला रहेगा। कंपनी ने पब्लिक सब्सक्रिप्शन से एक दिन पहले एंकर निवेशकों से 945 करोड़ रुपए से ज्यादा पैसा जुटा लिया है। बीएसई के सर्कुलर के मुताबिक सैगिलिटी इंडिया ने 52 फंडों को 30 रुपए प्रति शेयर की दर से 31.51 करोड़ इक्विटी शेयर आवंटित किए हैं। प्रमुख एंकर निवेशकों में नोमुरा फंड्स आयरलैंड, गवर्नमेंट पेंशन फंड ग्लोबल, फ्लोरिडा रिटायरमेंट सिस्टम- ऑलस्प्रिंग ग्लोबल इन्वेस्टमेंट्स, एलएलसी (ईएमएससी), अमुंडी फंड्स न्यू सिल्क रोड और गोल्डमैन सैक्स (सिंगापुर) पीटीई शामिल हैं। सैगिलिटी इंडिया के आईपीओ का ग्रे मार्केट प्रीमियम (जीएमपी) शून्य पर था, जिसका मतलब है कि आईपीओ इश्यू प्राइस 30 रुपए पर कारोबार कर रहा था। इसका प्राइस बैंड 28-30 रुपए तय किया गया है। निवेशक इस आईपीओ में न्यूनतम 500 शेयरों का लॉट साइज लेकर हिस्सा ले सकते हैं, जिसके लिए न्यूनतम निवेश 15 हजार रुपए होगा। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, आईआईएफएल सिक्योरिटीज, जेफरीज इंडिया और जेपी मॉर्गन इंडिया इस इश्यू के बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं। सब्सक्रिप्शन विंडो बंद होने के बाद आईपीओ का शेयर आवंटन 8 नवंबर को फाइनल होगा। सफल आवंटियों के डीमैट खातों में शेयर 11 नवंबर को जमा किए जाएंगे। सैगिलिटी इंडिया के शेयर 12 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होने की संभावना है। इस आईपीओ से कंपनी को उम्मीद है कि वह अपने स्वास्थ्य सेवा पोर्टफोलियो को और मजबूती प्रदान करेगी और बाजार में अपनी स्थिति को और मजबूत करेगी।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार घटा, फिर भी अमेरिका, कनाडा, जर्मनी से है आगे

-केंद्रीय बैंक विदेशी मुद्रा बाजार में स्थिरता बनाए रखने उठा रहा प्रभावी कदम

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में आंकड़े जारी किए जिसमें 25 अक्टूबर को खतम हुए सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 3.46 अरब डॉलर से घटकर 684.8 अरब डॉलर रह गया है। इस गिरावट की मुख्य वजह विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) द्वारा भारतीय शेयर बाजार में लगातार बिकवाली और भू-राजनीतिक तनाव के चलते उत्पन्न आर्थिक अनिश्चितता है। इसके बावजूद भारत अब भी विश्व के शीर्ष पांच देशों में शामिल है, जो विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखे है। भारत इस सूची में चीन, जापान और स्विट्जरलैंड के बाद चौथे स्थान पर है और उसने अमेरिका, जर्मनी और कनाडा जैसे देशों को पीछे धकेल दिया है। यह स्थिति दर्शाती है कि भारत ने वैश्विक मंच पर एक स्थिर आर्थिक ढांचा स्थापित किया है। सितंबर में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 704 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था, जिससे पता चलता है कि भारत की अर्थव्यवस्था लगातार बढ़ रही है। इस बढ़ोतरी में सोना के भंडार की अहम भूमिका रही, जिसने 1.08 अरब डॉलर की बढ़ोतरी दर्ज की और कुल 68.53 अरब डॉलर तक पहुंच गया। सोने की बढ़ती मांग के पीछे प्रमुख कारण वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं और भू-राजनीतिक तनाव है। विशेषज्ञों का मानना है कि सोना मुद्रास्फीति और आर्थिक प्रतिबंधों से बचाव का सबसे विश्वसनीय साधन बनकर उभरा है। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में विदेशी मुद्रा भंडार में कुल 38.39 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हुई। यह वृद्धि भारत को 11.2 महीनों के आयात को कवर करने के लिए पर्याप्त मानी जाती है, जो एक स्वस्थ अर्थव्यवस्था का संकेत है। विदेशी मुद्रा भंडार में यह उछाल भारत की मजबूत विदेशी मुद्रा नीति, आर्थिक स्थिरता और निवेशकों के विश्वास को दर्शाता है।

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में निरंतर वृद्धि की संभावना जताई जा रही है, जिससे अंतरराष्ट्रीय निवेशकों का ध्यान खींचा

करवा चौथ, धनतेरस और दीपावली के बाद छठ पर्व पर 12 करोड़ के कारोबार का अनुमान

नई दिल्ली ।

करवा चौथ, धनतेरस और दीपावली के बाद अब देश में चार दिवसीय छठ पर्व की शुरुआत हो चुकी है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के अनुसार, छठ पर पूरे देश में 12,000 करोड़ रुपये का व्यापार होने का अनुमान है। साथ ही, करीब 15 करोड़ लोग छठ पूजा से जुड़े अनुष्ठानों में भाग लेने वाले है। छठ पूजा विशेष रूप से बिहार और झारखंड के लोगों द्वारा मनाये जाने वाला त्यौहार है, लेकिन यह दिल्ली में भी बड़े धूमधाम से मनाई जाती है। दिल्ली में पूर्वांचल के लोगों की बड़ी आबादी है, जो चांदनी चौक, सदर बाजार, मॉडल टाउन, अशोक विहार, शालीमार बाग, पीतमपुरा, रानी बाग, उत्तम नगर और तिलक नगर जैसे इलाकों में रहती है। त्यौहारी सीजन में खरीदारी के लिए लोग इन बाजारों की ओर रुख कर रहे हैं।

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया ने बताया कि छठ पूजा न केवल बिहार और झारखंड में, बल्कि पूर्वी उत्तर प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़, विदर्भ और मध्य प्रदेश में भी बड़े उत्साह के साथ मनाती है। कैट के महासचिव और सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा, छठ पूजा केवल एक धार्मिक त्यौहार नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति का एक अभिन्न अंग है, जो सामाजिक एकता और समर्पण को दिखाता है। कैट के अनुसार, इस पर्व पर लोग मिठाइयों, फलों और सब्जियों की सबसे ज्यादा खरीदारी कर रहे हैं। इसके अलावा, पूजा के लिए बांस की टोकरियां, केले के पत्ते और गन्ना जैसी चीजों की भी भारी मांग है। लोग नए वस्त्रों की भी जमकर खरीदारी कर रहे हैं, इसमें साड़ी, लहंगा-चुन्नी, सलवार-कुर्ता और पुरुषों के लिए कुर्ता-पायजामा, धोती शामिल हैं। इस खरीदारी से लोकल व्यापारियों और लघु उद्योगों को भी लाभ हो रहा है। छठ पूजा के दौरान हस्तनिर्मित सामानों की भी अच्छी बिक्री हो रही है, जिससे छोटे पैमाने पर निर्मित उत्पादों को बढ़ावा मिलता है।

रुपया सपाट बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 84.11 पर सपाट बंद हुआ। आज सुबह रुपया 84.13 पर खुला। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन विदेशी पूंजी की सतत निकासी तथा घरेलू शेयर बाजारों में नरम रुख के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में नीचे आया। वही सोमवार को रुपया महज एक पैसे की बढ़त के साथ 84.06 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि मजबूत डॉलर स्थानीय इकाई पर दबाव बना रहा है जिससे दिन में रुपया के सीमित दायरे में कारोबार करने का अनुमान है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने भी स्थानीय इकाई को प्रभावित किया जबकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा किसी भी हस्तक्षेप से स्थानीय मुद्रा को निचले स्तर पर समर्थन मिल सकता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.07 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद यह 84.06 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से एक पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.07 पर बंद हुआ था।

लार्सन एंड टुब्रो खरीदेगी क्लाउड सेवा कंपनी ई2ई में हिस्सेदारी

मुंबई । लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी), देश की प्रमुख निर्माण कंपनियों में से एक, ने क्लाउड सेवा कंपनी ई2ई नेटवर्क्स लिमिटेड में 21 प्रतिशत हिस्सेदारी 1,407.02 करोड़ में खरीदने का फैसला किया है। एलएंडटी ने मंगलवार को शेयर बाजारों को इसकी जानकारी दी। इस कदम से एलएंडटी की क्लाउड और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सेवाओं में उपस्थिति बढ़ेगी, जो तकनीकी क्षेत्र के प्रमुख विकास क्षेत्रों में से एक है। इस अधिग्रहण की घोषणा के बाद, ई2ई नेटवर्क्स के शेयरों में जोरदार वृद्धि देखी गई। कंपनी के शेयरों ने 5 प्रतिशत की तेजी के साथ अपर सर्किट स्तर पर पहुंच गए। पिछले एक साल में, ई2ई नेटवर्क्स के शेयरों ने निवेशकों को करीब 851 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। इसके विपरीत, एलएंडटी के शेयरों पर मामूली दबाव देखा गया, जो 0.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,566.70 रुपये पर ट्रेड कर रहे थे। एलएंडटी ने बताया कि कंपनी ने ई2ई नेटवर्क्स में 21 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए 5 नवंबर 2024 को एक निवेश समझौता किया है। इसके तहत, एलएंडटी तरजीही आवंटन के द्वारा 15 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए 1,079.27 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जबकि एक दूसरे समझौते के तहत, कंपनी 6 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करने के लिए 327.75 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। यह अधिग्रहण प्रक्रिया 31 दिसंबर 2024 तक पूरी होगी है। एलएंडटी डेटा सेंटर और क्लाउड बिजनेस प्रमुख ने कहा, ई2ई नेटवर्क्स के साथ सहयोग करने से हम अपने ग्राहकों को निर्बाध, स्केलेबल और सुरक्षित क्लाउड अनुभव प्रदान करते हैं। हमारी क्षमताओं को मिलाकर, हम भारत में व्यवसायों के लिए एक ऐसा क्लाउड परिवेश तैयार कर रहे हैं, जो विकास को बढ़ावा देना, लागतों को अनुकूलित करना और एआई व डिजिटल परिवर्तन की पूरी क्षमता का लाभ उठाना चाहता है।

प्रमुख शेयर ब्रोकिंग ने कंपनी के नाम पर हो रही धोखाधड़ी से निवेशकों को किया आगाह

-जेरोधा किसी भी प्रकार की निवेश की सलाह या फीस वसूल नहीं करता

नई दिल्ली। देश की प्रमुख शेयर ब्रोकिंग कंपनी जेरोधा ने अपने निवेशकों और ग्राहकों को फर्जीवाड़े को लेकर कहा है कि जेरोधा नाम और लोगो का दुरुपयोग करके फर्जी वेबसाइट्स, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स, और ट्रेडिंग ऐप्स द्वारा लोगों को निवेश की सलाह दी जा रही है और इसके बदले में उनसे पैसे वसूला जा रहा है। जेरोधा ने स्पष्ट किया कि वह किसी भी प्रकार की निवेश सलाहकार सेवाएं प्रदान नहीं करता है और ऐसे किसी भी प्लेटफॉर्म से सतर्क रहने की जरुरत है। कंपनी के मुताबिक इन फर्जी प्लेटफॉर्म्स को चलाने वाले लोग खुद को जेरोधा का अधिकारी या कर्मचारी बताकर निवेशकों को स्टॉक टिप्स देते हैं और इसके बदले में एडवाइजरी फीस लेते हैं। जेरोधा ने साफ किया है कि वह न तो ग्राहकों को निवेश की सलाह देने के लिए कॉल करता है, न ही उनसे फीस वसूलता है और न ही फंड्स एकत्र करता है। इसके अलावा, जेरोधा किसी तरह की पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सेवा प्रदान नहीं करता। कंपनी ने निवेशकों से आग्रह किया है कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि होने पर तुरंत जेरोधा को रिपोर्ट करें। कंपनी ने यह भी बताया कि इस प्रकार की धोखाधड़ी से होने वाले नुकसान के लिए ब्रोकिंग फर्म जिम्मेदार नहीं होगा। जेरोधा, जो अगस्त 2024 तक 72 लाख यूजर्स के साथ देश का सबसे बड़ा डिस्काउंट ब्रोकर है, अपने ग्राहकों को नियमित रूप से शेयर बाजार से संबंधित संभावित खतरों और धोखाधड़ी की घटनाओं से अवगत कराता है। जेरोधा कंपनी ने चेतावनी दी है कि निवेशक सतर्कता के साथ कार्य करें और किसी भी अनधिकृत प्लेटफॉर्म पर यकीन नहीं करें, जो खुद को जेरोधा से संबंधित बताकर स्टॉक मार्केट में निवेश की सलाह देते हैं। जेरोधा के इस कदम का उद्देश्य निवेशकों को धोखाधड़ी से बचाना और वित्तीय नुकसान से सुरक्षित रखना है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 694 , निफ्टी 208 अंक उपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिलेजुले संकेतों और शुरुआती गिरावट के बाद भी धातु, बैंकिंग और वित्तीय शेयरों में आये उछाल से बाजार तेजी के साथ बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स शुरूआती गिरावट से उबरते हुए अंत में 694.39 अंक करीब 0.88 फीसदी ऊपर आकर 79,476.63 अंकों पर बंद हुआ । इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी कमजोर शुरुआत से उबरते हुए 0.87 फीसदी तकरीबन 208 अंक बढ़कर 24,203.35 के स्तर पर बंद हुआ।

आज सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से जेएसडब्ल्यू स्टील का शेयर सबसे ज्यादा 4.73 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। इसके साथ ही टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, इंडसइंड बैंक, स्टेट बैंक, कोटक बैंक, अल्ट्रा सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति, बजाज फिनसर्व, टाटा मोटर्स और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी मुख्य रुप से ऊपर आकर बंद हुए।

वहीं दूसरी ओर अदाणी पोर्ट्स का शेयर सबसे ज्यादा 1.46 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। इसके अलावा आईटीसी, एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल, इन्फोसिस, एलएंडटी, सनफार्मा के शेयर भी नीचे आये।

बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पहले निवेशकों ने कम कीमती माने जाने वाले वित्तीय शेयरों में खरीदारी की जिससे बाजार को बल मिला।

वहीं एशियाई बाजारों में, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग के बाजारों में तेजी रही जबकि सियोल का बाजार नीचे आया। यूरोपीय बाजारों में बढ़त के साथ कारोबार हुआ। अमेरिकी शेयर बाजार में गत दिवस गिरावट आई थी।

वहीं विदेशी निवेशकों की भारतीय बाजार से बिकवाली जारी है। विदेशी निवेशकों ने गत दिवस 4,329.79 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची।

इससे पहले आज सुबह

बाजार की कमजोर शुरुआत हुई । सुबह सेंसेक्स और निफ्टी नीचे आये। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 271.63 अंक करीब 0.34 फीसदी नीचे आकर 78,510.61 पर खुला। वहीं निफ्टी 85.75 अंक तकरीबन 0.36 फीसदी फिसलकर 23,909.60 पर कारोबार कर रहा था।

अमेरिका में आज राष्ट्रपति चुनाव और इस सप्ताह के अंत में अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक से पहले विदेशी निवेशकों ने बाजार से दूरी बनाये रखी। इससे भी भारतीय बाजार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इस दौरान गिफ्ट निफ्टी करीब 24,065 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। ये निफ्टी फ्यूचर्स के पिछले बंद स्तर से करीब 50 अंकों की गिरावट को दिखाता है।

राजस्थान में रेरा ने सुनाया फैसला, ग्राहक को 36,20,209 रुपए रिफंड करें

जयपुर। राजस्थान रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (राजस्थान-रेरा) ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण निर्णय देकर एक ग्राहक को उनकी निवेश की गई राशि 36,20,209 रुपए रिफंड का आदेश दिया है। यह आदेश रेरा अध्यक्ष वीनू गुप्ता ने 4 नवंबर, 2024 को पुणीत आहूजा बनाम हिंदुस्तान फाइबर्स लिमिटेड मामले में सुनाया। मामले में शिकायतकर्ता आहुजा ने एचएफएल प्रेसीडेंसी एस्टेट्स-फेज पहले प्रोजेक्ट में फ्लैट सी-901 और स्टोर सी-905 बुक कराया था। उन्होंने इसके लिए पूरी राशि 36,20,209 रुपए जमा कर दी थी। हालांकि, अब तक न उन्हें फ्लैट का कब्जा मिला और न ही उनकी राशि का रिफंड किया गया। चेयरपर्सन गुप्ता द्वारा पारित आदेश में साफ किया गया है कि निर्माण कार्य में देरी के कारण शिकायतकर्ता को उनकी जमा की गई राशि पर 11.10 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर रिफंड किया जाएगा। यह ब्याज 25 अप्रैल 2018 से लागू होगा, जो कि अपेक्षित कब्जा तिथि थी। इसके अलावा, रिफंड प्रक्रिया को 45 दिनों के भीतर पूरा करने का भी निर्देश दिया गया है। नवाई के दौरान, बिल्डर के प्रतिनिधियों ने निर्माण में देरी का कारण बताते हुए खनन पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश, प्रदूषण नियंत्रण विभाग की रोक, कोरोना महामारी, और जीएसटी जैसे कई बाहरी कारणों का हवाला दिया। हालांकि, प्राधिकरण ने इन सभी दलीलों को खारिज कर दिया, यह कहते हुए कि ये सभी कारण बिल्डर की जिम्मेदारी से मुक्त नहीं कर सकते।

आयकर कानून की समीक्षा के लिए हितधारकों ने दिए 6,500 सुझाव

- इसका उद्देश्य है कर प्रणाली की भाषा सरल बनाना, मुकदमेबाजी कम करना
- आयकर अधिनियम की समीक्षा के लिए वित्त मंत्रालय को मिले 6,500 सुझाव

नई दिल्ली।

आयकर विभाग को आयकर अधिनियम 1961 की व्यापक समीक्षा के तहत पिछले महीने कई हितधारकों से 6,500 सुझाव मिले हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस समीक्षा के बारे में एक उच्च स्तरीय बैठक की, जिसमें राजस्व सचिव, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के चेयरमैन और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

वित्त मंत्रालय ने अपने एक्स पर एक पोस्ट में जानकारी दी कि राजस्व सचिव ने वित्त मंत्री सीतारमण को बताया कि आयकर अधिनियम के कई पहलुओं की जांच के लिए 22 विशेष उप-समितियां बनाई गई हैं। इन उप-समितियों ने विशेषज्ञों के साथ गहन विचार-विमर्श किया और आयकर कानून में संशोधन के सुझाव दिए। राजस्व सचिव ने बताया कि सुझाव प्राप्त करने के लिए 6 अक्टूबर को पोर्टल खोले जाने के बाद से अब तक 6,500 सुझाव आए हैं। यह अधिनियम को सरल बनाने के प्रति जनता की उत्साहजनक भागीदारी को दर्शाता है। इस कदम का उद्देश्य कर प्रणाली की भाषा को सरल बनाना, मुकदमेबाजी कम करना, अनुपालन के बोझ को घटाना और पुराने प्रावधानों को हटाना है। पिछले महीने सीबीडीटी ने जनता से सुझाव आमंत्रित किए थे, जिसमें विशेष रूप से कर कानून की भाषा को सरल बनाने, मुकदमेबाजी कम करने, अनुपालन बोझ कम करने और अप्रचलित प्रावधानों की समीक्षा के लिए कहा गया था। यह पहल वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के पूर्ण बजट में आयकर अधिनियम की व्यापक समीक्षा की घोषणा के बाद की गई है। इस प्रक्रिया के तहत सीबीडीटी ने अधिनियम को अधिक स्पष्ट, संक्षिप्त और समझने में आसान बनाने के लिए एक आंतरिक समिति का गठन किया है। इस पहल से सरकार का उद्देश्य एक पारदर्शी और सरल कर प्रणाली तैयार करना है, जिससे करदाता और सरकार दोनों को लाभ होगा।

रेमंड लिमिटेड का मुनाफा घटा, पिछले साल था लाभ 161.16 करोड़

नई दिल्ली। रेमंड लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की सितंबर में समाप्त हुई दूसरी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 63 फीसदी घटकर 59.01 करोड़ रुपए रह गया है। एक साल पहले इस अवधि में कंपनी का शुद्ध लाभ 161.16 करोड़ रुपए था। शेयर बाजार की जानकारी के मुताबिक चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर अवधि में कंपनी की कुल आय बढ़कर 1,100.70 करोड़ रुपए हो गई। पिछले साल इस अवधि में यह आंकड़ा 512.35 करोड़ रुपए था। रेमंड लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक गौतम हरि सिंघानिया ने कहा था कि हमने रियल एस्टेट और इंजीनियरिंग दोनों कारोबार क्षेत्रों में अच्छी गति देखी है।

सोयाबीन के किसानों को जबर्दस्त फायदा

- 6100 से 7100 में बिका सोयाबीन

भोपाल । कृषि उपज मंडियों में दीपावली के करण 6 दिन का अवकाश था। अब सभी मंडियां बड़ी तेजी के साथ काम कर रही हैं।मंडियों की रौनक लौट कर आ गई है।धान और सोयाबीन की फसल लेकर किसान मंडी पहुंच रहे हैं। मध्य प्रदेश के भोपाल,बड़नगर,धार, देवास, सीहोर की मंडी में बड़ी मात्रा में सोयाबीन की आवक शुरू हुई है। अलग-अलग मंडियों में सोयाबीन की क्वालिटी के अनुसार 6100 से लेकर 7100 के बीच में सोयाबीन की नीलामी हुई है। बड़नगर मंडी में 7171 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से सोयाबीन की नीलामी हुई। जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। भोपाल की मंडी में सोयाबीन का मुहूर्त सौदा 4511 रुपए में हुआ था। लेकिन उसके बाद भोपाल मंडी में भी सोयाबीन के दामों में तेजी देखने को मिल रही है। सोमवार की सुबह कांटा पूजन के साथ सभी मंडियों में नए साल का कारोबार शुरू हुआ।मंडियों में गेहूं चना मक्का और सोयाबीन के साथ-साथ धान भी आ रही है। चने की नीलामी 6801 रुपए प्रति क्विंटल की दर से हुई है।गेहूं 3301 रुपए तथा मक्का 2201 रुपए प्रति क्विंटल के भाव पर पहले दिन नीलामी में किसानों का बिका है।

मूर्ति विसर्जन में झड़प, 18 लोग घायल:

डीजे के लिए दो पक्षों में हुआ विवाद, दोनों ओर से चली लाठियां, 13 की हालत गंभीर

गया । गया में देर रात मां लक्ष्मी प्रतिमा विसर्जन के दौरान डीजे बंद कराने को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। जिसमें 18 लोग घायल हो गए। 13 की हालत गंभीर है। गया मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है। घायलों का आरोप है कि दूसरे पक्ष ने पहने पत्थर फेंका और लाठियों से हमला किया। घायल गौरव कुमार ने कहा कि डीजे को लेकर विवाद हुआ। दूसरे पक्ष के लोगों ने तार तोड़ दिया। लाठी-डंडे से हमला किया। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। सभी को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बीडीओ प्रभाकर सिंह और सीओ निकीता कुमारी ने भी घटनास्थल का जायजा लिया। घटना वजीरगंज प्रखण्ड की अमैठी पंचायत के मदरडीह गांव की है। दरअसल, मदरडीह गांव में दो टोले हैं। एक कोयरी टोला और दूसरा यादव टोला। दोनों टोले में अलग-अलग माता लक्ष्मी की मूर्ति बैठाई जाती हैं। रविवार को यादव टोले की मूर्ति विसर्जित की गई थी। वहीं, कोयरी टोले की मूर्ति देर शाम विसर्जित की जा रही थी। इन लोगों को किया रेफर रेफर होने वालों में अजीत कुमार पिता बृजनन्दन प्रसाद, नीतीश कुमार पिता बृजनन्दन प्रसाद, पीयूष कुमार पिता सुनील वर्मा, शशिकांत कुमार पिता दीनानाथ प्रसाद, उदय कुमार पिता दीनानाथ प्रसाद, नीतीश कुमार पिता अनिल कुमार वर्मा, गौरव कुमार पिता मनोहर प्रसाद, बाल्मीकि कुमार पिता दीनानाथ प्रसाद, सौरभ कुशवाहा पिता कपिल देव प्रसाद, मनीष कुमार पिता अशोक प्रसाद, राजीव रंजन कुमार पिता दिलीप प्रसाद और हिमांशु कुमार पिता डॉ. उमेश प्रसाद शामिल हैं। अधिकारी कर रहे कैंप बीडीओ प्रभाकर सिंह ने कहा कि डीजे पर जाति विशेष गाना बजाने को लेकर दो पक्षों में मारपीट हुई। 13 को गया मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। 5 का सीएचसी में इलाज चल रहा है। घटनास्थल पर वजीरगंज डीएसपी सुनील कुमार पाण्डेय, सीओ निकिता कुमारी, प्रशिक्षु बीडीओ श्रीनिवास पुलिस बल के साथ कैंप कर रहे है शिक्षक जहां काम करेंगे, संबंधित अफसर तत्काल जांच कर सकेंगे।

संक्षिप्त डायरी

परिवार के 6 लोग गंगा में डूबे,3 बच्चों की मौत:छठ घाट की सफाई के दौरान हादसा; एक को बचाने में सभी गहरे पानी में गए

भागलपुर। भागलपुर में छठ घाट की सफाई के दौरान 6 लोग गंगा नदी में डूब गए। हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। तीन को स्थानीय लोगों की मदद से पानी से बाहर निकाल लिया गया। बताया जा रहा कि सभी घाट की साफ-सफाई कर रहे थे। इसी दौरान एक गहरे पानी में चले गए। उसे बचाने में एक-एक कर 6 लोग डूब गए। मृतकों में मौसम कुमारी (15), जीतन कुमार, आशुतोष कुमार है। पुलिस ने तीनों शवों को गंगा घाट से बरामद कर लिया। घटना बड़ी मोहनपुर के दियारा इलाके की है। एसडीपीओ अर्जुन कुमार गुप्ता ने बताया कि 4 बच्चे डूबे थे। तीन को हॉस्पिटल लाया गया तो सांसें चल रही थी, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। तीनों की मौत हो गई है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि जीतन कुमार अपनी बुआ मौसम कुमारी के घर आया था। इलाके के बड़ी मोहनपुर घाट पर साफ-सफाई करने के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान हादसे का शिकार हो गए। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बड़ी मोहनपुर घाट खतरनाक है, लेकिन प्रशासन की तरफ से किसी भी प्रकार की सुविधा मुहैया नहीं कराई गई। ना ही घाट पर निरीक्षण करने के लिए पहुंचे। मालूम हो कि दियारा इलाके का यह सबसे बड़ा छठ घाट है। जहां पर 5000 से अधिक लोग अर्घ्य देने आते हैं।

डीईबी प्राप्त करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में

मंजूरी मिलते ही ऑनलाइन नामांकन शुरू

नालंदा। खुला विश्वविद्यालय (एनओयू) के शैक्षणिक क्षितिज में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। विश्वविद्यालय ने पत्रकारिता एवं जनसंचार सहित 12 नए पाठ्यक्रमों के लिए डिस्टेंस एजुकेशन ब्यूरो (डीईबी) से मान्यता प्राप्त करने की प्रक्रिया को अंतिम चरण में पहुंचा दिया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय कुमार ने बताया कि सभी दस्तावेज और निर्धारित शुल्क डीईबी को जमा कर दिया गया है। उम्मीद है कि अगले 20 दिनों के भीतर इन पाठ्यक्रमों को मंजूरी मिल जाएगी। नए प्रस्तावित पाठ्यक्रमों में दो महत्वपूर्ण स्नातक कार्यक्रम - बैचलर इन कंप्यूटर एप्लीकेशंस (बीसीए) और बैचलर इन लाइब्रेरी साइंस (बीएलआईएस) शामिल हैं। मंजूरी मिलते ही ऑनलाइन नामांकन प्रक्रिया शुरू कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय में पहले से ही 15 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं। जिनमें विज्ञान, कला और वाणिज्य संकाय के विभिन्न विषय शामिल हैं। इन पाठ्यक्रम में ऑनलाइन नामांकन प्रक्रिया जारी है सभी नए पाठ्यक्रम का पाठ्य सामग्री और अध्ययन सामग्री तैयार है। जैसे ही मंजूरी मिलेगी। हम तत्काल ऑनलाइन नामांकन प्रक्रिया शुरू कर देंगे।

नालंदा में छठ घाट गए किशोर की डूब कर मौत

साफ-सफाई और स्नान करने पहुंचा था ननिहाल में मौसी करने वाली थी छठ

नालंदा । नहाए खाए के दिन तालाब में डूबने से एक किशोर की मौत हो गई। मामला नूरसराय थाना क्षेत्र अंतर्गत चंडासी गांव का है। मृतक की पहचान हिलसा थाना क्षेत्र के इंदौत गांव निवासी राजेश कुमार के बेटे अनमोल कुमार(12) के रूप में की गई है। अनमोल अपने नाना पोखराज प्रसाद के यहां रह रहा था। घटना के संबंध में परिजन ने बताया कि गांव के अन्य लड़कों के साथ अनमोल कुमार चंडासी छठ घाट पर नहाने गया था। इस दौरान साफ-सफाई करने लगा। गहरे पानी में चले जाने के कारण डूब कर उसकी मौत हो गई। जब तक आसपास के लोगों को इस बात का पता चलता तब तक बहुत देर हो चुकी थी। अनमोल के साथ ननिहाल का परिवार भी नहाए खाए के अवसर पर चंडासी तालाब पर गया हुआ था। अनमोल की मौसी इस बार छठ पर्व करने वाली थी। इस हादसे के बाद छठ पर्व की खुशियां मातम में बदल गई। किशोर बचपन से ही अपने ननिहाल में रहकर पढ़ाई करता था। वह एक भाई और 2 बहनों में सबसे छोटा था।

वहीं, इस मामले में नूरसराय थाना अध्यक्ष रजनीश कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। शव का पोस्टमॉर्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया गया है। आवेदन मिलने पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

धार्मिक स्थल पर झंडा लहराने वाला गिरफ्तार

भागलपुर। भागलपुर के ललमटिया थाना क्षेत्र के टमटम चौक पर 2 नवंबर की रात मूर्ति विसर्जन के दौरान एक नाबालिग ने विशेष समुदाय के धार्मिक स्थल पर चढ़कर विशेष रंग का झंडा लहराया था। जिसके बाद सांप्रदायिक तनाव बढ़ गया। इस मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की थी। उसे गिरफ्तार कर लिया। सिटी एसपी डॉ. के रामदास ने बताया कि ललमटिया थाना क्षेत्र अंतर्गत टमटम चौक के समीप विशेष समुदाय के धार्मिक स्थल के बाहरी दीवार पर विशेष रंग का झंडा लहराने वाले को गिरफ्तार कर लिया गया। वीडियो प्राप्त होते ही आगे की कार्रवाई की गई। आरोपी को मुंगेर से गिरफ्तार किया गया है। जिसपर ललमटिया थाना में अपहरण और फिरौती संबंधित एक मामला दर्ज। दो घंटे तक प्रतिमा को रोका गया समय रहते पुलिस ने मोर्चा को संभाल लिया था और शांति समिति को समझाया था। हालांकि इस दौरान दो घंटे तक प्रतिमा को रोका गया था। भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई थी। इधर, नाबालिग का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने एक्शन लिया और ऋक्षफ दर्ज करते हुए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।

सुपौल में घाट निर्माण और सजावट की तैयारी तेज,लोकआस्था का महापर्व छठ आज से शुरू, अधिकारी कर रहे घाटों का निरीक्षण

सुपौल । शहरी व ग्रामीण इलाके में भी लोकआस्था का महापर्व छठ को लेकर तैयारी तेज है। विभिन्न छठ घाटों पर हाथों में कुदाल थामे युवा वर्ग युद्ध स्तर पर घाटों के निर्माण और सज्जा में जुटे हुए हैं। जिला मुख्यालय स्थित गांधी मैदान, बीआरसी सहित विभिन्न स्थानों पर छठ घाटों का निर्माण कार्य अंतिम चरण में हैं।

नगर पंचायत निर्मली में तिलयुगा नदी किनारे मंगलवार की सुबह लगभग 10 बजे काफी संख्या में युवा वर्ग घाट पर अपने-अपने हाथों में कुदाल थामे हुए नजर आए। जहां उत्साहित होकर सभी घाटों के आसपास के एरिया को समतलीकरण और निर्माण में मुस्तैद दिखे। बताया गया कि नगर प्रशासन के द्वारा छठ घाटों तक पहुंचने वाले सड़क मार्ग और आसपास के क्षेत्रों में बेहतर तरीके से साफ-सफाई का काम करवाया जा रहा है। नगर पंचायत निर्मली के पूर्वी रिंग बांध से सटे तिलयुगा नदी और पश्चिमी रिंग बांध से सटे बिहुल नदी किनारे छठ घाट पर प्रशासनिक स्तर से सफाई कर्मियों के द्वारा साफ-सफाई का काम करवाया जा रहा है। नगर पंचायत निर्मली के मुख्य पार्षद प्रतिनिधि जगरनाथ कामत ने बताया कि इस बार छठ घाटों पर रात्रि प्रकाश के मद्देनजर जेनरेटर की उपलब्धता होगी। वस्त्र बदलने को लेकर महिलाओं के लिए सभी छठ घाटों पर चेंजिंग रूम का निर्माण करवाया जाएगा। घाट तक पहुंचने वाले मार्गों में भी रोशनी की व्यवस्था रहेगी। स्वच्छता के मद्देनजर घाट और आसपास के इलाके में चूना और ब्लीचिंग पाउडर का भी छिड़काव करवाया जाएगा। वहीं, नगर पंचायत निर्मली के ईओ शशिकांत ने बताया कि तिलयुगा नदी में गहराई वाले जगहों पर बैरिकेडिंग की व्यवस्था करवाई जा रही है। इसके अतिरिक्त एसडीआरएफ व एनडीआरएफ के साथ विभिन्न खतरनाक घाटों पर गोताखोर की टीम भी मुस्तैद रहेगी। छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी तरह की कोई असुविधा नहीं होने दिया जाएगा। इसका खासतौर पर ख्याल रखा जा रहा है।

शारदा सिन्हा वेंटिलेटर पर, पीएम ने पूछा हाल चाल, बेटे अंशुमान ने लोगों से की अपील

पटना। पद्म श्री और पद्म भूषण से सम्मानित बिहार कोकिला गंभीर हालत में दिल्ली एम्स में भर्ती हैं। अचानक उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ जाने पर उन्हें आननफानन में लाइफ सपोर्ट के लिए वेंटिलेटर पर रखा गया। वह कैंसर से पीड़ित हैं। यह कठिन समय है उनके, उनके परिवार और उनको चाहने वालों के लिए। सोशल मीडिया पर कई लोग भ्रामक बातें पोस्ट कर रहे हैं, जबकि सच्चाई यह है कि उनकी हालत में आंशिक सुधार जैसा दिख रहा है। इस बात की जानकारी उनके पुत्र अंशुमान सिन्हा ने सोशल मीडिया पर आकर दी और कहा कि उनकी हालत फिलहाल कुछ ठीक लगा है। साथ ही उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि आपलोग उनके स्वस्थ होने की कामना करें। बहुत बड़ी लड़ाई है, आपलोग पोसिटिवली सपोर्ट कीजिये। मां वेंटिलेटर पर हैं और उन्हें आपके दुआओं और प्रार्थनाओं की जरूरत है। कृपया भ्रामक खबर न फैलाएं। यह वक्त नकारात्मकता का नहीं बल्कि मेरी मां ने समाज को जो दिया उसे उर्जा की तरह मां को सपोर्ट करें।

छठ पूजा में छह लोग गंगा में डूबे, एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत, तीन का चल रहा है इलाज

भागलपुर। भागलपुर में छठ घाट की सफाई कर रहे छह लोग गंगा नदी में डूब गए। इस घटना में हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई है, जबकि तीन लोगों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। घटना बड़ी मोहनपुर के दियारा इलाके का है। मृतकों की पहचान मौसम कुमारी (15), जीतन कुमार और आशुतोष कुमार शामिल है। यह सभी एक ही परिवार के लोग हैं इधर घटना के बाद मौके पर पहुंचे परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

चार दिनों का महापर्व छठ शुरू, पहले दिन नहाय खाय में क्या-क्या रखनी होती है सावधानी?

पटना । लोक आस्था का महान पर्व छठ शुरू हो गया है। चार दिनों के महापर्व का आज पहला दिन है। इसे नहाय-खाय या कदुआ-भात या कद्दू-भात कहते हैं। कद्दू-भात या कदुआ भात इसलिए कहते हैं, क्योंकि इस दिन शुद्ध जल से स्नान कर लोग कद्दू (लौकी) के साथ चना दाल डालकर सब्जी बनाते हुए खाते हैं और साथ में अरवा चावल का भात खाते हैं। अभिप्राय तो इस नाम का भी शुद्धता-सात्विकता से है, लेकिन 'नहाय-खाय' कहने के पीछे असल में सात्विकता की कई कसौटियों का जिक्र आ जाता है। इस खबर में जानते हैं, आज की तैयारी, प्रक्रिया और सावधानियां।

क्या करनी होती है तैयारी-प्रक्रिया सूर्य षष्ठी, डाला छठ, छठ महापर्व, परब, छठ... जो भी कहें, उसकी शुरूआत नहाय खाय से होती है। इस दिन सिर्फ नहाकर खाना ही प्रक्रिया नहीं है। आज पूरी तरह से तैयारी का असल दिन है। इस दिन सबसे पहले घर को नहा-धोकर साफ किया जाता है। कहीं गंदगी नहीं रहे, खासकर जिस तरफ व्रती को रहना या उनका आना-जाना हो, उस तरफ की सफाई विशेष तौर पर होती है। इसके बाद व्रती और उनके साथ कुछ सहयोगी नहा-धोकर आगे के काम में लग जाते हैं। आगे का काम एक तरफ कद्दू-भात बनाना है तो दूसरी तरफ मुख्य पूजा के प्रसाद बनाने वाले गेहूं-चावल को धोकर सुखाना होता है।

क्या-क्या बरतनी होती है सावधानी छठ आस्था का पर्व है और इसमें शुद्धता ही सर्वोपरि है। इसलिए, नहाय-खाय ही शुद्धता को समर्पित है। नहाय-खाय के दिन से व्रती के आसपास किसी तरह की गंदगी नहीं रखी जाती। कोई जूठन तक उनसे नहीं सटाया जाता है। व्रती के शरीर में किसी दूसरे, यहां तक कि किसी बड़े का भी पैर नहीं सटना चाहिए। व्रती सूर्यदेव और छठी मइया के अलावा किसी को प्रणाम नहीं करते।

नहाय-खाय के दिन गेहूं-चावल शुद्ध बरतन में ही रखकर धोया जाता है। जल की शुद्धता का भी उतना ही ध्यान रखा जाता है। जहां गंगा नदी है, वहां लोग गंगाजल से ही धोते हैं। जहां सीधे जमीन से पानी निकलने की सुविधा है, चापाकल-बोरिंग से पानी लेकर धोया जाता है। जहां तक इसमें शुद्धता संभव हो, ख्याल रखा जाता है। गेहूं-चावल को धोकर साफ या नये कपड़े पर ही सुखाया जाता है। अगर कपड़ा धोया जाए तो उसके आसपास भी शुद्धता-सफाई का ध्यान रखा जाता है। गाय का गोबर उपलब्ध हो तो उससे उस जगह को लीप दिया जाता है, जहां अनाज सुखाया जाना है। वह सूख जाए, तभी कपड़ा बिछाकर अनाज सूखने दिया जाता है। धूप में सुखाए जाते समय इस अनाज को चींटी-मक्खी तक नहीं छुए, किसी तरह का पंख या चिड़िया का गंदा आदि नहीं गिरे- ध्यान में रखा जाता है।

अच्छी तरह से सुखाने के बाद इसे पिसाया जाता है। पहले तो घर में ही पीसा जाता था, लेकिन अब बाहर पिसाने भी जाते हैं तो साफ मिल पर पिसाया जाता है। इसे पिसाने के लिए भेजने के बाद ही व्रती कद्दू-भात खाने जाते हैं। धोने-सुखाने की प्रक्रिया में रहे व्रती के सहयोगी भी तब तक कुछ नहीं खाते-पीते हैं। अगर खा-पी लिया तो वह काम छोड़ देना होता है।

लॉ में किया है ग्रेजुएशन तो इन क्षेत्रों में बना सकते हैं करियर

करियर के रूप में लॉ देश में विस्तृत रूप से फैला हुआ एक प्रेफेशन है जो सोसाइटी के लिए कार्य करता है। लॉ प्रोफेशनल विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच सामंजस्य का कार्य करता है। लॉ की पढ़ाई करने के बाद युवाओं के लिए करियर के कई रास्ते खुल जाते हैं जिसकी मदद से स्किल्स का बेहतर इस्तेमाल किया जा सकता है। केवल करियर ही नहीं बल्कि इस प्रोफेशन में सम्मान भी बहुत मिलता है। अगर आप भी लॉ की पढ़ाई करने का विचार कर रहे हैं तो जान लें किन क्षेत्रों में आप करियर बना सकते हैं।

क्रिमिनल लॉयर

आपराधिक मामलों के लिए अदालत में अपने मुवक्किलों का प्रतिनिधित्व क्रिमिनल लॉयर ही करता है। वे स्थानीय अदालत, उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय में अपने मुवक्किल के लिए अदालत में मामले पेश करते हैं। भारत में एक क्रिमिनल लॉयर को औसतन 7 लाख प्रतिवर्ष सैलरी मिलती है। जहां फ्रेशर को प्रतिवर्ष औसतन 2 लाख रुपये और अनुभवी लॉयर को प्रतिवर्ष औसतन 30 लाख रुपये तक सैलरी तक मिल सकती है।

कॉरपोरेट लॉयर

कॉरपोरेट लॉयर कंपनियों को उनके इंडस्ट्री के नियमों का पालन करने में मदद करते हैं। वे कंपनी के गठन और मैनेजमेंट से संबंधित सभी कानूनी प्रक्रियाओं में अपने क्लाइंट की सहायता करने के लिए जिम्मेदार हैं। कॉर्पोरेट लॉयर को प्रतिवर्ष औसतन 6.9 लाख रुपये मिलते हैं।

ज्यूडिशियल सर्विस

लॉ करने के बाद सरकारी नौकरी के भी उतने ही अवसर हैं। अगर आपने लॉ में ग्रेजुएशन किया है और आप सरकारी नौकरी में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपके लिए ज्यूडिशियल सर्विस के रास्ते खुले हैं। इसके लिए आपको राज्यों द्वारा आयोजित होने वाले प्रतियोगी परीक्षा में शामिल होना होगा। परीक्षा में चयनित होने के बाद 2.2 लाख प्रतिमाह सैलरी दी जाएगी और साथ ही अन्य सुविधाएं भी दिए जाएंगे।

लीगल पत्रकार

अगर आप लीगल मुद्दों पर लिखने का शौक रखते हैं और पत्रकारिता को करियर के रूप में चुनना चाहते हैं तो आपके लिए लीगल पत्रकार के रूप में करियर का बेहतर ऑप्शन मौजूद है। इस क्षेत्र में करियर के लिए आपके पास बेहतर कम्यूनिकेशन और राइटिंग स्किल्स होनी चाहिए। बेहतर अवसरों के साथ यह करियर का बेहतर और बेहद अलग ऑप्शन हो सकता है। एक लीगल पत्रकार भारत में प्रतिवर्ष 3.7 लाख रुपये की सैलरी के शुरुआत कर सकते हैं।

इंटीरियर डिजाइनिंग उन युवाओं के लिए बेहतरीन करियर ऑप्शन है, जो कुछ क्रिएटिव करना चाहते हैं। इंटीरियर डिजाइनिंग उन युवाओं के लिए बेहतरीन करियर ऑप्शन है, जो कुछ क्रिएटिव करना चाहते हैं।

बेहतरीन करियर ऑप्शन है इंटीरियर डिजाइनिंग

सी मित स्थान में घर, दफ्तर, मॉल या किसी भी प्रॉपर्टी के लिए ऐसा डिजाइन तैयार करना, जिससे वह सुंदर और व्यवस्थित दिखे, यह काम इंटीरियर डिजाइनर का होता है। इंटीरियर डिजाइनिंग एक विज्ञान है, जिसमें आपको जगह के बारे में अच्छी जानकारी होना जरूरी है, ताकि छोटे-से-छोटे एरिया को आकर्षक बनाया जा सके। आज छोटे शहरों और गांवों से लोग बड़े शहरों का रुख कर रहे हैं और कम जगह में ज्यादा लोगों को घर देने के लिए जो फ्लैट कल्चर पैदा हुआ है, उसने भी इंटीरियर डिजाइनर की भूमिका बहुत खास बना दी है। छोटे-छोटे घरों में पूरे परिवार के हिसाब से सामान व्यवस्थित करना, ताकि कम जगह में भी घर खूबसूरत लगे, यह काम इंटीरियर डिजाइनर ही कर सकता है। वैसे तो इंटीरियर डिजाइनिंग अपने आप में स्पेशलाइजेशन वाला कोर्स है, लेकिन इसके अंतर्गत ऑफिस डिजाइनिंग, किचन डिजाइनिंग, रूम्स डिजाइनिंग, बिजनेस डिजाइनिंग और होम डेकोर में एक्सपर्टीज हासिल कर सकते हैं। इंटीरियर डिजाइनर का काम काफी चुनौतीपूर्ण होता है। प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए पूरी टीम से सहयोग बिठाना होता है। साथ ही, कस्टमर के बजट और पसंद के मुताबिक घर को सजाना होता है। कई बार जो डिजाइन तैयार किया जाता है, वह ग्राहक को पसंद नहीं आता या वह उसमें कुछ बदलाव चाहता है। इसलिए बीच-बीच में उसको अपना काम दिखाते रहना होता है। इंटीरियर डिजाइनर की भूमिका इसलिए भी अहम होती है कि वह अपनी ट्रेनिंग, क्रिएटिविटी और अनुभव के आधार पर ऐसे काम करता है, जिससे किसी भी स्पेस का सही और सुंदर रूप सामने आता है। वही तय करता है कि किसी भी घर को आकर्षक बनाने में किस तरह के रंगों का चयन किया जाए, सोफा, टेबल, डाइनिंग टेबल, बेड समेत पूरे फर्नीचर का लुक और डिजाइन कैसा हो। फैंसी लाइट्स और डेकोरेटिव सामान से घर को सजाना भी इंटीरियर डिजाइनर के जिम्मे होता है।

कहां-कहां मौके

अपना घर सजाना किसे अच्छा नहीं लगता? खासकर सेलिब्रिटी और हाई प्रोफाइल लोगों के बीच तो इंटीरियर डिजाइनर से अपने बंगले को खूबसूरत बनवाने का खूब चलन है। इंटीरियर डिजाइनिंग के प्रति लोगों का रुझान इस हद तक बढ़ चुका है कि वे खुद किसी स्पेस को डिजाइन करने की अपेक्षा प्रशिक्षित इंटीरियर डिजाइनर की मदद लेना पसंद करने लगे हैं। शादी, बर्थडे, एनिवर्सरी जैसे कई आयोजनों में सजावट के लिए इनकी सेवा लेने का चलन भी आजकल जोर पकड़ रहा है। इसलिए इनकी मांग खूब बढ़ रही है।घर और कमर्शियल प्रॉपर्टी में कम स्पेस में भी ज्यादा सामान को अच्छी तरह रखने के लिए इंटीरियर डिजाइनर की जरूरत होती है। शुरूआत में किसी आर्किटेक्चर फर्म, बिल्डर फर्म, पीडब्ल्यूडी डिपार्टमेंट, टाउन प्लानिंग ब्यूरो, होटल, रिसोर्ट, रेस्तरां, स्टूडियो वर्क प्लानर या कंसल्टेंसी में सहयोगी के तौर पर काम कर सकते हैं। इसके अलावा, अपना काम शुरू करने का ऑप्शन भी इस फील्ड में काफी लोकप्रिय है।

स्किल्स

इंटीरियर डिजाइनिंग के क्षेत्र में आने के लिए क्रिएटिविटी और टेक्नोलॉजी की समझ होना जरूरी है। तभी आप इस फील्ड में बेहतर काम कर पाएंगे। डिजाइनिंग से जुड़े होने की वजह से यहां इमेजिनेशन अच्छी होनी चाहिए, ताकि आपके दिमाग में नए कॉन्सेप्ट आएं और उन आइडियाज को वास्तविक बना सकें। मार्केट में चल रहे ट्रैंड से अपडेट रहना और कस्टमर फ्रैंडली बिहेवियर आपके काम में मददगार साबित हो सकता है। इंटीरियर डिजाइनर के तौर पर सफल होने के लिए रियल एस्टेट फील्ड की भी जानकारी होनी चाहिए ताकि यह पता चल सके कि बिल्डिंग, घर या कमर्शियल प्लेस में किस तरह का मटेरियल इस्तेमाल हो रहा है और क्या लेटेस्ट डिजाइन चल रही है।

क्वॉलिफिकेशन और कोर्स

इंटीरियर डिजाइनिंग में आप बारहवीं के बाद डिप्लोमा, डिग्री और सर्टिफिकेट कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। ग्रेजुएशन के बाद भी इस क्षेत्र में आना चाहें, तो पीजी डिप्लोमा, डिग्री कोर्स कर सकते हैं। आप इस फील्ड में बैचलर इन इंटीरियर डिजाइन, बीए इन इंटीरियर आर्किटेक्चर एंड डिजाइन, डिप्लोमा इन इंटीरियर स्पेस एंड फर्नीचर डिजाइन, पीजी डिप्लोमा इन इंटीरियर डिजाइन जैसे कोर्स कर सकते हैं।

सैलरी

इंटीरियर डिजाइनर के रूप में शुरूआत में 15 से 20 हजार रुपए महीना तक सैलरी मिल जाती है। शुरूआत में किसी फर्म में नौकरी करना उचित रहता है क्योंकि इससे काम करने का तरीका पता चलता है और प्रेक्टिकल नॉलेज के साथ-साथ अनुभव भी बढ़ता है।

टेक्सटाइल इंडस्ट्री में करियर बनाना आसान

अगर आप टेक्सटाइल डिजाइनिंग या प्रोडक्शन में दिलचस्पी रखते हैं, तो टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी में अपना करियर बना सकते हैं।

स भी देश के विकास में टेक्सटाइल इंडस्ट्री का बहुत बड़ा योगदान है। भारत में भी इस इंडस्ट्री का देश की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका है। इसे देश के सबसे पुराने इंडस्ट्री में से एक माना जाता है। टेक्सटाइल डिजाइनिंग व इंजीनियरिंग के सुनहरे भविष्य के मद्देनजर अगर इसे दुनिया की एक बड़ी उभरती हुई इंडस्ट्री कहा जाए, तो गलत नहीं होगा। टेक्सटाइल इंडस्ट्री के लिए सरकार की संशोधित टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन फंड स्कीम से टेक्सटाइल सेक्टर में करीब 1 लाख करोड़ रुपए का निवेश होने और 30 लाख लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। भारत में यह इंडस्ट्री रिसर्च, डेवलपमेंट, मेन्युफैक्चरिंग और मर्केंडाइजिंग जैसी कई श्रेणियों में काम कर रही है। जिसके कारण इसमें जॉब के अवसर भी पहले की अपेक्षा अब तेजी से बढ़ रहे हैं।

टेक्सटाइल इंजीनियरिंग क्या है

अगर टेक्सटाइल सेक्टर की बात करें तो इसमें रंग, वस्त्र फाइबर, मशीनरी और उत्पाद, कपड़ा और परिधान प्रक्रियाओं को डिजाइन और नियंत्रित करने की प्रक्रिया शामिल है। इसमें फैशनेबल कपड़ों की मांग को ध्यान में रखते हुए बहुत ज्यादा रिसर्च, क्रिएटिविटी और इनोवेशन की जरूरत होती है। इसमें टेक्सटाइल इंजीनियरिंग की यह शाखा उन सिद्धांतों का भी अध्ययन करती है जो कपड़ा फाइबर के प्रकार के यार्न और टेक्सटाइल कपड़ों के निर्माण में किया जाता है। कपड़ा इंजीनियरिंग में, कपड़े को आकर्षक और फैशनेबल बनाने पर जोर दिया जाता है। इसके लिए टेक्सटाइल इंजीनियर को काफी रिसर्च और एक्सपेरिमेंट करना पड़ता है। टेक्सटाइल इंजीनियर को नवाचार, अनुसंधान और रचनात्मकता जैसे कौशल की आवश्यकता होती है।

किस तरह का कोर्स करें

टेक्सटाइल इंडस्ट्री में करियर बनाने के लिए आपको 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स या बायोलॉजी जैसे विषय में पढ़ाई करनी होगी। इसके बाद टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी में बीई या बीटेक, टेक्सटाइल डिजाइनिंग में बीए, टेक्सटाइल डिजाइन में बीएससी, बैचलर ऑफ डिजाइन, डिप्लोमा इन टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरिंग या टेक्सटाइल केमिस्ट्री में बीटेक कर सकते हैं। वहीं आप इन कोर्सेज में एडवांस्ड डिप्लोमा, एमईए एमटेक और उसके बाद पीएचडी भी कर सकते हैं।

जॉब प्रोफाइल क्या है

इस इंडस्ट्री में आप मुख्य रूप से प्रोडक्शन कंट्रोल, प्रोडक्ट रिसर्च एंड डेवलपमेंट, इंजीनियरिंग प्रोसेस, सेल्स, कॉर्पोरेट मैनेजमेंट, सुपरविजन आदि डिपार्टमेंट्स में काम कर सकते हैं। एक टेक्सटाइल इंजीनियर आम तौर पर इंजीनियरिंग प्रोसेस से जुड़ा होता है, जबकि अपैरल और गारमेंट्स की डिजाइनिंग और मेन्युफैक्चरिंग के लिए काम करने वाले प्रोफेशनल्स प्रोडक्ट रिसर्च एंड डेवलपमेंट डिपार्टमेंट में काम करते हैं।

इन स्किल की जरूरत

अगर आप इस फील्ड में जाना चाहते हैं तो आपके अंदर कई स्किल का होना जरूरी है। जिसमें मुख्य रूप से कम्युनिकेशन स्किल्स, कम्प्यूटर स्किल्स, एनालिटिकल स्किल्स और प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स होनी जरूरी हैं। इसके अलावा उनमें चीजों की बारीकियों पर ध्यान देने की क्षमता, लॉजिकल थिंकिंग और क्रिएटिविटी होनी भी जरूरी है।

करियर की संभावनाएं

कोर्स पूरा होने के बाद आप आप इस फील्ड में टेक्सटाइल मिल्स, एक्सपोर्ट हाउसेज, निटवेयर मेन्युफैकचरिंग यूनिट्स, टेक्सटाइल डाइंग एंड प्रिंटिंग यूनिट्स में काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप सरकार द्वारा प्रायोजित अथवा निजी सिल्क, हैंडलूम, जूट, खादी, क्राफ्ट डेवलपमेंट संस्थानों में काम कर सकते हैं। आप फैशन रीटेलर्स डिजाइन स्टूडियोज और बड़ी टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज जैसे में भी काम कर सकते हैं।

सैलरी

टेक्सटाइल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा व डिग्री के बाद आप फ्रेशर के तौर पर अगर आप नौकरी करना चाहते हैं तो 30 से 45 हजार रुपये का शुरुआती वेतन आसानी से मिल जाता है। अनुभव के बाद, आप आईआईटी से टेक्सटाइल इंजीनियरिंग में बीटेक किया है, तो आपको शुरुआती वेतन काफी आकर्षक लग सकता है।

पर्सनैलिटी में इस तरह लाएं निखार

हम सभी अपने जीवन में तरक्की करना चाहते हैं और इसके लिए एक अच्छी जॉब पाने की हसरत हम सभी के मन में होती है। लेकिन एक अच्छी जॉब पाने के लिए सिर्फ आपकी एजुकेशनल क्वालिफिकेशन या फिर वर्क एक्सपीरियंस ही महत्वपूर्ण नहीं है। बल्कि आपकी पर्सनैलिटी का भी एक गहरा प्रभाव पड़ता है। आप खुद को किस तरह कैरी करते हैं, उसका इंप्रेशन आपकी जॉब अपॉइंटमेंट से लेकर ग्रोथ तक पड़ता है। ऐसे में अगर आप भी अपनी पर्सनैलिटी में निखार लाना चाहते हैं तो आप इन आसान टिप्स की मदद ले सकते हैं-

कपड़ों पर दें ध्यान - कपड़े बिना बोले ही हमारी पर्सनैलिटी के बारे में काफी कुछ कह जाते हैं। इसलिए, जब भी आप तैयार होते हैं तो ओकेजन को ध्यान में रखकर रेडी हो। हमेशा सही तरह से ड्रेसअप होने से एक कॉन्फिडेंस आता है, जो आपके व्यक्तित्व में निखार लाता है। बॉडी पर बहुत अधिक टैट्, पियर्सिंग या भड़कीले कलर आपको अनप्रोफेशनल दिखा सकते हैं।

अपनी बॉडी लैंग्वेज पर काम करें - बॉडी लैंग्वेज आपके व्यक्तित्व के लिए उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी आपके ओरल कॅम्युनिकेशन स्किल्स। यह आपके बारे में बहुत कुछ बताता है और लोगों को आपके बारे में सटीक अनुमान लगाने में मदद करता है। आपके चलने, बैठने, बात करने या खाने के तरीके सहित सब कुछ आपके आस-पास के लोगों पर प्रभाव डालता है। सही बॉडी लैंग्वेज होने से आपके व्यक्तित्व में निखार आता है। हमेशा सीधा चलने की कोशिश करें और बोलते समय हमेशा आंखों का संपर्क बनाएं।

विनम्र रहें - जब बात पर्सनैलिटी की होती है, तो आपका व्यवहार भी एक महत्वपूर्ण बिन्दु है, जिस पर आपको ध्यान देना चाहिए। मसलन, हमेशा विनम्र रहें और सभी का मुस्कान के साथ अभिवादन करें। अपने साथियों की मदद करने में कभी भी संकोच न करें। इससे आपकी पर्सनालिटी में भी आत्मविश्वास आएगा। अपने जूनियर्स और सीनियर्स के लिए समान रूप से विनम्र और जमीन से जुड़े रहें।

एक अच्छे श्रोता बनें - जब कोई आपसे बात करे तो दिलचस्पी से सुनें और उन्हें पूरा ध्यान और महत्व दें। इस दौरान आई कॉन्टैक्ट बनाए रखें, ताकि सामने वाले व्यक्ति को यह महसूस हो कि आप उसे ध्यान से सुन रहे हैं। साथ ही, लोगों के बारे में बेहतर तरीके से जानने और उनसे बेहतर तरीके से जुड़ने में आपकी मदद करेगा।

करियर बना सकती है फोटोग्राफी

आपको फोटोग्राफी पसंद है और आप किसी सीन को बड़ी खूबसूरती से कैप्चर कर सकते हैं, तो इस कला को करियर बना सकते हैं।

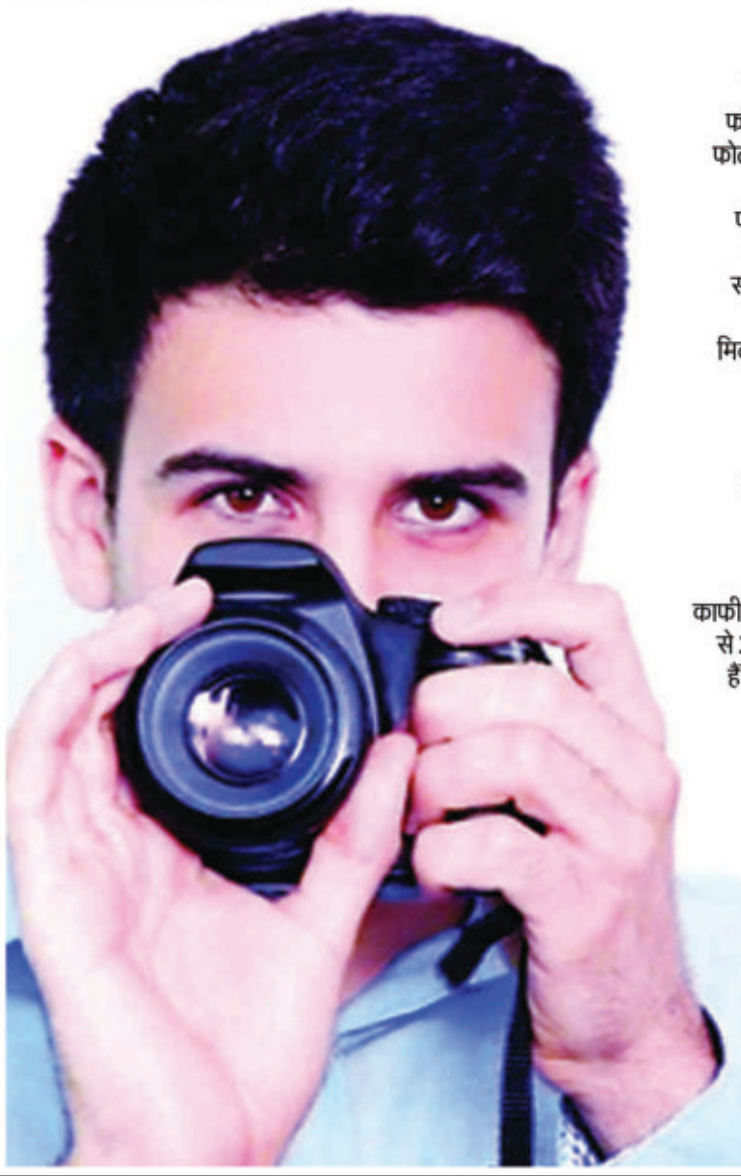

फोटोग्राफी के लिए इनोवेटिव होना जरूरी है ताकि किसी विजुअल को अलग ढंग से देख सकें और उसका महत्व समझ सकें। तस्वीरें खींचने का अपना मजा है लेकिन एक सफल फोटोग्राफर बनने के लिए पैशन भी चाहिए। आपके अंदर तस्वीरों के जरिये कहानी बयां करने की चाहत होनी चाहिए। सही पल को कैमरे में कैद करने की कला आएगी, तभी इस फील्ड में काम के साथ कमाई हो पाएगी। फोटोग्राफी एक टेक्निकल लाइन भी है। ऐसे में खुद को अपडेट रखना और कैमरे की टेक्नोलॉजी से परिचित रहना जरूरी है। जिन युवाओं का मन नौ से पांच की नौकरी करने के बजाय कैमरे से देश-दुनिया को एक्सप्लोर करने का करता है, उनके लिए यह एक परफेक्ट फील्ड हो सकता है।

जॉब का स्कोप

फोटोग्राफी में ट्रेनिंग लेने के बाद प्रेस फोटोग्राफर, फैशन फोटोग्राफर, पोट्रेट फोटोग्राफर, वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर, फीचर फोटोग्राफर, फोरेंसिक फोटोग्राफर, साइंटिफिक फोटोग्राफर बन सकते हैं और फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं। यह एक ऐसा फील्ड है, जहां आपको अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर भी मिल सकता है। हर कंपनी अपने प्रोडक्ट के साथ कैलेंडर, मैग्जीन, विज्ञापन ब्रोशर आदि प्रकाशित करती हैं, जिनमें आकर्षक और स्टाइलिश तस्वीर के लिए फोटोग्राफर की खास भूमिका होती है। मीडिया, ट्रैवल, फिल्म और फैशन इंडस्ट्री बूम करने से यहां फोटोग्राफी का भविष्य काफी उज्जवल है। रेगुलर जॉब में आप 15 से 20 हजार रुपए प्रति माह कमा सकते हैं। बाद में प्रोफाइल के मुताबिक सैलरी बढ़ती जाती है।

कोर्स व क्वॉलिफिकेशन

फोटोग्राफी में बारहवीं और ग्रेजुएशन के बाद सर्टिफिकेट, डिप्लोमा कोर्स और डिग्री ले सकते हैं। मीडिया के सब्जेक्ट में भी कैमरा पढ़ाया जाता है, जिसके बाद कैमरे की एडवांस ट्रेनिंग और पढ़ाई की जा सकती है।

हरमनप्रीत वनडे रैंकिंग में नौवें स्थान पर पहुंची, मंधाना चौथे पायदान पर बरकरार

दुबई (एजेंसी)। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर मंगलवार को जारी आईसीसी महिला एकदिवसीय रैंकिंग में संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर पहुंच गयी जबकि सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने अपना चौथा स्थान बरकरार रखा है। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के आखिरी मुकाबले में हरमनप्रीत ने 63 गेंद में नाबाद 59 रन की पारी के साथ भारतीय टीम को मैच और श्रृंखला में जीत दिलायी थी। यह श्रृंखला आईसीसी महिला चैम्पियन का हिस्सा थी जिसे भारत ने 2-1 से जीता था।

इसी मैच में 100 रन की शानदार पारी खेलने वाली वामहस्त बल्लेबाज मंधाना 23 रेटिंग अंक हासिल कर कुल 728 रेटिंग अंकों के साथ तालिका में चौथे स्थान पर है। उनके और तीसरे स्थान पर काबिज श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू के बीच सिर्फ पांच रेटिंग अंक का फर्क है। इस तालिका में इंग्लैंड की नैट सिवर ब्रंट 760 रेटिंग अंक के साथ शीर्ष स्थान पर है।

भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया तीन स्थान के सुधार के साथ 48वें जबकि श्रृंखला के तीसरे मैच में 86 रन की पारी खेलने वाली न्यूजीलैंड की ब्रुक हैलीडे 12 स्थान के सुधार के साथ 24वें स्थान पर पहुंच गयी है। गेंदबाजों की सूची में दीप्ति शर्मा ने करियर की सर्वश्रेष्ठ 703 रेटिंग अंक के साथ दूसरे पायदान पर अपनी स्थिति मजबूत की। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में 39 रन पर तीन विकेट चटकाये थे।

भारतीय तेज गेंदबाज रेणुका सिंह (चार स्थान के सुधार के साथ 32वें), साइमा ठाकोर (20 स्थान के सुधार के साथ संयुक्त 77वें) और प्रिया मिश्रा (छह स्थान के सुधार के साथ 83वें) इस रैंकिंग में अपनी स्थिति बेहतर करने वालों में शामिल हैं। भारतीय टीम आईसीसी महिला चैम्पियनशिप की तालिका में 25 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। न्यूजीलैंड 21 मैचों में 20 अंक के साथ छठे पायदान पर है। इस तालिका में ऑस्ट्रेलिया (18 मैच) और इंग्लैंड (21 मैच) एक समान 28 अंक के साथ शीर्ष पर है।

भारतीय मुक्केबाज मनदीप जांगड़ा ने डब्ल्यूबीएफ का विश्व खिताब जीता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पेशेवर मुक्केबाज मनदीप जांगड़ा ने केमैन आइलैंड में ब्रिटेन के कोनोर मैकिन्टोश को हराकर विश्व मुक्केबाजी महासंघ (डब्ल्यूबीएफ) का सुपर फेदरवेट विश्व खिताब जीता। पूर्व ओलंपिक रजत पदक विजेता रॉय जोन्स जूनियर से प्रशिक्षण लेने वाले 31 वर्षीय जांगड़ा ने अपने पेशेवर करियर में अब तक केवल एक हार का सामना किया है। ब्रिटिश मुक्केबाज के खिलाफ मुकाबले में अधिकतर राउंड में उनका पलड़ा भारी रहा।

जांगड़ा ने शुरू से ही दमदार मुक्के जमाए और पूरे 10 राउंड में अपना दमखम बरकरार रखा। दूसरी तरफ ब्रिटिश मुक्केबाज को गति बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ा। कॉनर ने वापसी की कोशिश की, लेकिन जांगड़ा ने अधिकतर राउंड में बढ़त बनाए रखी। जांगड़ा ने कहा, 'यह मेरे करियर की सबसे बड़ी जीत में से एक है। मैंने इसे हासिल करने के लिए वर्षों तक कड़ी मेहनत की। यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मैं देश का नाम रोशन कर सका।'

हरियाणा के रहने वाले जांगड़ा ने 2021 में पेशेवर मुक्केबाजी में पदार्पण किया। उन्हें उम्मीद है कि यह खिताब अधिक भारतीय मुक्केबाजों को पेशेवर बनने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह खिताब देश के अन्य मुक्केबाजों के लिए रास्ता खोलेगा और वे पेशेवर मुक्केबाजी में अपना करियर बनाने का फैसला भी करेंगे। हमारे मुक्केबाज अच्छे हैं और उनमें प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। अगर उन्हें अच्छे प्रमोटर और मैनेजर मिलें तो वे विश्व चैंपियन भी बन सकते हैं।'

जांगड़ा ने अपने पेशेवर करियर में अभी तक 12 मुकाबलों में से 11 जीते हैं, जिनमें सात नॉकआउट जीत शामिल हैं। उन्होंने एमेच्योर मुक्केबाज के रूप में 2014 में राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीता था।

मैच के दौरान मैदान पर बिजली गिरी, एक खिलाड़ी की मौत, कई घायल

स्पोर्ट्स डेस्क। फुटबॉल मैच के दौरान अचानक मैदान पर बिजली गिर गई जिसकी चपेट में आने से एक खिलाड़ी की मौत हो गई जबकि रेफरी समेत कई खिलाड़ी बुरी तरह घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल खिलाड़ियों और रेफरी को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

मामला पेरू का है जहां 3 नवंबर को चिल्का स्थित दो घरेलू क्लब जुवेंटुड बेलाविस्टा और फेमिलिया चोका के बीच मैच चल रहा था। इसी दौरान यह हादसा हुआ। 39 वर्षीय जोस होगो पर बिजली गिरी और उनकी मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब मैच का पहला हाफ चल रहा था। इस दौरान जुवेंटुड बेलाविस्टा मैच में 2-0 से आगे था। मैच के दौरान मौसम खराब हो गया, इसलिए रेफरी ने सीटी बजाकर खेल रोक दिया। साथ ही खिलाड़ियों को मैदान से बाहर जाने को कहा गया।

जब खिलाड़ी मैदान छोड़कर जा रहे थे तभी अचानक बिजली गिरी। यह बिजली 39 वर्षीय खिलाड़ी जोस ह्यूगो डे ला क्रूज मेसा पर गिरी। उनकी मौत हो गई। बिजली गिरने से रेफरी समेत 5 खिलाड़ी एक साथ जमीन पर गिर गए। पहले भी बिजली गिरने से फुटबॉलर की मौत हो चुकी है। इस हादसे में 40 वर्षीय गोलकीपर जुआन चोका गंभीर रूप से झुलस गए। उनके शरीर पर जलने के निशान हैं। बिजली गिरने के बाद जमीन पर गिरे खिलाड़ियों में से 1-2 ने उठने की कोशिश भी की। इन सभी घायल खिलाड़ियों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

बिजली गिरने से फुटबॉलर की मौत की यह पहली घटना नहीं है। इसी साल फरवरी में इंडोनेशिया के वेस्ट जावा के सिलीवांगी स्टेडियम में एक दोस्ताना फुटबॉल मैच आयोजित किया गया था। तब बिजली गिरने से 35 वर्षीय सेप्टेन रहराजा की मौत हो गई थी। इस घटना में राहराजा घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी मौत हो गई।

विराट, रोहित का भविष्य ऑस्ट्रेलिया दौरे पर निर्भर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम के कई क्रिकेटरों का भविष्य ऑस्ट्रेलिया दौरे में दांव पर लगा रहेगा। इसमें कप्तान रोहित शर्मा से लेकर विराट कोहली तक शामिल हैं। हाल के दिनों में विराट और रोहित बल्लेबाजी में असफल रहे हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में भी ये दोनो रन नहीं बना पाये और भारतीय टीम क्लीन स्विप का शिकार हुई। ऐसे में अगर ये अब रन नहीं बना पाते हैं तो इनका भविष्य खतरे में आ जाएगा। वैसे भी इनकी उम्र बढ़ रही और कई युवा खिलाड़ी टीम में जगह के लिए लगातार दावेदारी पेश कर रहे हैं।

रोहित शर्मा

रोहित की बल्लेबाजी पहले जैसी नहीं रही। बांग्लादेश और अब न्यूजीलैंड के खिलाफ इन 5 टेस्ट मैचों की 10 पारियों में रोहित एक अर्धशतक के साथ केवल 13.30 की औसत से 133 रन ही बना सके। उनका सबसे अधिक स्कोर 52 रन रहा। इस घरेलू सीज़न में रोहित कीवी स्पिनरों के खिलाफ बेबस दिखे और बड़े शॉट खेलने के प्रयास में आउट हुए। इस इस साल टेस्ट क्रिकेट में रोहित ने 11 गेम खेलते हुए 21 पारियों में 29.40 के औसत से केवल 588 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक, दो अर्द्धशतक बनाए है। मौजूदा आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 ??में रोहित ने 14 टेस्ट मैचों की 26 पारियों में तीन शतक और चार अर्द्धशतक के साथ 33.32 की औसत से 833 रन बनाए हैं।

विराट कोहली

अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी इस साल रन बनाने में विफल रहे हैं। वह पिछले 5 टेस्ट मैचों की 10 पारियों में 21.33 के औसत से केवल 192 रन ही बना पाये हैं। इसमें वह केवल एक बार पचास से अधिक रन बना पाये हैं। 70 उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर था। इस घरेलू सीज़न के दौरान उन्होंने 6, 17, 47, 29, 0, 70, 1, 17, 4 और 1 रन ही बनाये हैं। इस साल विराट ने छह मैचों की 12 टेस्ट पारियों में 22.72 की औसत से केवल 250 रन बनाए हैं, जिसमें केवल एक अर्धशतक शामिल है। मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र 2023-25 ??में विराट ने नौ टेस्ट और 16 पारियों में 37.40 की औसत से 561 रन ही बनाए हैं।

केएल राहुल

केएल राहुल बांग्लादेश के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों की सीरीज में राहुल का प्रदर्शन सामान्य रहा था वह एक अर्धशतक लगा पाये थे पर न्यूजीलैंड के खिलाफ वह विफल रहे। राहुल को लंबे समय बाद टेस्ट क्रिकेट में फिर से मौका मिला था पर वह इस अवसर का लाभ नहीं उठा पाये। ऐसे में अब अगर वह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर नहीं चल पाए तो उनके लिए भारतीय टीम में जगह बनाये रखना कठिन हो जाएगा। इसके अलावा ऋषभ पंत से भी उन्हें स्थान के लिए कड़ी टक्कर मिल रही है। ऋषभ का न्यूजीलैंड के खिलाफ प्रदर्शन अच्छा रहा है और वह विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर पहली पसंद बनते जा रहे हैं।

सरफराज खान

सरफराज को काफी मुश्किलों के बाद टेस्ट में अवसर मिला है। सरफराज ने 6 टेस्ट में 371 रन बनाए हैं पर ऑस्ट्रेलिया दौरा उनके लिए आसान नहीं रहेगा। सरफराज ने अब तक ज्यादातर टेस्ट घरेलू मैदानों पर ही खेली हैं। ऐसे में अगर ऑस्ट्रेलिया की तेज पिचों पर वह नहीं चल पाए तो उनके लिए आगे टीम में जगह बनाना कठिन होगा क्योंकि इसके बाद भारतीय टीम को इंग्लैंड भी जाना है। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में सरफराज ने 0 और 150 रन बनाये पर सके बाद दूसरे टेस्ट में 11 और 9 तो तीसरे टेस्ट में 0 और 1 रन ही बना सके।

अनुराग गिरी, वर्ल्ड व एशियन 10 बॉल पूल चैम्पियनशिप के लिए चयनित

भोपाल/इन्दौर । 10 बॉल पूल में देश के नम्बर 2 क्यूईस्ट राजधानी भोपाल के अनुराग गिरी का चयन वर्ल्ड व एशियन 10 बॉल पूल चैम्पियनशिप के लिए हुआ है। वर्ल्ड चैम्पियनशिप 8-14 दिसंबर तथा एशियन चैम्पियनशिप 15-19 दिसंबर तक दोहा (कतर) में खेला जायेगी। उल्लेखनीय है कि अनुराग गिरी ने इन्दौर में आयोजित 10 बॉल पूल नेशनल चैम्पियशिप में सिल्वर मेडल जीता था। इस प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। अनुराग का यह पहला इंटरनेशनल टूर्नामेंट है। बिलियर्डस व स्नूकर फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा घोषित खिलाडियों की सूची में वर्ल्ड चैम्पियनशिप में भारत की ओर से 5 तथा एशियन चैम्पियनशिप में 9 खिलाडी भाग लेंगे।

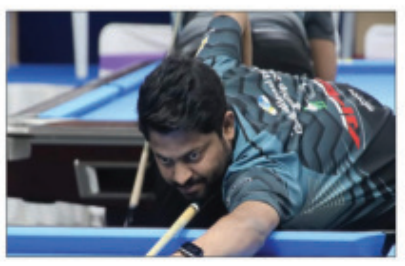

भारतीय टीम पर ऑस्ट्रेलिया दौरे में रहेगा दबाव : वार्नर

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने कहा है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टीम की हार का हार का मनोवैज्ञानिक लाभ ऑस्ट्रेलियाई टीम को मिलेगा। वॉर्नर के अनुसार सीरीज में 3-0 से मिली हार से भारतीय टीम का मनोबल कमजोर रहेगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में भारतीय टीम अपने घरेलू मैदान में ही टिक नहीं पायी। शुभमन गिल और ऋषभ पंत को छोड़कर कोई भी भारतीय बल्लेबाज कीवी गेंदबाजों की स्पिन का सामना नहीं कर पाया। इसी को लेकर वार्नर ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया टीम के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों में खेलना भारतीय बल्लेबाजों के लिए बेहद कठिन होगा क्योंकि हमारे पास तीन विश्व स्तर के तेज गेंदबाज और एक स्पिनर है। इन हालातों में अगर मैं भी भारतीय टीम में होता तो दबाव में आ रहता वॉर्नर ने न्यूजीलैंड की फील्डिंग की सराहना की और उपमहाद्वीप में उनके प्रदर्शन को की प्रशंकसा की है। वॉर्नर ने कहा कि, मैं उनके पहले टेस्ट को देखूं तो उन्होंने कुछ बेहतरीन कैच पकड़े थे। इससे उनके पक्ष में माहौल बनने के साथ ही विरोधी टीम पर दबाव आ गया था। अगर आप इस तरह के कैच लेते हैं तो आप बढ़त मिलना तया हो जाता हैं। सीरीज में 1-0 से आगे रहने का भी उन्हें लाभ मिला। मुझे पता है कि भारत में जीतना कितना काफी कठिन होता है पर न्यूजीलैंड ने कमाल कर दिखाया है जिसके लिए वे बधाई के पात्र हैं।

हालातों के अनुसार ढ़लने से मिली भारत दौरे में सफलता : एजाज पटेल

मुंबई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड की भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाने वाले स्पिनर एजाज पटेल ने कहा है कि टीम की अनुकूलन क्षमता के कारण इस प्रकार की सफलता उसे मिली है। एजाज के अनुसार पहले टेस्ट के लिए पिच में मौसम की बड़ी भूमिका थी और न्यूजीलैंड ने पहली पारी में भारत को हराने के लिए तेज़ गति के अनुकूल हालातों का पूरा लाभ उठाया, जिसने अनिवार्य रूप से खेल को अपने पक्ष में कर लिया। पुणे का विकेट हालांकि स्पिन के लिए सहायक था और धीमे गेंदबाजों को इसे फिर से समायोजित करने की आवश्यकता थी। यहां भी उनकी टीम ने हालातों को बेहतर तरीके से समझा और जीत हासिल की। इसके बाद मुम्बई में टीम एजाज पटेल की फिरकी में उलझ गयी। इस मैच में भारतीय टीम की हार के साथ ही मेहमान कीवी टीम ने 3-0 से सीरीज पर कब्जा कर लिया।

एजाज ने कहा कि तीन अलग-अलग सतहें और तीन अलग-अलग मैच रहे हैं, और मुझे लगता है कि हम अच्छी तरह से जानते हैं कि एशिया में हालात हर समय बदलते रहते हैं। इसलिए आपको अनुकूल होना पड़ता है और मैच के भीतर भी परिस्थितियां बहुत तेज़ी से बदलती हैं। मेरा मतलब है कि इस मुंबई टेस्ट में भी मैं गेंदबाजी कर रहा था। मुझे लगता है कि

पहली पारी में और मुझे लगा कि मैं वास्तव में अच्छी गेंदबाजी कर रहा हूँ, लेकिन विकेट वास्तव में टर्न नहीं कर रहा था और फिर मैं लंच के बाद वापस आया और अचानक सब कुछ होने लगा। एजाज यह भी कहा कि न्यूजीलैंड ने उपमहाद्वीप में विभिन्न पिचों का सामना करने के लिए अपने घर पर अच्छी तैयारी की थी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि जब आप उपमहाद्वीप में आते हैं तो यह उस कौशल सेट और उस सीमा के बारे में होता है, चाहे वह 90 के दशक में गेंदबाजी करना हो या 80 के दशक में गेंदबाजी करना हो और शुरू से ही उन सीमाओं में अनुकूलन करने में सक्षम होना। यह सतह को जल्दी से पढ़ने के बारे में भी है क्योंकि जैसा कि मैंने कहा कि हालात निरंतर बदलते हैं। कभी-कभी सुबह के हालात मध्य सत्र से अलग हो सतते हैं और इसलिए एक स्पिनर के रूप में यह जानना ज़रूरी है कि इसका अधिकतम लाभ कैसे उठाया जाए।

उन्होंने कहा, अगर मैं आपसे ईमानदारी से कहूँ, तो हमारे घर पर सर्दी बहुत अच्छी रही, जहां हमने टर्निंग विकेटों पर तैयारी की और हमने सुनिश्चित किया कि हमारे पास अलग-अलग सतहें हों, जिन पर हमने अभ्यास किया और कोशिश की, इसलिए मुझे लगता है कि हम अलग-अलग सतहों पर गेंदबाजी करने के लिए भी तैयार थे। तो हां, यह तैयारी से बहुत जुड़ा है, लेकिन फिर यह आपके कौशल का समर्थन करने और मुझे लगता है कि आप वहां जाकर वास्तव में ऐसा करने में कितने सफल रहते हैं उसपर आधारित होता है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज से पहले अभ्यास मैच खेले भारतीय टीम : गावस्कर

मुम्बई । भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले कम से कम एक अभ्यास मैच खेलना चाहिये। भारतीय टीम को इस दौरे में इंडिया ए के साथ एक अभ्यास मैच खेलना था, जिसे प्रबंधन ने समय की कमी का हवाला देते हुए रद्द कर दिया है। वहीं गावस्कर का मानना है कि टीम के लिए लय हासिल करने अभ्यास मैच जरुरी है। इसलिए उसे सीरीज के बीच में भी अभ्यास मुकाबले खेलने का प्रयास करना चाहिये। साथ ही कहा कि इससे जिन युवा खिलाड़ियों ने ऑस्ट्रेलिया में कभी नहीं खेलना है उन्हें हालात के अनुसार ढलने का अवसर मिलेगा। ध्रुव जुरेल, सरफराज खान और यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया में पहली बार खेलेंगे। ऐसे में इन्हें गति और उछाल के साथ तालमेल बैठाने में कुछ समय जरुर लगेगा। गावस्कर ने कहा, मुझे लगता है कि टीम को अभ्यास मैच खेलने चाहिए। टेस्ट मैचों के बीच के अंतराल में उन्हें वास्तव में अभ्यास मैच खेलने चाहिए। सीनियर खिलाड़ियों के लिए नहीं पर जूनियर खिलाड़ियों के लिए भी जिन्होंने पहले कभी ऑस्ट्रेलिया में नहीं खेला है ये मैच जरुरी हैं। ऑस्ट्रेलिया ए टीम या क्वींसलैंड जैसी स्टेट टीम के खिलाफ भी अभ्यास मैच खेला जा सकता है। इससे जूनियर खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया में उछाल और पिचों का अभ्यस्त होने का अवसर मिलेगा। गावस्कर ने कहा कि वे जितना हो सके उतना अभ्यास करें और थ्रो डाउन के बजाय नियमित गेंदबाजी खेलने पर ध्यान केंद्रित करें। उन्होंने कहा, बस अपने पर भरोसा रखकर जितना हो सके उतना अभ्यास करना चाहिये। मुझे लगता है कि थ्रोडाउन का सामना करना कुछ हद तक फायदेमंद है पर नियमित गेंदबाजी का सामना करना उससे ज्यादा जरूरी है। इसलिए तेज गेंदबाजों का सामना करें। इसमें जरुरी नहीं कि आप जसप्रीत बुमराह का ही सामना करें पर आप दूसरों से 22 गज की बजाय 20 गज की दूरी से गेंदबाजी करने के लिए कह सकते हैं। इसलिए, गेंद जल्दी बल्ले पर आती है।

रणजी मैच खेलेंगे श्रेयस अय्यर, मुंबई टीम में शामिल, पृथ्वी शॉ अभी भी बाहर

मुंबई (एजेंसी)। भारत के मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर बुधवार से यहां ओडिशा के खिलाफ शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप ए मुकाबले के लिए गत चैंपियन मुंबई की 16 सदस्यीय टीम में लौट आए, लेकिन सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को बाहर कर दिया गया। अय्यर निजी कारणों से त्रिपुरा के खिलाफ मुंबई की पिछली भिड़ंत में नहीं खेल पाए थे - जो मुकाबला ड्रा रहा था और अब वह बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में शरद पवार क्रिकेट अकादमी में खेले जाने वाले आगामी मुकाबले के लिए चयन के लिए उपलब्ध हैं।

बता दें कि श्रेयस अय्यर आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स द्वारा रिलीज कर दिए गए हैं। श्रेयस ने अपनी कप्तानी में केकेआर को खिताब दिलाया था ऐसे में उनका फ्रेंचाइजी से अलग होना सबको हैरान कर गया। इस पर केकेआर के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि मैंने अभी भी उनसे नहीं सुना है। यह फ्रेंचाइजी क्रिकेट है, इसलिए हैदराबाद के लड़कों (पैट कमिंस और ट्रैविस हेड) को छोड़कर सभी नीलामी में होंगे। श्रेयस केकेआर से अलग हो चुके हैं। यह इसी बात से साफ है कि उन्होंने मेगा नीलामी से पहले छह खिलाड़ियों को रिटेन किया है। ऐसे में उनके पास राइट टू मैच कार्ड भी नहीं है। बता दें कि केकेआर ने रिंकू, रसेल और नरेन के अलावा वरुण चक्रवर्ती, हर्षित राणा और रमनदीप सिंह को रिटेन किया है।

बहरहाल, पृथ्वी शॉ जिन्हें रणजी ट्रॉफी में टीम के आखिरी गेम के लिए अगरतला दौरे से पहले बाहर कर दिया गया था, को

फिर से टीम में जगह नहीं मिली है। दाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज जो सीजन की शुरुआत में मुंबई टीम का हिस्सा थे, फिटनेस और अनुशासनात्मक मुद्दों के कारण अभी भी बाहर हैं। मुंबई ने जब ईरानी कप खेला था तो तब भी पृथ्वी टीम के साथ थे।

डब्ल्यूटीसी फाइनल की संभावनाओं के लिए भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में जीतने होंगे चार टेस्ट

मुम्बई । न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हार से भारतीय टीम के लिए अब आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल (डब्ल्यूटीसी) की राह मुश्किल हो गयी है। अब भारतीय टीम को फाइनल के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के पांच में से चार मैच जीतने होंगे, व एक मैच ड्रॉ पर रोकना होगा। इसके अलाव अन्य टीमों के परिणामों पर भी नजर रखनी होगी। 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम सिर्फ 1 मैच ड्रॉ कर सकती है। बाकी बचे 4 मैचों में उसे जीतना होगा। ऑस्ट्रेलिया को उसी की धरत पर हराना बेहद कठिन है। 22 नवंबर से पर्थ में पहला टेस्ट मैच खेला जाना है. तेज और उछाल भरी पिच को दुनिया के सबसे खतरनाक पिचों में से एक माना जाता है. बल्लेबाजों के लिए इसे कब्रगाह बताया जाता है और तेज गेंदबाजों के लिए स्वर्ग.कप्तान पैट कमिंस के साथ मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड की धारदार गेंद के आगे भारतीय बल्लेबाजों को टिकना होगा। नाथन लियोन की स्पिन भी मुसीबत बनेगी। पैट पहले ही कह चुके हैं कि वो किसी भी हाल में भारत को इस बार जीतने नहीं देंगे। अंक तालिका में भारतीय टीम अब 58.33 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरे पायदान पर खिसक गई है, वहीं ऑस्ट्रेलिया की टीम अब 62.5 प्रतिशत अंकों के साथ पहले पायदान पर पहुंच गई है।

ओलंपिक 2036 की मेजबानी के लिए भारत का बड़ा कदम, आईओए ने आईओसी को सौंपा पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ओलंपिक संघ (ह्वह्व) ने एक महत्वाकांक्षी योजना में पहला ठोस कदम उठाते हुए अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (ह्वह्वष्ट) के भावी मेजबान आयोग को 2036 ओलंपिक और पैरालिंपिक खेलों की मेजबानी करने की देश की इच्छा व्यक्त करते हुए एक 'आशय पत्र' प्रस्तुत किया है। खेल मंत्रालय के एक सूत्र के अनुसार यह पत्र 1 अक्टूबर को प्रस्तुत किया गया था।

सूत्र ने कहा, 'यह महत्वपूर्ण अवसर देश भर में आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति और युवा सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हुए पर्याप्त लाभ ला सकता है।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल पहली बार 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने की अपनी सरकार की आकांक्षा के बारे में बात की थी। अगले साल आईओसी चुनावों से पहले मेजबान पर फैसला नहीं लिया जाएगा और भारत को सऊदी अरब, कतर और तुर्की जैसे कई अन्य देशों से भी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा, जो खुद को खेल की मेजबानी के लिए मजबूत दावेदार के रूप में पेश कर रहे हैं।

भारत की योजना को वर्तमान आईओसी प्रमुख थॉमस बाक ने समर्थन दिया है। पिछली बार भारत ने 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों में यहां किसी अंतरराष्ट्रीय बहु-खेल महाकुंभ की मेजबानी की थी। लेकिन 2036 ओलंपिक के लिए अहमदाबाद को मेजबान शहर के रूप में देखा जा रहा है। आईओए अध्यक्ष पीटी उषा सहित भारत के शीर्ष खेल प्रशासक देश के पक्ष में पैरवी करने के लिए इस साल की शुरुआत में पेरिस ओलंपिक में मौजूद थे। यह भी पता चला है कि अगर बोली सफल होती है तो भारत योग, खो-खो और कबड्डी जैसे स्वदेशी खेलों को शामिल करने पर जोर देगा।

भारतीय खेल प्राधिकरण के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने नए खेल मंत्री मनसुख मंडाविया को सफल बोली के लिए आवश्यक उपायों पर एक विस्तृत रिपोर्ट भी सौंपी है। इस दस्तावेज में, एमओसी ने खेलों में शामिल करने के लिए योग, खो-खो, कबड्डी, शतरंज, टी20 क्रिकेट और स्क्वैश सहित छह खेलों की पहचान की है, अगर देश को हर चार साल में होने वाले इस महाकुंभ की मेजबानी मिलती है। हालांकि आईओए ऊषा और संस्था की कार्यकारी परिषद के बीच खींचतान के कारण विवादों में भी घिरा हुआ है, जिसने सीईओ पद के लिए उनकी पसंद रघुराम अय्यर की नियुक्ति को मंजूरी देने से साफ इनकार कर दिया है।

राहुल गांधी पर मानहानि के केस में फिर टली सुनवाई

सुलतानपुर । केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में मंगलवार को कोर्ट मजिस्ट्रेट के अवकाश के कारण सुनवाई टल गई। बीती तारीख पर परिवादी भाजपा नेता विजय मिश्र का साक्ष्य विशेष कोर्ट मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत में दर्ज किया गया था। परिवादी विजय मिश्र के वकील संतोष पांडेय ने बताया कोर्ट मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा के अवकाश के कारण सुनवाई नही हो सकी। 31 अक्टूबर को कोर्ट में अवकाश होने के कारण सुनवाई मंगलवार को होनी थी। परिवादी से शेष जिरह के लिए 23 नवम्बर की तारीख नियत की गई है। बेंगलुरु में एक जनसभा के दौरान राहुल गांधी ने तत्कालीन बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष व मौजूदा केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। जिसको लेकर कोतवाली देहात थाने के हनुमानगंज निवासी कोआपरेटिव के पूर्व चेयरमैन व बीजेपी नेता विजय मिश्रा ने चार अगस्त 2018 को राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था, जिसमें राहुल गांधी की जमानत व बयान दर्ज हो चुका है। परिवादी से जिरह की कार्रवाई में मामले की सुनवाई नियत की गई है।

बरसाना में बरसे लाठी-डंडे, एक घंटे तक जमकर हुआ पथराव, एक की मौत

-मामूली कहासुनी के बाद खूनी संघर्ष, क्षेत्र में तनाव, पुलिस बल तैनात

मथुरा। बरसाना के गांव रांकोली में मामूली कहासुनी को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि दो पक्ष आमने-सामने आ गए और दोनों पक्षों में जमकर लाठी, डंडे चले व पथराव भी हुआ। इसमें बीच-बचाव करने आए एक बुजुर्ग की लाठी लगने से मौत हो गई। घटना के बाद गांव में तनावपूर्ण स्थिति है वहां पुलिस बल तैनात किया गया है। जानकारी के मुताबिक मंगलवार को बरसाना क्षेत्र के राकोली गांव में देवीराम और रामधन में पुरानी रंजिश को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बड़ा कि उसने संघर्ष का रुप ले लिया और दोनों पक्षों की तरफ से लाठी-डंडा व पथराव शुरु हो गया। करीब एक घंटे तक दोनों पक्षों के बीच पथराव होता रहा। इस दौरान देवीराम चोटिल हो गया। वहीं बीच बचाव करने आए बुजुर्ग हीरालाल को डंडा लग गया जिससे उनकी मौत हो गई। घटना के बाद गांव में पुलिस बल तैनात है। बताया जा रहा है कि तीन दिन पहले भी दोनों पक्षों में झगड़ा हुआ था। थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों पक्षों में आपसी कहासुनी को लेकर झगड़ा हो गया था। वहीं बीच बचाव के दौरान एक बुजुर्ग हीरालाल की लाठी लगने से मृत्यु हो गई। पुलिस ने दोनों पक्षों पर मामला दर्ज लिया है और आगे की कार्रवाई शुरु कर दी है।

कानपुर में अस्पताल के संचालक पर नर्स से बलात्कार का आरोप

कानपुर । उत्तर प्रदेश के कानपुर में निजी अस्पताल के संचालक पर 22 वर्षीय नर्स का रेप करने का आरोप लगा है। रिपोर्टों के अनुसार, यह आशंका है कि रेप से पहले आरोपी ने नर्स को नशीला पदार्थ पिलाया, इसके बाद बेहोशी में उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने बताया कि पीड़िता पिछले कुछ माह से अस्पताल में नर्स के रूप में काम कर रही थी। बीती रविवार शाम को नर्स को अस्पताल के डायरेक्टर द्वारा आयोजित पार्टी में शामिल होने के लिए बुलाया गया था। तभी आरोपी डायरेक्टर इम्तियाज ने नर्स को आधी रात के आसपास अपने कमरे में बुलाकर जबरदस्ती अंदर खींचकर दरवाजा बंद कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने रात में नर्स को बंधक बनाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी। कानपुर पुलिस ने नर्स की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर आरोपी इम्तियाज को गिरफ्तार किया है। जहां अदालत में पेश किया गया है। पीड़िता ने बताया कि वह 22 साल की है और आरोपी के नर्सिंग होम में नर्स है। देर रात डायरेक्टर ने नाइट ड्यूटी के बहाने पार्टी के लिए रोका और उसके बाद अकेला पाकर मुझे कमरे में खींच लिया।

3 साल में बांधवगढ़ में 93 बाघों की मौत अभी 10 हाथियों की मौत एक साथ

भोपाल । बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में पिछले तीन सालों में 93 बाघों की मौत हुई है। इन मौतों को रोकने में वन विभाग के अधिकारी असफल साबित हुए हैं। इस साल में भी 12 बाघ अभी तक मर चुके हैं। यह सभी मौतें टाइगर रिजर्व के अंदर हुई है। हाल ही में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में 10 साथियों की मौत हुई है। रात भर हाथी विंघाड़ते रहे। इसके बाद भी वन कर्मियों ने उनकी सुध नहीं ली। टाइगर रिजर्व में जिस तरह से वन्य जीवों की मौत हो रही है। उसको लेकर देश भर में चिंता प्रकट की जा रही है। वन्यजीवों की मौत का सिलसिला यहां पर रुक नहीं रहा है। लगातार वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की शिकायत शासन स्तर पर होती हैं। लेकिन पिछले तीन वर्षों में कोई बदलाव देखने को नहीं मिल रहा है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इस बार कड़ा रुख अख्तियार किया है।

मध्य प्रदेश में तेजी से फैल रहा है लंमम्पी वायरस

नीमच । मध्य प्रदेश के नीमच और मंदसौर जिले में लंमम्पी वायरस का संक्रमण तेजी के साथ फैल रहा है। पशु चिकित्सालयों में उपचार की व्यवस्था नहीं है। अस्पतालों में डॉक्टर भी उपलब्ध नहीं है। अभी तक अकेले नीमच में 200 से ज्यादा मवेशियों की मौत उक्त वायरस के कारण हो चुकी है। मवेशियों को जो वैक्सीन डोज लगाए जाते हैं। उसका काम भी अभी तक शुरू नहीं हुआ है। जब लंमम्पी वायरस तेजी के साथ फैल रहा है। उसके बाद पशु चिकित्सा विभाग ने 1 लाख वैक्सीन मगाने की प्रक्रिया शुरू की है। इससे समझा जा सकता है, पशु चिकित्सा विभाग किस तरह से सजग है। लगभग एक माह से प्रदेश के कई हिस्सों में लंम्पी वायरस फैलने की जानकारी आना शुरू हो गई थी। उसके बाद भी पशु चिकित्सा विभाग द्वारा वैक्सीनेशन नही किया गया।

यूपी मदरसा बोर्ड पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का मौलाना महमूद मदनी ने किया स्वागत, जानें क्या कहा

लखनऊ (एजेंसी)। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004 पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया, इसे %न्याय की जीत% और %अंत में बहुत जरूरी रोशनी% बताया। भारतीय मुस्लिम समुदाय के लिए %सुरंग%. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शीर्ष अदालत का फैसला सराहना का पात्र है, उन्होंने कहा कि अक्सर ऐसे फैसले देने के लिए न्यायपालिका, खासकर निचली अदालतों की आलोचना होती है, जो कुछ मामलों में अन्यायपूर्ण लगते हैं। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया जाना चाहिए। हमारी अदालतों और खासकर निचली अदालतों के खिलाफ शिकायत है कि उनके फैसले कई मामलों में न्याय के खिलाफ हैं।

भारत के मुख्य न्यायाधीश की जियो और जीने दो% वाली टिप्पणी पर विचार करते हुए, उन्होंने प्रत्येक भारतीय के लिए एक मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में इसके महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज भारत के मुसलमान निराश महसूस कर रहे हैं। इसके कई कारण हैं। मुझे लगता है कि यह फैसला सभी के लिए आश्वस्त करने वाला होगा। मैं यूपी मदरसा बोर्ड एसोसिएशन और टीचर्स एसोसिएशन को उनकी लड़ाई के लिए बधाई देता हूं।

मुस्लिम धार्मिक नेताओं और विपक्षी दलों ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम की वैधता को बरकरार रखने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के वरिष्ठ सदस्य मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा कि अब मदरसे पूरी आजादी के साथ चल सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा बनाया गया कानून असंवैधानिक कैसे हो सकता है? इन मदरसों से हजारों लोग जुड़े हुए हैं और सुप्रीम कोर्ट के फैसले से उन्हें बड़ी राहत मिली है। अब हम पूरी आजादी के साथ अपने मदरसे चला सकते हैं।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति हैरिस के पैतृक गांव में उनकी जीत के लिए हुई विशेष पूजा

चेन्नई । अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के पैतृक गांव तिरुवनंतपुरम जिले के थुलसेंद्रपुरम में श्री धर्मस्थ मंदिर में उनके राष्ट्रपति चुनाव में जीत के लिए विशेष पूजा का आयोजन किया। श्री धर्मस्थ मंदिर कमला हैरिस की मां श्यामला गोपालन का पैतृक मंदिर है। कमला के दादा पी.वी. गोपालन ने मंदिर के जीर्णोद्धार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। मंदिर के बोर्ड पर दिखाया गया है कि कमला ने मंदिर को 5,000 रुपए का दान दिया, जो उनकी मौसी सरला ने उनकी ओर से किया। ग्रामीणों ने बताया कि पूरा गांव कमला के लिए प्रार्थना कर रहा है। उनके लिए कई पूजा आयोजित हुई हैं। उन्होंने कमला की सफलता के लिए गर्व महसूस कर कहा कि वह एक ऐसी महिला हैं जो वैश्विक मामलों को प्रभावित करने वाले पद के लिए लड़ रही हैं। गांव के लोग कमला की जीत के लिए उत्साहित हैं और यदि वह जीतती हैं, तो अन्नदानम (मुफ्त भोजन वितरण) के साथ जश्न मनाने की योजना बना रहे हैं। डीएमके पार्षद अरुलमोझी और उनके पति टी सुथाकर ने चंदन, हल्दी और अन्य पवित्र वस्तुओं के साथ एक विशेष अभिषेक किया है, और मंदिर में पीठासीन देवता की पूजा की है।

महाराष्ट्र चुनाव के बीच शरद पवार ने दिया संन्यास लेने का इशारा... क्या पड़ेगा चुनाव पर असर

लखनऊ (एजेंसी)। मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों के बीच, राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार ने राजनीति से संन्यास लेने का इशारा किया है। 84 वर्षीय पवार, जो वर्तमान में राजनीति में सक्रिय हैं, ने कहा कि अब समय आ गया है कि नए नेताओं को मौका दिया जाए।

पवार ने अपने रिटायरमेंट पर कहा, कहीं रुकना ही पड़ेगा। मुझे अब कोई चुनाव नहीं लड़ना है। मुझे चुनाव को लेकर रुकना पड़ेगा और नए लोगों को मौका देने का समय आ गया। उन्होंने बताया कि 14 बार चुनाव लड़ा है और अब वह सरकार का हिस्सा नहीं रहना चाहते हैं। पवार ने अपने राज्यसभा कार्यकाल को लेकर भी विचार व्यक्त किया, इसमें अभी डेढ़ साल का समय है। उन्होंने कहा, इसके बाद मैं राज्यसभा में जाऊंगा या नहीं, इस पर मुझे विचार करना है। मैं अब चुनाव नहीं लड़ूंगा। मुझे अब एमएलए या एमपी नहीं बनना है। मैं लोगों की सेवा करना चाहता हूं। पवार ने कहा कि यदि उनकी विचारधारा के अनुसार सरकार बनती है, तब वे मजबूती से उसके साथ खड़ा रहूंगा। इस साल की शुरुआत में, अजित ने शरद पवार की उम्र को लेकर तंज करते हुए कहा था कि इस उम्र में उन्हें घर में रहना चाहिए। इसके जवाब में, शरद ने कहा कि उनकी उम्र पर टिप्पणी करने वाले अजित को समझना चाहिए कि उनके पास अभी भी राज्यसभा में काम करने का समय बचा है।

मुस्लिम बहनें भी बिना डर के घूमें, अगर कोई भी गुंडागर्दी करे तो ठोक दो: गडकरी

नागपुर (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने मुस्लिम महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम महिलाओं को भी बिना किसी डर के बाहर निकलना चाहिए और यदि कोई गुंडागर्दी करता है तो उसे सख्ती से निपटने की जरूरत है। गडकरी ने यह टिप्पणी नागपुर के ताज बाग में गुंडागर्दी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान की।

गडकरी ने कहा कि हमने नागपुर में इतनी मजबूत सड़कें बनाई हैं कि अब एक भी गड्ढा नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि मैंने ठेकेदारों को चेतावनी दी है कि अगर सड़क पर गड्ढे मिले तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। गडकरी का यह बयान ऐसे समय आया है जब वह कांग्रेस पर हमलावर थे और उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 60 सालों में जनता के लिए कुछ नहीं किया और हमेशा जातिवाद की राजनीति की है।

गडकरी ने यह भी कहा कि उनकी सरकार ने मुसलमानों की चिकित्सा जरूरतों का ध्यान रखा है और उन्होंने यह नहीं पूछा कि किसी की जाति क्या है। हमने ताज बाग का सौंदर्यीकरण किया है और गुंडागर्दी को खत्म करने के लिए डिप्टी कमिश्नर से बात की है। उन्होंने आगे कहा कि मुस्लिम बहनें रात को ताज बाग के रास्ते पर सुरक्षा के साथ घूम सकती हैं। यदि कोई गुंडा उन्हें परेशान करे तो उसे ठोक दो और अगर कोई कुछ कहे तो मेरा नाम बताओ, मैं चिंता नहीं करूंगा। मेरी मां-बहनों की इज्जत सुरक्षित रहनी चाहिए। गडकरी के इस बयान ने महिलाओं की सुरक्षा और राजनीतिक विमर्श में एक नई चर्चा छेड़ दी है, जिसमें वह एक मजबूत संदेश देते हुए नजर आ रहे हैं कि हर किसी को अपनी सुरक्षा के लिए खड़ा होना चाहिए।

दिल्ली में सर्वे का अनुमान : बीजेपी का खत्म होगा 28 साल का वनवास, 43.4 फीसदी वोट मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले एक सर्वेक्षण के अनुमान में इस बार बीजेपी की सरकार बनने का दावा किया जा रहा है। इस प्रकार यदि सर्वे की बात सच होती है तो दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी का 28 साल का वनवास खत्म होने जा रहा है। सर्वे के अनुसार, दिल्ली में भाजपा को इस बार 43.4 फीसदी वोट मिलने का अनुमान है। सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी के हालिया अंदरूनी सर्वे के बाद 2013 के बाद पहली बार लग रहा है कि वो दिल्ली में सरकार बनाने की स्थिति में आ जाएगी। दरअसल, बीते दिनों पार्टी के अंदरूनी सर्वे में आगामी विधान सभा चुनाव में 43.4 फीसदी वोट मिलने की संभावना के बाद बीजेपी ने इसको 46 फीसदी तक ले जाने का टारगेट रखा है। ऐसे में महाराष्ट्र और झारखंड चुनाव नतीजों के बाद दिल्ली पर फोकस बढ़ेगा। दिल्ली के पड़ोसी राज्य हरियाणा में मिली जीत से उत्साहित बीजेपी का ध्यान इस वक्त महाराष्ट्र और झारखंड में भले हो लेकिन दिल्ली विधानसभा चुनाव जीतने की रणनीति पर अमल अभी से शुरू हो गया है। लगातार तीन बार लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करने वाली भारतीय जनता पार्टी विधानसभा चुनाव में जिन वजहों से पीछे जाती है, उन पर अभी से ही पार्टी का फोकस है। इसके लिए आरएसएस के पदाधिकारियों ने हरियाणा की तर्ज पर पूरी ताकत लगा दी है और कार्यकर्ता हर बूथ पर 5 लोगों से मुलाकात कर रहे हैं।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने सीएम सिद्दारमैया समेत अन्य को जारी किया नोटिस

-आरटीआई कार्यकर्ता ने की मुडा मामले को सीबीआई को सौंपने की मांग

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने मंगलवार को आरटीआई कार्यकर्ता की ओर से दायर रिट याचिका पर सीएम सिद्दारमैया और अन्य को नोटिस भेजा है। इस याचिका में मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले को सीबीआई को स्थानांतरित करने का निर्देश देने की मांग की गई है। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने सिद्दारमैया की पत्नी पार्वती, उनके साले मल्लिकार्जुन स्वामी, भारत संघ, राज्य सरकार, सीबीआई और लोकायुक्त को भी नोटिस जारी किया है। उन्होंने लोकायुक्त को मामले में अब तक की गई जांच का ब्यौरा पेश करने का भी निर्देश दिया है। कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई 26 नवंबर तय की है।

इस बीच लोकायुक्त पुलिस ने सीएम सिद्दारमैया को 6 नवंबर को पूछताछ के लिए

बुलाया है। इससे पहले 25 अक्टूबर को लोकायुक्त ने सीएम की पत्नी पार्वती से भी पूछताछ की थी जो इस मामले में आरोपी हैं। सीएम पर आरोप है कि मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) ने उनकी पत्नी को 14 प्लॉट के आवंटन में अनियमितताएं की हैं। मामले में सीएम सिद्दारमैया, उनकी पत्नी पार्वती, स्वामी, देवराजू और अन्य लोगों का नाम शामिल है, जिन्हें मैसूर स्थित लोकायुक्त पुलिस द्वारा 27 सितंबर को दर्ज की गई एफआईआर में नामित किया है। स्वामी और देवराजू ने लोकायुक्त पुलिस के सामने गवाही भी दी है।

गौरतलब है कि मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) एक स्वायत्त संस्था है, जिसका कार्य शहर के विकास कार्यों के लिए भूमि के अधिग्रहण और आवंटन का है। इसे भूमि घोटालों की वजह से मुडा नाम दिया गया है। इस मामले से जुड़े अधिकारियों के नाम भी सामने आए हैं और इसे करीब पांच हजार करोड़ रुपए का घोटाला माना जा रहा है।

सीएम सिद्दारमैया पर लगे भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में कहा है कि उनकी पत्नी पार्वती को उनके भाई मल्लिकार्जुन ने कैसारे गांव में कुछ जमीन गिफ्ट के रूप में दी थी। इस जमीन को बाद में मुडा ने अधिग्रहित कर लिया और इसके बदले पार्वती को विजयनगर इलाके में 38,223 वर्ग फीट के प्लॉट दिए गए। आरोप है कि विजयनगर के प्लॉट की कीमत उनके मूल कीमत से काफी ज्यादा है, जिससे इन पर लगे आरोपी की पुष्टि होती है।

गैरकानूनी तरीके से फडणवीस ने रश्मि शुक्ला को बनाया डीजीपी : राउत

मुंबई (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद एवं शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) नेता संजय राउत ने महाराष्ट्र चुनाव से पहले पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला के हटाए जाने पर तीखी प्रतिक्रिया दी। शिवसेना यूबीटी गुट के नेता राउत ने कहा कि रश्मि को डीजीपी बनाना एक गंभीर अपराध है। राऊत ने आरोप लगाया कि पूर्व गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रश्मि को गैरकानूनी तरीके से नियुक्त किया था, जबकि रश्मि निर्लंबित थीं और अपने पद पर रहते हुए भाजपा के विरोधियों के फोन टैप कर रही थीं।

राउत ने कहा कि रश्मि शुक्ला ने चुनावी प्रक्रिया में दखल देकर विधायक चुने जाने के बाद कई नेताओं को धमकाया और डराया था। उनका निलंबन होने वाला था और वे जेल जाने की स्थिति में थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता परिवर्तन के बाद फडणवीस ने रश्मि के खिलाफ सभी मामलों को हटाने के बाद उन्हें पुलिस महासंचालक बना दिया। राउत ने कहा कि भाजपा ने इस स्थिति का फायदा उठाया और पुलिस महासंचालक के कार्यालय को राजनीतिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया। राउत ने चुनाव आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाकर कहा कि उन्होंने बार-बार चुनाव आयोग से शिकायत की थी कि रश्मि को हटाया जाए। उन्होंने कहा, अगर उनका तबादला नहीं किया गया, तब चुनाव आयोग की थोड़ी बहुत इज्जत भी चली जाएगी। यही कारण है कि उनका

तबादला किया गया।

इसके अलावा, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे को लेकर राउत ने कहा कि महाराष्ट्र बहुत बड़ा है और यहां 288 विधानसभा सीटें हैं। शिवसेना के उम्मीदवारों के जीतने की संभावना पर राउत ने भाजपा के इस दावे का जवाब दिया कि शिवसेना किसी की निजी प्रॉपर्टी नहीं है। उन्होंने कहा, यह शिंदे की प्रॉपर्टी नहीं है। यह अमित शाह और पीएम नरेंद्र मोदी की प्रॉपर्टी नहीं थी। यह बालासाहब ठाकरे और शरद पवार की विरासत है, इस उद्धव ठाकरे को सौंपा गया था।

तांत्रिक ने तबाह किया परिवार: पत्नी व चार बच्चों की हत्या कर की खुदकुशी

-जघन्य हत्याकांड से इलाके में फैली सनसनी

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में भेलूपुर के भदैनी इलाके में तांत्रिक के कहने पर शराब कारोबारी ने राजेंद्र गुप्ता ने अपने पूरे परिवार को खत्म कर खुदकुशी कर ली। राजेंद्र गुप्ता ने पत्नी नीतू गुप्ता (42), बेटा नवनेंद्र (20) और सुवेंद्र (15), बेटी गौरांगी (16) की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस कारोबारी की तलाश कर ही रही थी कि उसकी भी लाश दूसरे घर के पास मिली। लाश बगल में पिस्टल भी मिला है। माना जा रहा है कि उसने आत्महत्या कर ली है। जघन्य हत्याकांड की जानकारी मिलते ही सनसनी फैल गई। पुलिस अब उस तांत्रिक की तलाश कर रही है जिसके कहने पर इतनी बड़ी वारदात को अंजाम दिया गया है। पड़ोसियों के अनुसार तांत्रिक ने कारोबारी से कहा था कि उसकी पत्नी कारोबार में बाधा है। इस कारण वह दूसरी शादी के चक्कर में भी पड़ा था। अक्सर इसे लेकर पति-पत्नी में झगड़ा होता था। घर में कारोबारी की मां भी थी लेकिन काफी बुजुर्ग होने के चलते वह ठीक से न तो बोल पा रहीं और न चल-फिर पाती हैं। अब वह ही अकेली बची हैं।

घर में पहले भी हो चुकी थी पांच हत्याएं

बताया जाता है कि इस घर में इससे पहले भी पांच हत्याएं हो चुकी हैं। पिता, दो गार्ड, भाई और उसकी पत्नी की भी हत्या हुई थी। पड़ोसियों की मानें तो हत्या में कारोबारी जेल भी गया था। जघन्य वारदात का पता मंगलवार की दोपहर तब लगा जब नौकरानी रेनू वर्मा घर पर काम करने के लिए आई। नौकरानी ने बताया कि मैं यहां 5 साल से काम कर रही हूं। सबकुछ अच्छा चल रहा था। सोमवार शाम को मैं खाने बनाने आई तो घर में सिर्फ दो बच्चे थे। मैं खाना बनाकर करीब 6.30 बजे चली गई। इसके बाद सवेरे सबसे पहले सफाई करने वाली रीता पहुंची। उसने आवाज दी, लेकिन किसी का जवाब नहीं मिलने पर उसने दरवाजा खटखटाया। हल्के से धक्के में दरवाजा खुल गया। देखा तो कमरे में चारों लोगों की लाश पड़ी है। आसपास खून बिखरा था। यह देखते ही रीता बेहोश हो गई। तत्काल पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। बताया जाता है कि मारा गया बड़ा बेटा नवनेंद्र बेंगलुरु में मल्टीनेशनल कंपनी में इंजीनियर था। वह दिवाली पर छुट्टी लेकर घर आया था। घर पर छठ मनाने की तैयारियां चल रही थीं। छोटा बेटा और बेटी डीपीएस में पढ़ते थे।

पैसों की नहीं थी कोई कमी

कारोबारी राजेंद्र गुप्ता को पैसे की कोई कमी नहीं थी। उसके पास शहर में कुल चार घर हैं। दो घर तो 50-50 कमरों के हैं। जिस घर में हत्याकांड को अंजाम दिया गया है उसमें 20 कमरे का किराया 80 हजार रुपए आता था। 30 कमरों का रेंट दो लाख से ज्यादा था। इसके अलावा भदैनी में ही दूसरे घर से भी करीब दो लाख से ज्यादा रेंट मिलता था।

जिस जमीन से लोग ताजमहल के दीदार करते हैं उस पर किसान ने दावा ठोका

आगरा (एजेंसी)। आगरा में ताजमहल के निकट स्थित ग्यारह सीढ़ी पार्क को लेकर एक नया विवाद सामने आया है। कछपुरा के निवासी किसान मुन्ना लाल ने दावा किया है कि इस पार्क में उनकी पुश्तैनी जमीन का एक हिस्सा है, जिस पर उन्होंने 40 वर्षों की लंबी कानूनी लड़ाई के बाद अधिकार प्राप्त किया है। उनका कहना है कि यह जमीन उनके पूर्वजों द्वारा उपयोग की जाती थी और इसके लिए उनके पास सभी कानूनी दस्तावेज भी मौजूद हैं। मुन्ना लाल के अनुसार, उनकी जमीन पर पहले उनके पिता और चाचा खेती करते थे। लेकिन 1976 में भूमि सीलिंग के कारण यह जमीन उनके हाथ से निकल गई। इसके बावजूद, उन्होंने न्यायालय में अपने स्वामित्व का दावा किया और 1998 और 2020 में जारी दस्तावेजों में भूमि का ट्रांसफर उनके पक्ष में दर्ज किया गया है। हाल ही में, मुन्ना लाल ने पार्क के अंदर छह बीघा जमीन

जोत दी है और इसे चारों ओर तार से घेरकर आम जनता की एंट्री पर बैन लगा दिया है।

आगरा की मंडलायुक्त ऋतु महेश्वरी ने बताया कि यह भूमि आगरा विकास प्राधिकरण (एडीए) के अधिकार क्षेत्र में आती है। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। एडीए का उद्देश्य इस पार्क को एक आकर्षक मनोरंजन और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित करना है, जिसमें ताज महोत्सव जैसे आयोजन भी शामिल हैं। ग्यारह सीढ़ी पार्क, जो पर्यटकों के लिए एक लोकप्रिय स्थल है, खासकर सूर्यास्त के समय ताजमहल का दृश्य देखने के लिए, अब विवादों में घिर गया है। स्थानीय पर्यटक गाइड फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय महासचिव शकील चौहान ने कहा कि इस नए विवाद ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं, खासकर उस समय जब ताजमहल के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक यहां आते हैं। मुन्ना लाल ने अपनी कानूनी लड़ाई के दौरान कई बार स्थानीय अधिकारियों से संपर्क किया है और उनका दावा है कि उनके पास अदालत के आदेश और रेवेन्यू रिकॉर्ड में स्वामित्व की पुष्टि भी है। अब यह देखना होगा कि स्थानीय प्रशासन और न्यायालय इस विवाद का समाधान कैसे निकालते हैं और पर्यटकों के लिए पार्क की स्थिति पर इसका क्या असर पड़ेगा।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी**,, **प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह* प्रधान संपादक-देवेंद्र सिंह*** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**